UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

राजनीति विज्ञान

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन

यू.जी.सी. राजनीति विज्ञान परीक्षा विशेषज्ञ समिति

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

मो. : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम ---------- 3-4
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ----------5-10
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 11-17
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 18-26
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 27-34
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 35-42
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 43-50
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 51-58
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 59-66
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 67-74
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 75-82
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 83-91
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र----------92-100
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 101-107
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र---------- 108-118
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 119-125
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 126-136
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 137-144
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र पुनर्परीक्षा (जून) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 145-153
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र---------- 154-165
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र पुनर्परीक्षा (जून) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 166-178
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 179-187
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 188-199
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 200-208
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र---------- 209-220
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 221-228
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 229-241
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 242-250
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र---------- 251-261
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 262-270
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 271-283
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जुलाई) परीक्षा, 2016 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 284-291
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जुलाई) परीक्षा, 2016 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 292-304
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जनवरी) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 305-311
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जनवरी) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 312-321
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 322-328
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र ---------- 329-340
- यू. जी. सी. नेट राजनीति शास्त्र (जुलाई) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 341-355
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 356-371
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 372-385
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र (दिसम्बर) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 386-400
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र (जून) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 401-416
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2020/जून 2021 (S-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 417-440
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2020/जून 2021 (S-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 441-464
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2021/जून 2022 (S-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 465-491
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2021/जून 2022 (S-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 492-520
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2022 (S-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 521-552
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2022 (S-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 553-584
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, जून 2023 (S-I) : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 585-608
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, जून 2023 (S-II) : द्वितीय प्रश्न-पत्र ---------- 609-632
- यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र परीक्षा, दिसम्बर 2023 : द्वितीय प्रश्न-पत्र---------- 633-664

यू. जी. सी. NTA नेट राजनीति शास्त्र नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम

इकाई I

राजनीतिक सिद्धान्त

अवधारणाएँ – स्वतंत्रत, समानता, न्याय, अधिकार, लोकतंत्र, व्यक्ति, नागरिकता।

राजनीतिक परंपराएँ – उदारवाद, अनुदारवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, नारीवाद, पारिस्थितिकवाद, बहुसंस्कृतिवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

इकाई II

राजनीतिक विचारक

कंफ्यूशियस, प्लेटो, अरस्तू, मैकियावली, हॉब्स, लॉक, रूसो, हीगेल, मेरी वोल्स्टनोक्राफ्ट, जॉन स्टुअर्ट मिल, कार्ल मार्क्स, ग्राम्शी, हैन्ना आरेंट, फ्रांज फनॉन, माओ जेडाँग, जॉन रॉल्स।

इकाई III

भारतीय राजनीतिक विचारक

धर्मशास्त्र, कौटिल्य, अगाना सुत्त, बरनी, कबीर, पंडिता रमाबाई, बाल गंगाधर तिलक, स्वामी विवेकानन्द, रवीन्द्र नाथ टैगोर, एम. के. गाँधी, श्री अरबिन्दो, पेरियार ई. वी. रामासामी, मुहम्मद इकबाल, एम. एन. रॉय, वी. डी. सावरकर, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, जे. एल. नेहरू, राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण, दीन दयाल उपाध्याय।

इकाई IV

तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण

उपागम : संस्थागत, राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक अर्थव्यवस्था तथा नव-संस्थावाद, तुलनात्मक विधियाँ।

उपनिवेशवाद तथा विऔपनिवेशीकरण : उपनिवेशवाद के रूप, औपनिवेशिकता-विरोधी संघर्ष तथा विऔपनिवेशीकरण (डिकोलोनाइजेशन)।

राष्ट्रवाद : यूरोपीय तथा गैर-यूरोपीय।

राज्य सिद्धांत : पूँजीवादी और समाजवादी समाजों में राज्य की प्रकृति पर वाद-विवाद, उत्तर-औपनिवेशिक राज्य, कल्याणकारी राज्य, वैश्वीकरण तथा राष्ट्र-राज्य।

राजनीतिक शासन-प्रणालियाँ : लोकतांत्रिक (निर्वाचकीय, उदार, बहुमत आधारित, सहभागी) तथा गैर-लोकतांत्रिक शासन प्रणालियाँ (पैतृकवाद, अधिकारीतंत्रीय प्राधिकारवाद, सैन्य तानाशाही, सर्वाधिकारवाद तथा फासीवाद)।

संविधान तथा संविधानवाद : संविधान के रूप, विधि का शासन, न्यायिक स्वतंत्रता तथा उदारवादी संविधानवाद, आपातकालीन शक्तियाँ और संविधानवाद का संकट।

लोकतंत्रीकरण : लोकतांत्रिक संक्रमण तथा समेकन।

विकास : अल्पविकास, निर्भरता, आधुनिकीकरण, विश्व व्यवस्था सिद्धांत, विकास तथा लोकतंत्र।

शक्ति की संरचनाएँ : शासक वर्ग, शक्तिसम्पन्न अभिजन वर्ग, लोकतांत्रिक अभिजनवाद।

कर्त्ता और प्रक्रियाएँ : निर्वाचन पद्धतियाँ, राजनीतिक दल तथा दलीय प्रणाली, हित-समूह, सामाजिक आंदोलन, नव सामाजिक आंदोलन, गैर-सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) तथा नागरिक समाज।

इकाई V

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन के उपागम : आदर्शवाद, यथार्थवाद, संरचनात्मक मार्क्सवाद, नवउदारवाद, नव यथार्थवाद, सामाजिक रचनावाद, आलोचनात्मक अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत, नारीवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

अवधारणाएँ : राज्य, राज्य प्रणाली तथा गैर राजकीय कर्त्ता, शक्ति, संप्रभुता, सुरक्षा : परंपरागत और गैर-परंपरागत।

संघर्ष तथा शांति : युद्ध की बदलती हुई प्रकृति, सामूहिक-विनाशकारी हथियार, निवारण, संघर्ष विनियोजन, संघर्ष रूपान्तरण।

संयुक्त राष्ट्र : लक्ष्य, उद्देश्य, संयुक्त राष्ट्र की संरचना तथा इसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन, शांति और विकास से संबंधित दृष्टिकोण, मानवीय हस्तक्षेप। अंतर्राष्ट्रीय विधि, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध की राजनीतिक अर्थव्यवस्था : वैश्वीकरण, वैश्विक अभिशासन तथा ब्रेटन वुड्स प्रणाली, उत्तर-दक्षिण संवाद, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.), जी-20, ब्रिक्स।

क्षेत्रीय संगठन : यूरोपीय संघ, अफ्रीकी संघ, शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन, आसियान।

समसामयिक चुनौतियाँ : अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय चिंताएँ, मानवाधिकार, प्रवासन तथा शरणार्थी, गरीबी तथा विकास, धर्म, संस्कृति तथा पहचान-राजनीति की भूमिका।

इकाई VI

भारत की विदेश नीति

भारत की विदेश नीति पर दृष्टिकोण : उत्तर-औपनिवेशिक, विकासात्मक, उदयमान शक्ति तथा उभरती हुई राजनीतिक अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की पहचान।

भारत की विदेश नीति में निरंतरता और बदलाव : सिद्धांत तथा निर्धारक तत्व, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, गुटनिरपेक्ष आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा प्रासंगिकता, भारत की परमाणु नीति।

प्रमुख शक्तियों के साथ भारत के संबंध : संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत यूनियन/रूस, पीपॅल्स रिपब्लिक ऑफ चायना।

बहुध्रुवीय दुनिया के साथभारत का संबंध : यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध, ब्रिक्स, आसियान, शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन, अफ्रीकी संघ, दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय, गल्फ कोऑपरेशन कौंसिल।

पड़ोसी देशों के साथ भारत का संबंध : सार्क, गुजराल सिद्धांत, लुक ईस्ट/ऐक्ट (पूर्व की ओर देखो/पूर्व की ओर कार्य करो), लुक वेस्ट (पश्चिम की ओर देखो)।

अंतर्राष्ट्रीय शासन व्यवस्था में भारत की परक्रामण कार्यनीति : संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल।

समसामयिक चुनौतियाँ : समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरणीय सुरक्षा, प्रवासन तथा शरणार्थी, जल संसाधन, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, साइबर सुरक्षा।

इकाई VII

भारत में राजनीतिक संस्थाएँ

भारतीय संविधान का निर्माण : औपनिवेशिक विरासत, भारत के संविधान निर्माण में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का योगदान।

संविधान सभा : गठन, वैचारिक अवलंब, संवैधानिक बहस।

संविधान का दर्शन : उद्देशिका, मौलिक अधिकार, नीति निदेशक सिद्धान्त।

भारत में संविधानवाद : लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकता, नियंत्रण और संतुलन, मौलिक संरचना पर बहस, संविधान में संशोधन।

केन्द्रीय कार्यपालिका : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद।

संसद : संरचना, भूमिका तथा कार्यपद्धति, संसदीय समितियाँ।

न्यायपालिका : उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक समीक्षा, न्यायिक सक्रियतावाद, न्यायिक सुधार।

राज्यों में कार्यपालिका तथा विधानमंडल : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधान मंडल।

भारत में संघवाद : सशक्त केन्द्रपरक संरचना, असममित संघीय प्रावधान तथा अनुकूलन, अंतरसरकारी समन्वयन क्रियाविधि, अंतरराज्ययीय परिषद, उभरती हुई प्रवृत्तियाँ।

निर्वाचन प्रक्रिया तथा भारत का निर्वाचन आयोग : निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन, नियम, चुनाव सुधार।

स्थानीय शासन संस्थाएँ : कार्यपद्धति तथा सुधार।

संवैधानिक तथा संविधिक निकाय : नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग।

इकाई VIII

भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ

राज्य, अर्थव्यवस्था तथा विकास : भारतीय राज्य की प्रकृति, विकास योजना मॉडल, नव आर्थिक नीति, वृद्धि तथा मानव विकास।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया : सामाजिक तथा आर्थिक निहितार्थ।

पहचान की राजनीति : धर्म, जनजाति, जाति, क्षेत्र, भाषा।

सामाजिक आंदोलन : दलित, जनजातीय, महिला, किसान, श्रमिक।

नागरिक समाज के समूह : गैर-दलीय सामाजिक मंच, गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक अभियान समूह।

भारतीय राजनीति का क्षेत्रीयकरण : भारतीय राज्यों का पुनर्गठन, राजनीतिक तथा आर्थिक इकाई के रूप में राज्य, उप-राज्य क्षेत्र, क्षेत्रीय विषमता, नये राज्यों के लिए माँग।

भारत में जेंडर और राजनीति : समानता तथा प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे।

राजनीतिक दलों की विचारधारा तथा सामाजिक आधार : राष्ट्रीय दल, राज्य-स्तरीय दल।

चुनावी राजनीति : सहभागिता, चुनावी प्रतिद्वंद्विता, प्रतिनिधित्व, उभरती हुई प्रवृत्तियाँ।

इकाई IX

लोक प्रशासन

लोक प्रशासन : अर्थ तथा विकास, लोक तथा निजी प्रशासन उपागम : प्रणाली सिद्धान्त, निर्णय-निर्माण, पारिस्थितिकीय उपागम।

लोक-प्रशासन के सिद्धांत तथा अवधारणाएँ : वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त, तर्कसंगत विकल्प सिद्धान्त, नव लोक प्रशासन, विकास प्रशासन, तुलनात्मक लोक प्रशासन, नव लोक प्रबंधन, उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के युग में लोक प्रशासन की बदलती हुई प्रकृति।

संगठन के सिद्धान्त और नियम : वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त, अधिकारीतंत्र सिद्धान्त, मानव संबंध सिद्धान्त।

संगठन का प्रबंधन : नेतृत्व तथा अभिप्रेरणा का सिद्धान्त।

संगठनात्मक संप्रेषण : सिद्धान्त तथा नियम, चेस्टर बर्नार्ड के संप्रेषण के नियम, संगठन में सूचना प्रबंधन।

संगठन में संघर्ष प्रबंधन : मेरी पार्कर फोलेट।

उद्देश्य आधारित प्रबंधन : पीटर ड्रकर।

इकाई X

भारत में शासन-विधि तथा लोक नीति

शासन, सुशासन तथा लोकतंत्रीय शासन, राज्य की भूमिका, नागरिक समाज तथा व्यक्ति।

उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण : नियंत्रण और संतुलन के लिए संस्थानिक तंत्र, कार्यपालिका पर विधायिका का नियंत्रण, प्रशासनिक तथा बजटीय नियंत्रण, संसदीय समितियाँ के माध्यम से नियंत्रण, विधायिका और कार्यपालिका पर न्यायिक नियंत्रण, प्रशासनिक संस्कृति, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार।

सुशासन के सांस्थानिक तंत्र : सूचना का अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, सिटिजन चार्टर, शिकायत निवारण प्रणाली : ऑम्बुड्जमैन, लोकपाल, लोकायुक्त।

ग्रासरूट (जमीनी स्तर पर) शासन : पांचायती राज संस्थाएँ तथा उनकी कार्यपद्धति।

योजना तथा विकास : विकेंद्रीकृत योजना, विकास के लिए योजना, सतत विकास, ई-गवर्नेंस, एन.आई.टी.आई. आयोग।

सामाजिक-आर्थिक विकास के उपकरण के रूप में लोक नीति– आवास, स्वास्थ्य, पेय जल, खाद्य सुरक्षा, एम. एन. आर. ई. जी. ए., एन. एच. आर. एम., आई. टी. ई. के विशेष संदर्भ में लोक नीतियाँ।

लोक नीति की निगरानी और मूल्यांकन, शासन विधि को उत्तरदायी बनाने की क्रियाविधि : जनसुनवाई ऑडिट।

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2006

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट- प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।

1. आदर्श राज्य के विचार में प्लेटो ने 'बुभुक्षा' शब्द का प्रयोग निम्न में से किस वर्ग के सन्दर्भ में किया है?

(a) सैनिक (b) शासक
(c) शिल्पकार (d) व्यक्तिगण

उत्तर (c)

व्याख्या–प्लेटो के आदर्श राज्य की आधारशिला न्याय के सिद्धान्त पर आधारित है। चूंकि आदर्श राज्य में तीन वर्ग होते है और कार्य विभाजन एवं विशिष्टीकरण की धारणा के आधार पर तीनों वर्ग अपना-अपना कार्य करते हैं। आदर्श राज्य के विचार में प्लेटो ने 'बुभुक्षा' शब्द का प्रयोग शिल्पकार के लिये किया है।

2. 'सर्वश्रेष्ठ व्यावहारिक राज्य' का विचार निम्न में से किस विचारक का योगदान है?

(a) प्लेटो (b) सिसरो
(c) अरस्तू (d) टॉमस एक्विनास

उत्तर (c)

व्याख्या–सर्वश्रेष्ठ व्यवहारिक राज्य के रूप में अरस्तू 'पोलिटी' शब्द का प्रयोग करता है जिसमें मध्यम सद्गुण पाया जाता है। 'पोलिटी', लोकतंत्र व गुटतंत्र का सम्मिलित रूप है। जिसमें संख्या व विवेक का समन्वय होता है।

3. सूची-I तथा सूचा-II का मिलान कीजिए और दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I		सूची-II
(a) धर्म-निरपेक्षता का सिद्धांत	(i)	हॉब्स
(b) सहमति का सिद्धांत	(ii)	रूसो
(c) व्यक्तिवादी सिद्धांत	(iii)	मैकियावली
(d) स्वतन्त्रता का सिद्धांत	(iv)	लॉक

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	iii	iv	i	ii
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-I
(a) धर्म-निरपेक्षता का सिद्धांत	(i) मैकियावली
(b) सहमति का सिद्धांत	(ii) लॉक
(c) व्यक्तिवादी सिद्धांत	(iii) हॉब्स
(d) स्वतन्त्रता का सिद्धांत	(iv) रूसो

4. निम्न में से कौन से जोड़े का सही मिलान नहीं है?

(a) राजनीति के अध्यात्मीकरण का विचार-महात्मा गाँधी
(b) नव मानववाद का विचार-एम0एन0 रॉय
(c) गाँव के पुनर्गठन का विचार- जे.पी. नारायण
(d) इतिहास के आध्यात्मिक निर्धारण का विचार-बी.आर. अम्बेडकर

उत्तर (c)

व्याख्या– सही मिलान निम्नलिखित हैं-

(a) राजनीति के अध्यात्मीकरण का विचार-महात्मा गाँधी
(b) नव मानववाद का विचार-एम0एन0 रॉय
(c) गाँव के पुनर्गठन का विचार- महात्मा गाँधी
(d) इतिहास के आध्यात्मिक निर्धारण का विचार-B.R. अम्बेडर

5. 'टू टेराटाईज ऑन सिविल गवर्नमेन्ट' के लेखक कौन हैं?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) जे.एस. मिल (d) टी.एच. ग्रीन

उत्तर (b)

व्याख्या–'टू ट्रीटीज ऑन सिविल गवर्नमेन्ट' के लेखक जॉन लॉक हैं। लॉक ने यह पुस्तक 1690 में लिखी गई।

6. निम्न में से किस लेखक ने 'न्याय का सिद्धांत समझौतावाद' पर आधारित किया?

(a) लेनिन (b) नॉजिक
(c) रॉल्स (d) रूसो

उत्तर (c)

व्याख्या–रॉल्स के 'न्याय का सिद्धान्त' 'समझौतावाद' पर आधारित है। रॉल्स ने अपने न्याय सिद्धांत को शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय की संज्ञा दी है। इनकी पुस्तक 'थ्योरी ऑफ जस्टिस (1971)' है।

7. निम्न में से कौन से जोड़े का सही मिलान नहीं है?

(a) दो तलवारों का सिद्धांत- जॉन ऑफ सेल्सबरी
(b) न्याय का वितरणात्मक सिद्धांत- रॉल्स
(c) अंतर्विरोध का विचार- माओ
(d) नव मानववाद का विचार- लेनिन

उत्तर (d)

व्याख्या–सही मिलान निम्नलिखित है-

- दो तलवारों का सिद्धान्त का मुख्य प्रतिपादक पोप ग्लेसियस प्रथम।
- न्याय का वितरणात्मक सिद्धान्त - रॉल्स
- अंतर्विरोध का विचार - माओ
- नवमानव वाद का विचार- M.N. राय

8. ''चर्च की सरकार इसके सदस्यों की सहमति पर आधारित है।'' इस विचार की पुष्टि किसने की?

(a) पुनर्जागरण (b) परिषदिक आन्दोलन
(c) ज्ञानोद्दीप्त काल (d) पांडित्यवाद

उत्तर (b)

व्याख्या–मध्य युग में चर्च सर्वोच्च सत्ता का केन्द्र था। राज्य की सभा भी उसके अधीन और नियंत्रण में थी। चर्च की सरकार इसके सदस्यों की सहमति पर आधारित है। इस विचार की पुष्टि परिषदिक आन्दोलन ने की। प्रतिपादक मॉर्सिलियो-दा-पेडुआ।

9. नीचे दिये गये कथनों में से एक कथन (A) है और दूसरा कारण (R) है।

अभिकथन (A) : हीगल के अनुसार वर्तमान ऐतिहासिक विकासक्रम में केवल संवैधानिक राजतंत्र ही विवेकपूर्ण शासन प्रणाली है।

कारण (R): परन्तु जर्मन स्वभाव के लिए निरंकुश राजतंत्र ही एक मात्र अनुकूल व्यवस्था है।

उपरोक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्न में से सही चुनिए।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b)

व्याख्या–हीगल के दर्शन का आधारस्तम्भ है- 'विश्वात्मा की अवधारणा' और विश्वात्मा की विशेषताएँ हैं- सतत् गतिशीलता। हीगल के अनुसार वर्तमान ऐतिहासिक विकासक्रम में केवल संवैधानिक राजतंत्र की विवेकपूर्ण शासन प्रणाली है। परन्तु जर्मन स्वभाव के लिए निरंकुश राजतंत्र ही एकमात्र अनुकूल व्यवस्था है।

10. यह किसने कहा कि 'कौन, क्या, कब तथा कैसे प्राप्त करता है, यह राजनीति का विषय है-

(a) लासवेल (b) लास्की
(c) डेविड ईस्टन (d) आलमंड

उत्तर (a)

व्याख्या–लॉसवेल शक्ति सिद्धान्त के प्रमुख प्रतिपादक थे। इनकी पुस्तक Politics : How get, what, when, why-1936 है।

11. संवैधानिक वाद की पश्चिमी अवधारणा की मुख्य विशेषता है-

(i) विचारधारा
(ii) विधि का शासन
(iii) प्रतिनिधि संस्थाएँ
(iv) सशक्त लोक मत

(a) (i) (ii) और (iii) (b) (ii) (iii) और (iv)
(c) (i) (iii) और (iv) (d) (i) (ii) और (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–शासन और शासक वर्ग पर नियंत्रण की संविधान द्वारा स्थापित संस्थागत व्यवस्था ही संविधानवाद हैं। संविधान वाद की पश्चिमी अवधारणा की विशेषता निम्नलिखित है-

1. विधि का शासन
2. सशक्त लोकमत
3. प्रतिनिधि संस्थाऐं

12. निम्न में से किसका विश्वास है कि शासक वर्ग शक्ति तथा विशिष्ट चालाकी से शासन करता है?

(a) मोस्का (b) परेटो
(c) मिल्स (d) माइकेल्स

उत्तर (b)

व्याख्या–परेटो का यह मानना है कि शासक वर्ग शक्ति तथा विशिष्ट चालाकी से शासन करता है। अभिजन सिद्धान्त की धारणा विभिन्न व्यक्तियों की क्षमताओं में असमानता पर आधारित है। परेटो के अनुसार वे व्यक्ति जो अपने कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत सबसे अधिक उच्च श्रेणी पर हैं वे अभिजन है।

13. आदर्शवाद आधारित है

(1) विधि की प्रधानता पर (2) शान्ति की प्रधानता पर
(3) विवेक की प्रधानता पर (4) नैतिकता की प्रधानता पर

उत्तर (d)

व्याख्या–आदर्शवाद के अनुसार राष्ट्रों को अपने नैतिक सिद्धांतों पर चलना चाहिए। विश्व की समस्त वस्तुयें, विचार या चेतना की अभिव्यक्ति है। सृष्टि का सारतत्व जड़ पदार्थ नहीं अपितु चेतना है।

14. नियामक राजनीतिक सिद्धांत का कृतविद्रोही सिद्धांत कौन-सा है?

(a) व्यवहारवाद (b) उत्तर व्यवहारवाद
(c) समुदायवाद (d) उदारवाद

उत्तर (a)

व्याख्या–द्वितीय महायुद्ध के पश्चात परम्परागत राजनीति विज्ञान के विरोध में एक व्यापक क्रान्ति हुई, जिसने सभी समाज विज्ञानों को प्रभावित किया। नियामक राजनीतिक सिद्धान्त का कृत 'विद्रोही सिद्धान्त व्यवहारवाद' है।

15. भारत की संघीय व्यवस्था इस संघीय राज्य के निकट है-

(a) अमेरिका के संयुक्त राज्य (b) कनाडा
(c) स्विट्जरलैण्ड (d) फ्रांस

उत्तर (b)

व्याख्या–भारत की संघीय व्यवस्था कनाडा की संघीय व्यवस्था के निकट है। भारतीय संघीय व्यवस्था के प्रमुख तत्व है- लिखित संविधान, स्वतन्त्रता न्यायपालिका, शक्तियों का विभाजन दोहरी शासन व्यवस्था इत्यादि।

16. भारत की संसदीय व्यवस्था कौन से सिद्धांत पर आधारित नहीं है?

(a) सामूहिक उत्तरदायित्व (b) न्यायिक सर्वोच्चता
(c) शक्तियों का पृथक्करण (d) संघवाद

उत्तर (c)

व्याख्या–संसदीय शासन प्रणाली के आधारभूत सिद्धांत हैं-

1. राजनीतिक व्यवस्था की सम्पूर्ण शक्तियों का संसद में केन्द्रित रहना।
2. कार्यपालिका का व्यवस्थापिका के प्रति निरन्तर उत्तरदायित्व।
3. प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल के अभिन्न भाग के रूप में ही शक्तियों का धारक होता है।

17. सामाजिक विज्ञान में व्यवस्था सिद्धांत आया-

(a) जीव विज्ञान द्वारा नृशास्त्र तथा समाजशास्त्र से
(b) भौतिक विज्ञान द्वारा गणित शास्त्र तथा अर्थशास्त्र से
(c) गणित शास्त्र द्वारा अर्थशास्त्र तथा राजनीति विज्ञान से
(d) जीव विज्ञान द्वारा राजनीति विज्ञान तथा समाज शास्त्र से

उत्तर (d)

व्याख्या–तुलनात्मक राजनीति के अन्तर्गत व्यवस्था विश्लेषण सिद्धान्त अमेरिकन राजनीतिशास्त्रियों की देन है। सर्वप्रथम इस सिद्धांत का प्रयोग जीव विज्ञान के बाद राजनीति विज्ञान तथा समाज शास्त्र से होता हुआ यह राजनीतिक विश्लेषण का आधार बन गया।

18. विश्व में सबसे पुराना द्वितीय सदन है-

(a) राज्य सभा (b) लॉर्ड सभा
(c) अमेरिकन सीनेट (d) कनाडा की सीनेट

उत्तर (b)

व्याख्या–लार्ड सभा को इंग्लैण्ड की लोकतन्त्रात्मक प्रणाली में कुलीनतंत्रीय संस्था कहा जा सकता है, क्योंकि इसकी सदस्यता का आधार वंशगत है। लॉर्ड सभा विश्व में सबसे पुराना द्वितीय सदन है।

19. लूसियन पाई के अनुसार राजनैतिक विकास के संकट हैं-

(i) पहचान
(ii) वैधता
(iii) नगरीकरण तथा औद्योगीकरण
(iv) सहभागिता
(a) (i) (ii) और (iv)
(b) (ii) (iii) और (iv)
(c) (i) (ii) और (iii)
(d) (i) (iii) और (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–लुसियन पाई के अनुसार राजनीतिक विकास के संकट निम्नलिखित है-
1. वैधता का संकट
2. नगरीकरण तथा औद्योगीकरण का संकट
3. सहभागिता का संकट

20. निम्न में से कौन-से देश में संसदात्मक तथा अध्याक्षात्मक शासन प्रणाली का मिश्रण है?

(a) भारत (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) यूनाइटेड किंगडम (d) फ्रांस

उत्तर-(d)

व्याख्या–फ्रांस की शासन प्रणाली संसदात्मक तथा अध्याक्षात्मक शासन व्यवस्था का मिश्रण है। 1958 के संविधान ने पांचवे गणराज्य की स्थापना की थी जिसमें न तो राष्ट्रपति सरकार का प्रावधान है और न ही संसदीय सरकार का, बल्कि इसमें दोनों तत्वों को मिला दिया गया है।

21. राजनैतिक दलों का त्रि-वर्गीकरण एक दल पद्धति, द्वि-दल तथा बहु-दल पद्धति में किसने बाँटा है?

(a) ड्वरगर (b) लो पालोम्बरा
(c) जीन ब्लोनडेल (d) एलन बाल

उत्तर (c)

व्याख्या– ब्लोनडेल ने दल व्यवस्थाओं के पाँच प्रकार माने हैं- 1. एकदलीय, 2. द्विदलीय, 3. ढ़ाईदलीय 4. एकदल प्रधान बहुदलीय, 5. बहुदलीय योग

22. निम्न देशों में से किस देश के प्रत्येक राज्य का अपना अलग संविधान है?

(a) इंग्लैण्ड (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) फ्रांस (d) भारत

उत्तर (b)

व्याख्या–संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्येक राज्य का अपना अलग संविधान है। अमरीकी राजनीति का सर्वाधिक रंगीन और आकर्षक तत्व अमरीका के राष्ट्रपति का पद है। इस पद के योग्य व्यक्ति का निर्वाचन एक निर्वाचक मण्डल के द्वारा किया जाता है।

23. राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष कौन थे?

(a) के.एम. पणिक्कर
(b) जस्टिस फजल अली
(c) एच.एन. कुंजरू
(d) जस्टिस राजमन्नार

उत्तर (b)

व्याख्या–भारत सरकार को दिसम्बर, 1953 में एक तीन सदस्यीय राज्य पुनर्गठन आयोग जस्टिस फजल अली की अध्यक्षता में गठित करने के लिए विवश होना पड़ा। पं. हृदयनाथ कुंजरू और के.एम. पणिक्कर सदस्य थे।

24. प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे-

(a) राजेन्द्र प्रसाद (b) राधाकृष्णन
(c) सी. राजगोपालाचारी (d) मावलंकर

उत्तर (c)

व्याख्या–प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल सी॰ राजगोपालाचारी थे। सी॰ राजगोपालाचारी की गवर्नर जनरल पद पर नियुक्ति 1947 ई. के भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के आधार पर किया गया था।
- प्रथम राष्ट्रपति– राजेन्द्र प्रसाद
- प्रथम उपराष्ट्रपति– सर्वपल्ली राधाकृष्णन
- लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष– गणेश वासुदेव मावलंकर

25. निम्न में किसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री नहीं है?

(a) राष्ट्रीय विकास परिषद (b) केन्द्रीय मंत्रिमण्डल
(c) योजना आयोग (d) वित्त आयोग

उत्तर (d)

व्याख्या–वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। उनकी पुर्ननियुक्ति भी हो सकती है। (अनुच्छेद 280)
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद, योजना आयोग, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल तीनों का अध्यक्ष होता है।

*वर्तमान में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष– N. K. सिंह

26. संविधान के कौन से अनुच्छेद के आधार पर, भारत के राष्ट्रपति का महाभियोग किया जा सकता है?

(a) अनुच्छेद 76 (b) अनुच्छेद 56 एवं 61
(c) अनुच्छेद 75 (d) अनुच्छेद 79

उत्तर (b)

व्याख्या–राष्ट्रपति पर संविधान का उल्लंघन करने कर महाभियोग चलाकर उसे पद से हटाया जा सकता है। इसकी व्याख्या अनुच्छेद 61 में दी गयी है।

- अनुच्छेद 76– भारत की महान्यायवादी
- अनुच्छेद 56– राष्ट्रपति कार्यकाल
- अनुच्छेद 75– प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की गयी
- अनुच्छेद 79– संसद का गठन

27. भारत के संविधान में 42वाँ संविधान संशोधन द्वारा, निम्न में से कौन-से शब्द जोड़े गए थे?

(a) प्रजातान्त्रिक संघवाद
(b) धर्म निरपेक्ष एवं समाजवाद
(c) भारतीय गणतंत्र
(d) भारत के लोग

उत्तर (b)

व्याख्या–भारत के संविधान में 42वाँ संविधान संशोधन 1976 द्वारा समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं अखण्डता शब्द को जोड़ा गया।

28. लोकसभा एवं राज्य विधान सभाओं की अवधि 5 से 6 साल तक की बढ़ाई गयी थी-

(a) 42वें संशोधन द्वारा (b) 44वें संशोधन द्वारा
(c) 45वें संशोधन द्वारा (d) 46वें संशोधन द्वारा

उत्तर (a)

व्याख्या–लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं की अवधि 5 से 6 वर्ष बढ़ायी गयी- 42वाँ संविधान संशोधन 1976 द्वारा। संविधान के अनु. 83 के अन्तर्गत यह प्रावधान किया गया है कि आपातकाल की स्थिति में लोकसभा की अवधि को बढ़ायी जा सकती है। 44वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा पुनः अवधि 5 वर्ष कर दी गयी है।

29. राज्य के मन्त्रियों पर अभियोग केवल अनुमोदन से हो सकता है-

(a) मुख्यमन्त्री के (b) राज्यपाल के
(c) मन्त्रिपरिषद के (d) विधान सभा स्पीकर के

उत्तर (b)

व्याख्या–मुख्यमंत्री के परामर्श से ही राज्यपाल द्वारा अन्य मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है (अनु. 154)। मन्त्रिपरिषद में विभागों का वितरण करना, मन्त्रिमण्डल की बैठकों की अध्यक्षता करना, इत्यादि सभी कार्य मुख्यमंत्री के हीं है। किन्तु, राज्य के मन्त्रियों पर अभियोग केवल राज्यपाल के अनुमोदन से ही हो सकता है।

30. भारत में सामाजिक रूप में सबसे उन्नत राज्य है-

(a) आन्ध्र प्रदेश (b) पंजाब
(c) केरल (d) राजस्थान

उत्तर (c)

व्याख्या–भारत का सामाजिक रूप से सबसे उन्नत राज्य हैं- केरल। वर्तमान समय में सामाजिक एवं शैक्षिक दृष्टि से भारत का सबसे सम्पन्न राज्य है।

31. नीचे दो कथन दिये गये है। एक कथन (A) है एवं दूसरा कारण (R) है। नीचे दिये गये कूटों में सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : भारतीय संविधान के 312 अनुच्छेद के अनुसार राज्यसभा राष्ट्र-हित में नवीन अखिल भारतीय सेवा में सृजन/निर्माण कर सकती है।

कारण (R) : राज्यसभा राष्ट्र-हित को प्रशस्तर ढंग से परिभाषित कर सकती है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सत्य है तथा (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a)

व्याख्या–अनुच्छेद 312 के अनुसार राज्यसभा उपस्थित तथा मतदान में भाग लेने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत द्वारा प्रस्ताव पास कर किसी नवीन अखिल भारतीय सेवा का निर्माण कर सकती है।

32. सूची-I तथा सूची-II का मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(a) पी.वी. नरसिम्हा राव	(i) 6 राष्ट्रों का निःशस्त्रीकरण सम्मेलन
(b) मोरारजी देसाई	(ii) पोखरण-II
(c) ए.बी. वाजपेयी	(iii) पूर्व की ओर देखने की नीति
(d) राजीव गाँधी	(iv) वास्तविक असंलग्नता

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iv	iii	i	ii
(b)	ii	iv	iii	i
(c)	i	iii	ii	iv
(d)	iii	iv	ii	i

उत्तर (d)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) पी.वी. नरसिम्हा राव	(i) पूर्व की ओर देखने की नीति
(b) मोरारजी देसाई	(ii) वास्तविक असंलग्नता
(c) ए.बी. वाजपेयी	(iii) पोखरण-II
(d) राजीव गाँधी	(iv) 6 राष्ट्रों का निःशस्त्रीकरण सम्मेलन

33. लोक प्रशासन की विषय के रूप में उत्पत्ति हुईः

(a) इंग्लैण्ड में (b) संयुक्त राज्य अमेरिका में
(c) फ्रांस में (d) भारत में

उत्तर (b)

व्याख्या–लोकप्रशासन की एक विषय के रूप में उत्पत्ति संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई। वुडरो विल्सन को 'फादर आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' कहा जाता है।

34. लोक प्रशासन के अध्यन का प्राचीनतम दृष्टिकोण है।

(a) विधिक दृष्टिकोण (b) दार्शनिक दृष्टिकोण
(c) ऐतिहासिक दृष्टिकोण (d) व्यावहारिक दृष्टिकोण

उत्तर (b)

व्याख्या–लोकप्रशासन के अध्ययन का प्राचीनतम दृष्टिकोण दार्शनिक दृष्टिकोण हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 18वीं शताब्दी के अन्त में प्रकाशित विश्वकोष 'फेडरलिस्ट' के 72 वें परिच्छेद में अमेरिका के पहले वित्तमंत्री हैमिल्टन ने लोकप्रशासन के अभिप्राय और क्षेत्र की सुस्पष्ट व्याख्या की।

35. निम्नलिखित में से किसने सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन में स्पष्ट अंतर किया:

(a) हेनरी फेयोल (b) मेरी पी. फॉलेट
(c) एल. उरविक (d) पाल एच. अप्पलबी

उत्तर (d)

व्याख्या–पाल॰ एच॰ एपलबी ने सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन में अन्तर किया है। लोकप्रशासन को राजनीति विज्ञान से पृथक अध्ययन के रूप में प्रतिष्ठित करने में एल॰डी॰ व्हाइट का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन्होंने राजनीति प्रशासन द्वैतभाव पर जोर दिया है।

36. नव लोक प्रशासन पर प्रथम पुस्तक संपादित हुई-

(a) फ्रैंक मैरिनी द्वारा
(b) डी. वाल्डो द्वारा
(c) जेम्स सी चार्ल्सवर्थ द्वारा
(d) एल.डी. व्हाइट द्वारा

उत्तर (a)

व्याख्या–नव लोक प्रशासन पर प्रथम पुस्तक फ्रेंक मैरिनी के द्वारा सम्पादित हुईं। इस पुस्तक का नाम हैं- 'Towards a new public administration: The minobrooke perspective' 1971.

37. एल्टन मेयो तथा उनके साथियों द्वारा हाथोर्न प्रयोग किए जाने से नव-विचार उत्पन्न हुए, जिन्हें कहा गया-

(a) वैज्ञानिक प्रबन्ध
(b) परम्परागत सिद्धांत
(c) नौकरशाही का सिद्धांत
(d) मानव सम्बन्ध सिद्धांत

उत्तर (d)

व्याख्या–मानव सम्बन्ध सिद्धान्त के आधारभूत नियम अमेरिकन समाजशास्त्री एल्टन मेयो द्वारा इस शताब्दी के दूसरे दशक के अन्तिम तथा तीसरे दशक के प्रारम्भिक चरण में प्रतिपादित किए गए थे।

38. निम्न में से वैज्ञानिक प्रबंध का कौन सा उद्देश्य नहीं है?

(a) अनौपचारिक ग्रुप कार्यविधि
(b) प्रतिदिन-कार्य योजना
(c) कार्य-स्थिति मानक
(d) कार्य-विधि मानक

उत्तर (a)

व्याख्या–वैज्ञानिक प्रबन्ध के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-
1. अच्छा कार्य निष्पादन।
2. समय और गति सम्बन्धी अध्ययन।
3. संगठन के विशुद्ध सिद्धान्त को विकसित करना।

39. किसने स्टाफ-सूत्र को त्रि-वर्गीकरण-सामान्य स्टाफ, तकनीकी स्टाफ तथा सहायक स्टाफ में विभाजित किया?

(a) पिफनर और प्रेस्थस
(b) एल.डी. व्हाइट
(c) जे. डी. मूने
(d) अल्बर्ट लेपावस्की

उत्तर (b)

व्याख्या–एल॰डी॰ व्हाइट ने स्टाफ-सूत्र को त्रि-वर्गीकरण-सामान्य स्टाफ, तकनीकी स्टाफ तथा सहायक स्टाफ में विभाजित किया। सूत्र अभिकरण वह अभिकरण है जो विभाग के प्राथमिक कार्य को सम्पन्न करता है। इसके विपरीत स्टाफ अभिकरण वह अभिकरण है, जो विभाग के गृह प्रबन्ध संबंधी कार्य को सम्पन्न करता है।

40. उत्तरदायित्व के विभिन्न स्तरों पर उच्च-अधिकारी तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के संबंधों को कहते हैं-

(a) विस्तृत नियंत्रण (b) पद सोपान
(c) प्रत्यायोजन (d) समादेश की एकता

उत्तर (b)

व्याख्या–पदसोपान का शाब्दिक अर्थ है 'श्रेणीबद्ध प्रशासन' जिसका मतलब है निम्नतर पर उच्चतर का शासन या नियंत्रण। इसमें निम्नस्तरीय व्यक्ति उच्च स्तरीय व्यक्ति के प्रति उत्तरदायी होता है।

41. प्रजातंत्र में लोकसेवक को प्रतिबद्ध होना चाहिए-

(i) लोकनीति के कार्य-नियमन के प्रति
(ii) संविधान के लक्ष्य के प्रति
(iii) सामान्य-हित के प्रति
(iv) शासक दल की विचारधारा के प्रति

(a) (i) (ii) और (iii) (b) (ii) (iii) और (iv)
(c) (i) (iii) और (iv) (d) (i) (ii) और (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या–प्रजातंत्र में लोकसेवक को निम्नलिखित के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए-
1. लोक नीति के कार्य-नियमन के प्रति।
2. संविधान के लक्ष्य के प्रति।
3. सामान्य हित के प्रति

42. मैक्स वेबर के सत्ता सम्बन्धी त्रि-सूत्रीय वर्गीकरण से समाविष्ट है

(i) वंशानुगत सत्ता
(ii) पारम्परिक सत्ता
(iii) चमत्कारी सत्ता
(iv) वैध-विवेकी सत्ता

(a) (i) (ii) और (iii) (b) (ii) (iii) और (iv)
(c) (i) (iii) और (iv) (d) (i) (ii) और (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–मैक्स वेबर के सत्ता संबंधी त्रि-सूत्रीय वर्गीकरण में समाविष्ट है-
1. पारम्परिक सत्ता, 2. चमत्कारी सत्ता, 3. वैध-विवेकी सत्ता

43. शक्ति संतुलन के सिद्धांत का लक्ष्य होता है-

(a) संतुलन
(b) युद्ध
(c) असाम्यावस्था
(d) यथापूर्व स्थिति

उत्तर (d)

व्याख्या–शक्ति संतुलन का अर्थ है सन्तुलन जो बदलते राजनीतिक ढाँचों तथा शक्ति संबंधों में गतिशीलता के कारण निरन्तर तथा सदैव परिवर्तनशील रहता है। शक्ति सन्तुलन के सिद्धान्त का लक्ष्य होता है यथापूर्व स्थिति।

44. शान्ति प्रस्ताव की कार्य सूची सम्बन्ध रखती है-

(a) राष्ट्र संघ से
(b) संयुक्त राष्ट्र से
(c) भारत से
(d) राष्ट्र मण्डल से

उत्तर (b)

व्याख्या–'शान्ति के लिए एकता प्रस्ताव' संयुक्त राष्ट्र से संबंध रखती है। यह 1950 में कोरिया संकट के दौरान महासभा द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

45. 'प्रकृति का वस्तुपरक कानून' एक यथार्थवाद का सिद्धांत है, जिसको अभिव्यक्त किया गया-

(a) ई.एच. कार द्वारा
(b) जार्ज एफ. केनन द्वारा
(c) मार्गेन्थाऊ द्वारा
(d) हेनरी किसिन्जर द्वारा

उत्तर (c)

व्याख्या–'प्रकृति का वस्तुपरक कानून' एक यथार्थवाद का सिद्धांत है, जिसको मार्गेन्थाऊ के द्वारा अभिव्यक्त किया गया। यथार्थवादी दृष्टिकोण शक्ति शस्त्र और युद्ध को मानव स्वभाव की विशेषता मानता है।

46. 'व्यापारिक राज्य' के सिद्धांत को अभिव्यक्त किया है:

(a) रोजक्रान्स ने (b) एडस स्मिथ ने
(c) रॉबर्ट कॉक्स ने (d) लेनिन ने

उत्तर (a)

व्याख्या–'व्यापारिक राज्य' के सिद्धान्त को रोजक्रान्स ने अभिव्यक्त किया।

47. यथार्थवाद का विचार परिभ्रमण करता है, शक्ति एवं-

(a) सुरक्षा के साथ (b) युद्ध के साथ
(c) विचारधारा के साथ (d) राष्ट्रीय हित के साथ

उत्तर (d)

व्याख्या–यथार्थवादी दृष्टिकोण इस बात पर बल देता है कि विदेश नीति संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हित के आधार पर लिए जाने चाहिए न कि नैतिक सिद्धान्तों और भावनात्मक मान्यताओं के आधार पर। प्रतिपादक हैंस जे. मार्गेन्थाऊ हैं। इनकी पुस्तक "Politics among nation : The struggle for power and peace 1948".

48. नीचे दो वक्तव्य दिये गये है। एक कथन (A) है दूसरा उसका कारण (R) है। नीचे दिये गये उत्तरों में से सही उत्तर चुनिए।

कथन (A) : वैश्वीकरण ने राष्ट्र-राज्य की प्रासंगिकता को दुर्बल कर दिया है।

कारण (R) : कोई राष्ट्र-राज्य अब प्रासंगिक नहीं है क्योंकि राष्ट्रवाद अब भी मूल शक्ति के रूप में चल रहा है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सत्य है परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b)

व्याख्या–भूमण्डलीयकरण राष्ट्रों की राजनीतिक सीमाओं के आर-पार आर्थिक लेन-देन की प्रक्रियाओं और उनके प्रबंधन का प्रवाह है। विश्व अर्थव्यवस्था में आये खुलापन, आपसी जुड़ाव और परस्पर निर्भरता के फैलाव को भूमण्डलीकरण कहा जाता है।

49. निम्न घटनाओं के सही कालानुक्रम को पहचानिए।

(a) तेहरान सम्मेलन, याल्टा सम्मेलन, पोट्सडाम सम्मेलन, सेन फ्रान्सिस्को शान्ति सन्धि
(b) सेन फ्रान्सिस्को शन्ति सन्धि, पोट्सडाम सम्मेलन, तेहरान सम्मेलन, याल्टा सम्मेलन
(c) याल्टा सम्मेलन, तेहरान सम्मेलन, सेन फ्रान्सिस्को शान्ति सन्धि, पोट्सडाम सम्मेलन
(d) पोट्सडाम सम्मेलन, याल्टा सम्मेलन, सेन फ्रान्सिस्को शान्ति सन्धि, तेहरान सम्मेलन

उत्तर (a)

व्याख्या–घटनाओं का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार से है-
तेहरान सम्मेलन-1943, याल्टा सम्मेलन-1945, पोट्सडाम सम्मेलन-1945, सेन फ्रान्सिस्को शान्ति सन्धि-1951

50. निम्न व्यक्ति जो संयुक्त राष्ट्र के महासचिव पद पर रहे हैं, उनके कालानुक्रम को पहचानिए:

(a) डेंग हेमरशोल्ड, त्रिग्वेली, यू थांट, कुर्त वाल्दहीम
(b) त्रिग्वेली, यू थांट, कुर्त वाल्दहीम, डैग हेमरशोल्ड
(c) यू थांट, कुर्त वाल्दहीम, डैग हेमरशोल्ड, त्रिग्वेली
(d) त्रिग्वेली, डैग हेमरशोल्ड, यू थांट, कुर्त वाल्दहीम

उत्तर (d)

व्याख्या–संयुक्त राष्ट्र के महासचिव का सही कालानुक्रम निम्नलिखित है- त्रिग्वेली (1946-52 ई.), डैग हेमरशोल्ड (1953-61 ई.), यू थांट (1961-1971 ई.), कुर्त वाल्दहीम 1972-1981 ई.। यू थांट (म्यांमार) पहले एशियाई थे।

यू. जी. सी. नेट (दिसम्बर) परीक्षा, 2006

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट- इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्न में से किस मध्ययुगीन विचारक ने अरस्तू के मूल राजनैतिक विचारों को अपनाया?

(a) जॉन ऑफ साल्सबरी (b) सन्त टॉमस एक्विनास
(c) ग्रेगोरी (d) रेडक्लिफ

उत्तर (b)

व्याख्या–एक्विनास अरस्तू की 'पॉलिटिक्स' के लैटिन अनुवाद से बहुत प्रभावित हुआ और उसने अरस्तू के दर्शन को मसीही धर्म की मान्यताओं के साथ समन्वित करके धर्मशास्त्रीय, नैतिक और राजनीतिक सिद्धांतों की ऐसी प्रामाणिक प्रणाली विकसित की जो रोमन कैथोलिक शिक्षाओं का आधार बनी। एक्विनास Scholasticism method अपनाता है। इसकी पुस्तक 'Commentry on the Aristotle's Politics 1271' है।

ओ०पी० गावा, राजनीतिक चिंतन की रूपरेखा

2. ''मनुष्य जन्म से स्वतंत्र है, परंतु बेड़ियों में जकड़ा है'' किसने कहा?

(a) लॉक (b) रूसो
(c) मार्क्स (d) बेन्थम

उत्तर (b)

व्याख्या–रूसो के अनुसार सम्पत्ति के प्रादुर्भाव से मनुष्य की स्वतन्त्रता परतन्त्रता में बदल गयी, जिसको लक्ष्य करके वह कहता है कि ''मनुष्य स्वतन्त्र उत्पन्न होता है, किन्तु वह सर्वत्र बेड़ियों में जकड़ा हुआ है।'' इसकी पुस्तक 'The Social Contract 1762' है।

डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

3. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-I (लेखक)**
(a) द पॉलिटिक्स	(i) मैकियावली
(b) द प्रिन्स	(ii) जे.एस. मिल
(c) द सोशल कॉन्ट्रेक्ट	(iii) रूसो
(d) ऑन लिबर्टी	(iv) अरस्तू

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iv	i	iii	ii
(b)	ii	iv	iii	i
(c)	iii	ii	iv	i
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-I (लेखक)**
(a) द पॉलिटिक्स	(i) अरस्तू
(b) द प्रिन्स	(ii) मैकियावली
(c) द सोशल कॉन्ट्रेक्ट	(iii) रूसो
(d) ऑन लिबर्टी	(iv) जे.एस. मिल

डॉ० बी०एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

4. अरस्तू के अनुसार निम्न में से कौन-सी सरकार उच्चतम है?

(a) लोकतन्त्र (b) अल्पतन्त्र
(c) शासनतन्त्र (d) तानाशाही

उत्तर (c)

व्याख्या–अरस्तू मध्यममार्गी दार्शनिक था, उसे अतिवादिता पसन्द नहीं थी। इसलिए उसे पॉलिटी हीं सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली जान पड़ी।

डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

5. अभिकथन (A) : लॉक के अनुसार राज्य के कार्य और शक्तियाँ सीमित हैं।
कारण (R): राज्य का अस्तित्व जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति की सुरक्षा में है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सत्य है तथा (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a)

व्याख्या–लॉक के अनुसार राज्य सीमित और मर्यादित है। राज्य व्यक्ति के जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति की रक्षा का साधन मात्र है।

डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

6. सूची I तथा सूची - II का मिलान कीजिए और दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (विचार)	**सूची-I (विचारक)**
(a) सामान्य इच्छा	(i) मैकियावली
(b) असीमित प्रभुसत्ता	(ii) लॉक
(c) सीमित सरकार	(iii) हॉब्स
(d) नव राजनीति विज्ञान	(iv) रूसो

कोड-

	a	b	c	d
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	iii	iv	i	ii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	i	iv	iii	ii

उत्तर (c)

व्याख्या– सूची-I (विचार) सूची-I (विचारक)

(a) सामान्य इच्छा (i) रूसो
(b) असीमित प्रभुसत्ता (ii) हाब्स
(c) सीमित सरकार (iii) लॉक
(d) नव राजनीति विज्ञान (iv) मैकियावली

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

7. प्लेटो के अनुसार राज्य का निम्नतर रूप कौन सा है?

(a) लोकतंत्र (b) अल्पतंत्र
(c) तानाशाही (d) महाजन-तंत्र

उत्तर (a)

व्याख्या–प्लेटो के 'रिपब्लिक' की रचना का उद्देश्य सोफिस्ट विचारकों के द्वारा प्रतिपादित आत्म तृप्ति के सिद्धान्त को गलत और झूठा सिद्ध करना था, जिसे भ्रष्टाचारी और जनतन्त्री दोनों ने अपना लिया था।

8. अरस्तू के अनुसार सर्वश्रेष्ठ शासनतंत्र निम्नलिखित किस नियम पर आधारित है?

(a) लोकतंत्र (b) अल्पतंत्र
(c) मध्यम (d) मात्रा और गुण

उत्तर (c)

व्याख्या–अरस्तू मध्यममार्गी दार्शनिक था, उसे अतिवादिता बिल्कुल भी पसन्द न थी। अतः उसने राजतन्त्र एवं कुलीनतंत्र के स्थान पर 'पॉलिटी' को ही सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली माना। जो लोकतंत्र व गुटतंत्र का सम्मिलित रूप है।

9. निम्न में से किसे अराजकवादी विचारक की श्रेणी में रखा जा सकता है?

(a) एम.एन. राय (b) अम्बेडकर
(c) गाँधी (d) जय प्रकाश

उत्तर (c)

व्याख्या–गाँधी रामराज्य की बात करते हैं। इसमें राज्य विलुप्त हो जायेगा और व्यक्ति की नैतिक इच्छायें प्रधान होंगी। यही कारण है कि उन्हें दार्शनिक अराजकतावादी कहा जाता है।

10. किसने उदारवादी लोकतंत्र का 'अधिकारात्मक व्यक्तिवाद' के आधार पर परीक्षण किया?

(a) जे.जे. रूसो
(b) एन्थनी डॉन्स
(c) सी.बी. मेकफरसन
(d) रॉबर्ट डहल

उत्तर (c)

व्याख्या–सी॰बी॰ मेकफर्सन ने उदारवादी लोकतंत्र का 'अधिकारात्मक व्यक्तिवाद' के आधार पर परीक्षण किया। उदारवाद का आधार स्वतंत्रता है और वह केन्द्रीयकृत शासन का विरोधी है, जबकि लोकतंत्र का मूल आधार स्वतंत्रता है। इनकी पुस्तक 'The life and time of Liberal Democracy 1977' है।

11. निम्नलिखित में से कौन, विशिष्ट वर्ग के संचलन में विश्वास करता है?

(a) मैक्स वेबर और बाटोमोर (b) पैरेटो और मोस्का
(c) मिल्स और मैक्स वेबर (d) माइकेन्स और लास्की

उत्तर (b)

व्याख्या–परेटो, सी॰ राईट मिल्स, टी॰वी॰ बोटोमोर, मोस्का ने अभिजन की धारणा पर अपने विचार व्यक्त किए। राजनीतिक अभिजन प्रबल राजनीतिक प्रभाव युक्तराजनेताओं की सामूहिकता का नाम है। ये किसी सामुदाय के लघु अल्पसंख्यक होते हैं, जो महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों को धारण करते हैं।

12. तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में अध्ययन समाविष्ट है-

(a) औपचारिक संरचनाएँ तथा उनके कार्य
(b) राजनीति प्रक्रियाएँ
(c) गैर-संवैधानिक संस्थाएँ
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)

व्याख्या–तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के अन्तर्गत संविधान, हित-समूह, राजनीतिक दल, कार्यपालिका विधायिका और विधायी व्यवहार, निर्वाचक और मतदान व्यवहार, कानूनी पद्धतियाँ, लोकप्रशासन आदि के सांगोपांग विश्लेषण को लिया जा सकता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

13. सामान्य व्यवस्था-सिद्धांत समाज-विज्ञान में सर्वप्रथम विकसित हुआ-

(a) मनोविज्ञान
(b) नृ-शास्त्र
(c) राजनीति विज्ञान
(d) समाजशास्त्र

उपर्युक्त का सही कालानुक्रम क्या है? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर दीजिए-

(a) ii iv i iii
(b) i ii iii iv
(c) ii iv iii i
(d) iii i ii iv

उत्तर (a)

व्याख्या–तुलनात्मक राजनीति के अन्तर्गत व्यवस्था विश्लेषण सिद्धान्त का प्रयोग प्राकृतिक विज्ञानों में हुआ और उसके बाद समाजशास्त्र से होता हुआ यह राजनीतिक विश्लेषण का आधार बन गया। इसका विकास जीव विज्ञान–नृशास्त्र–समाजशास्त्र–मनोविज्ञान –राजनीति विज्ञान के रूप में हुआ है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

14. आल्मंड के अनुसार राजनीति व्यवस्था में निवेश कार्यों में शामिल है-

(i) हित-अभिव्यक्तिकरण
(ii) हित-समूहीकरण
(iii) कानून-निर्माण
(iv) कानून लागू करना

(a) (i) और (ii) (b) (iii) और (iv)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (i), (ii), (iii) और (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या– आल्मंड के अनुसार राजनीति व्यवस्था में निवेश कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं-
1. राजनीतिक समाजीकरण एवं भर्ती
2. हित अभिव्यक्तिकरण
3. हित-समूहीकरण
4. राजनीतिक सम्प्रेषण

15. निम्नलिखित में से किसने आधुनिकीकरण को मानव विचार और क्रिया के सभी क्षेत्र में परिवर्तन की बहुमुखी प्रक्रिया बतलाया?

(a) केनेथ आर्गेस्की
(b) लूसियन पाई
(c) आलमण्ड और पॉवेल
(d) सैमुअल हंटिंगटन

उत्तर (a)

व्याख्या–केनिथ आर्गेन्सकी ने आधुनिकीकरण को मानव विचार और क्रिया के सभी क्षेत्र में परिवर्तन की बहुमुखी प्रक्रिया बतलाया। राजनीतिक आधुनिकीकरण की संकल्पना उस राजनीतिक परिवर्तन की स्थिति की ओर निर्देश करती है, जो विशेषकर आधुनिक काल में यूरोपीय देशों में और फिर हाल ही के वर्षों में विश्व के अन्य देशों में हुआ।

16. संवैधानिक सरकार है-

(a) सीमित सरकार
(b) संविधान युक्त सरकार
(c) सरकार जिसका अध्यक्ष राष्ट्रपति हो
(d) सरकार जिसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री हो

उत्तर (a)

व्याख्या–संवैधानिक सरकार से तात्पर्य सीमित सरकार से है। संवैधानिक सरकार के अन्तर्गत शासन व्यवस्था किसी परम्परा एवं रीति-रिवाज के आधार पर नहीं चलती, बल्कि संविधान में उल्लिखित नियमों के आधार पर चलायी जाती है।

17. विश्व में सबसे शक्तिशाली विधान-पालिका है-

(a) भारतीय संसद
(b) इंग्लैण्ड-संसद
(c) संयुक्त भारतीय अमेरिका की कांग्रेस
(d) फ्रांस-संसद

उत्तर (b)

व्याख्या–सैद्धान्तिक दृष्टि से कानून-निर्माण के व ब्रिटिश संसद को प्राप्त इस असीमित शक्ति को ही 'संसद की सम्प्रभुता' कहा जाता है। ब्रिटिश पार्लियामेंट के विषय में Dlolme ने कहा है कि ''ब्रिटिश पॉर्लियामेंट सब कुछ कर सकती है सिवाय एक पुरुष को स्त्री व एक स्त्री को पुरुष बनाने के''।

18. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (पुस्तक)		**सूची-I** (लेखक)
(a) राजनैतिक विकास के चरण	(i)	लूसियन पाई
(b) राजनैतिक विकास के संकट	(ii)	केनेथ आर्गेन्की
(c) राजनैतिक संस्कृति का वर्गीकरण	(iii)	आमण्ड और वर्बा
(d) राजनैतिक दलो का वर्गीकरण	(iv)	ला पालोम्बरा तथा माइरन वीनर

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	iv	i	ii	iii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-I (लेखक)**
(a) राजनैतिक विकास के चरण	(i) केनेथ आर्गेन्की
(b) राजनैतिक विकास के संकट	(ii) लूसियन पाई
(c) राजनैतिक संस्कृति का वर्गीकरण	(iii) आमण्ड और वर्बा
(d) राजनैतिक दलो का वर्गीकरण	(iv) ला पालोम्बरा तथा माइरन वीनर

19. भारत में भू-दान आंदोलन का प्रारम्भ किसने किया?

(a) जय प्रकाश नारायण ने (b) भारतीय साम्यवादी दल ने
(c) आचार्य विनोबा भावे ने (d) आचार्य नरेन्द्र देव ने

उत्तर (c)

व्याख्या–भारत में भू-दान आन्दोलन का प्रारम्भ आचार्य विनोबा भावे ने किया। भू-दान आन्दोलन से तात्पर्य स्वेच्छापूर्वक अपने पास की अत्यधिक भूमि को दान में देना है। आचार्य बिनोवा भावे व्यक्तिगत सत्याग्रह के प्रथम सत्याग्रही थे।

20. पुस्तक 'पॉलिटिक्स ऑफ स्केरसिटी' के लेखक हैं-

(a) पॉल ब्रास (b) माइनर वीनर
(c) रजनी कोठारी (d) मोरिस जोन्स

उत्तर (b)

व्याख्या–पुस्तक 'पॉलिटिक्स ऑफ स्केरसिटी 1962' के लेखक माइनर वीनर है।

21. भारतीय संसद के दोनों सदनों में साधारण विधेयक पर मतभेद की स्थिति में केस किसको पेश किया जाता है?

(a) भारतीय राष्ट्रपति को
(b) भारतीय सर्वोच्च न्यायालय को
(c) दोनों सदनों के संयुक्त सम्मेलन को
(d) भारतीय प्रधानमंत्री को

उत्तर (c)

व्याख्या—यदि किसी विधेयक के एक सदन द्वारा पारित किए जाने और दूसरे सदन को पारेषित किए जाने के पश्चात् दूसरे सदन द्वारा विधेयक को अस्वीकार कर दिया गया है तो दोनो सदनों की संयुक्त बैठक को बुलावा जा सकता है। राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 108 के तहत किया जाता है। इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।

बेयर ऐक्ट, भारतीय संविधान

22. लोकसभा सदस्य की अयोग्यता के प्रश्न पर निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है?

(a) संसदीय मामलों के मंत्री द्वारा
(b) लोकसभा अध्यक्ष
(c) विशेषाधिकार समिति
(d) प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद

उत्तर (b)

व्याख्या—लोकसभा अध्यक्ष दल-बदल के उपबंध के आधार पर लोकसभा के किसी सदस्य की निर्रहता के प्रश्न का निपटारा करता है। संविधान के दसवीं अनुसूची में दल-परिवर्तन के आधार पर सांसदों तथा विधायकों की निरर्हता से संबंधित उपबंध का वर्णन है।

- दल-बदल के आधार पर उत्पन्न योग्यता का निर्धारण लोकसभा अध्यक्ष करता है।
- संसद सदस्यों की योग्यता या अयोग्यता से सम्बन्धित विवाद का निर्धारण निर्वाचन आयोग के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

23. संविधानिक उपचार का अधिकार भारतीय संविधान के किस निम्नलिखित अनुच्छेद में दिया गया?

(a) अनुच्छेद 19 (b) अनुच्छेद 32
(c) अनुच्छेद 15 (d) अनुच्छेद 39

उत्तर (b)

व्याख्या—संवैधानिक उपचारों का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत शामिल है। यह अधिकार इस बात की व्यवस्था करती है कि मूल अधिकारों के संरक्षण का अधिकार स्वयं में ही मूल अधिकार है। यही व्यवस्था मूल अधिकारों को वास्तविक बनाती है। अम्बेडकर ने इसे 'संविधान की आत्मा' कहा है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

24. निम्न में से कौन-सी मूल अधिकार श्रेणी 'छुआछूत विलोपन' करती है?

(a) स्वतंत्रता का अधिकार
(b) समानता का अधिकार
(c) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(d) शोषण के विरुद्ध अधिकार

उत्तर (b)

व्याख्या—समानता के अधिकार (अनु. 14-18) के अन्तर्गत अस्पृश्यता के अंत का अधिकार शामिल है। समानता के अधिकार के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकार शामिल है-

1. विधि के समक्ष समानता एवं विधियों का समान संरक्षण (अनु. 14)।
2. धर्म, मूल, वंश, जाति लिंग और जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध (अनु. 15)।
3. अस्पृश्यता का अंत (अनु. 17)।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

25. निम्न में से कौन-सा भारतीय संविधान में निरूपित नहीं है?

(a) निर्वाचन आयोग (b) संघ लोक सेवा आयोग
(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (d) मंत्रिपरिषद

उत्तर (c)

व्याख्या—निर्वाचन आयोग, संघ लोकसेवा आयोग तथा मंत्रिपरिषद् का संविधान में उल्लेख है। इसी तरह से निम्नलिखित संस्थाएँ संवैधानिक संस्थाओं के अन्तर्गत आनी है- राज्य लोक सेवा आयोग, वित्त आयोग, अनुसूचित जातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग इत्यादि।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

26. सरकारिया आयोग किसके सम्बन्धों के पुनर्विलोकन के लिए स्थापित किया गया?

(a) रष्ट्रपति और प्रधानमंत्री
(b) विधानपालिका और कार्यपालिका
(c) केन्द्र और राज्य
(d) राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजकीय दल

उत्तर (c)

व्याख्या—सरकारिया आयोग का गठन केन्द्र राज्य संबंधों के सुधार की दिशा में सिफारिश देने के लिए किया गया। इसका गठन सन् 1983 में केन्द्र सरकार द्वारा किया गया। यह आयोग तीन सदस्यीय था। सरकारिया आयोग के अध्यक्ष रंजीत सरकारिया थे जबकि अन्य सदस्यों में एस.आर. सिंह, बी. शिवरामन थे।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

27. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल में नगरपालिका विधेयक प्रथम बार पेश किया गया?

(a) राजीव गांधी (b) नरसिम्हा राव
(c) वी.पी. सिंह (d) इन्दिरा गाँधी

उत्तर (a)

व्याख्या—राजीव गाँधी के प्रधानमंत्रित्व कार्य काल में नगरपालिका विधेयक प्रथम बार पेश किया गया। राजीव गाँधी श्रीमती इन्दिरा गाँधी की मृत्यु के पश्चात भारत के प्रधानमंत्री बने। उनका कार्यकाल 1984-1989 तक है।

28. निम्न में से किस राजनैतिक दल के संसद सदस्य आनुपातिक रूप से सबसे अधिक फौजदारी मुकदमों में पंजीबद्ध हैं?

(a) भारतीय जनता पार्टी (b) समाजवादी पार्टी
(c) राष्ट्रीय जनता पार्टी (d) राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी

उत्तर (c)

व्याख्या–राजद के संसद सदस्य आनुपातिक रूप से सबसे अधिक फौजदारी मुकदमों में पंजीबद्ध है। भारतीय राजनीति की यह एक बुराई है कि लगभग सभी दलो में ऐसे प्रतिनिधि शामिल हैं, जिन पर कोई न कोई फौजदारी मुकदमा जरूर है।

Note–वर्तमान में बीजेपी के संसद सदस्यों पर सबसे अधिक फौजदारी मुकदमों में पंजीबद्ध हैं। प्रश्नकाल के दौरान राजद बीजेपी की स्थिति में थी।

29. 'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया', न्याय-पद्धति की विशेषता है-

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका की (b) इंग्लैण्ड की
(c) भारत की (d) चीन की

उत्तर (c)

व्याख्या–'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया' भारतीय न्याय पद्धति की विशेषता है। कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अन्तर्गत शासन कानून के माध्यम से चलाया जाता है और कानून का निर्माण विधायिका करती है।

30. नीचे दो वक्तव्य दिये गये है, एक कथन (A) है, और दूसरा उसका कारण (R) है।
अभिकथन (A) : भारतीय सर्वोच्च न्यायालय बुरे कानून को अवैध घोषित नहीं कर सकता
कारण (R): भारतीय सर्वोच्च न्यायालय कानून की स्थापित प्रक्रिया का अनुपालन करता है।
दो वक्तव्यों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, किन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (d)

व्याख्या– भारतीय संविधान सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक पुनर्विलोकन के तहत सभी कानूनों की समीक्षा कर सकता है अतः कथन (a) गलत है और सर्वोच्च न्यायालय कानून की स्थापित प्रक्रिया का पालन करता है सत्य है। अतः विकल्प (d) सही है।

31. मिन्नोब्रुक सम्मेलन किस वर्ष हुआ?

(a) 1968 (b) 1969
(c) 1970 (d) 1972

उत्तर (a)

व्याख्या–मिन्नोब्रुक सम्मेलन 1968 लोक प्रशासन की युवा पीढ़ी का सम्मेलन था। 1968 के बाद के लोकप्रशासन के अध्ययन को नवीन लोकप्रशासन के अभ्युदय ने समृद्ध किया है। नवीन लोक प्रशासन लोकप्रशासन की मूल्य मुक्त व्याख्या को अस्वीकृत करता है।

32. निम्न में से किसने लोक प्रशासन के पृथक अध्ययन पर बल दिया?

(a) फ्रैंक जे. गुडनाउ (b) वुडरो विल्सन
(c) डी. वाल्डो (d) लूथर गुल्लिक

उत्तर (b)

व्याख्या–वुडरो विल्सन के 'प्रशासन के अध्ययन' पर निबन्ध की विषय-वस्तु का उद्देश्य प्रशासन को राजनीति से अलग एक स्वतन्त्र विषय के रूप में प्रतिष्ठित करना था। इन्हें 'Father of Public Administration' कहा जाता है।

33. टेलर द्वारा विकसित वैज्ञानिक प्रबन्धन के नियमों में समाविष्ट है-

(i) उच्च पारिश्रमिक का प्रोत्साहन
(ii) कार्य प्रणाली का मानकीकरण
(iii) दल भावना
(iv) कार्य स्थिति का मानकीकरण

(a) (i), (ii) तथा (iii) (b) (i), (ii) तथा (iv)
(c) (ii), (iii) तथा (iv) (d) (i), (iii), तथा (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–टेलर द्वारा विकसित वैज्ञानिक प्रबन्ध के नियमों में समाविष्ट है-

1. एक सच्चे प्रबन्ध एवं कार्य विज्ञान का विकास।
2. कार्यकर्ता का वैज्ञानिक आधार पर चयन।
3. उसका वैज्ञानिक शिक्षण एवं विकास।
4. प्रबन्ध एवं श्रमिक के बीच मैत्रीपूर्ण सहयोग

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

34. निम्न में से किसने संगठन के चौदह नियमों का प्रतिपादन किया?

(a) हेनरी फेयोल (b) जे. डी. मूने
(c) एल. डी. व्हाइट (d) डीमॉक और डीमॉक

उत्तर (a)

व्याख्या–हेनरी फेयोल ने संगठन के 14 नियम बतलाए जिसमें 5 महत्वपूर्ण है- योजना, संगठन, आदेश, समन्वय तथा नियन्त्रण। हेनरी फेयोल ने प्रशासन के तत्वों को 'POCCC' के माध्यम से समझाया है।

35. 'सहायकारी कार्य' को घर-बार सम्भालने का कार्य किसने कहा?

(a) डब्ल्यू एफ विलोबी (b) एल. डी.. व्हाइट
(c) पिफनर और ग्रेस्थस (d) डीमॉक और डीमॉक

उत्तर (a)

व्याख्या–डब्ल्यू एफ॰ विलोबी ने सहायकारी कार्य को घर बार सम्भालने का कार्य कहा।

36. शब्द 'POSDCORB' किसके द्वारा परिणत किया गया?

(a) लूथर गुल्लिक (b) मार्शल डिमॉक
(c) जे. एम. पिफनर (d) डी. वाल्डो

उत्तर (a)

व्याख्या–गुलिक ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं में POSDCORB शब्द का विशेष प्रयोग किया। पोस्डकोर्ब के रूप में कार्यपालिका के कार्यो को स्पष्ट करने के पश्चात गुलिक तथा उर्विक ने संगठन के उन सिद्धान्तों की खोज करने के प्रयासों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया, जिनके आधार पर संरचना की जा सके।

37. **स्थानीय-शासन सुधार से संबंधित निम्न का कालानुक्रम का सही कूट बनाएँ-**

(i) लॉर्ड रिपन **(ii) लॉर्ड मेयो**

(iii) अशोक मेहता **(iv) वलवन्तराय मेहता**

(a) (ii), (i), (iv) और (iii)

(b) (i), (ii), (iii) और (iv)

(c) (ii), (iv), (iii) तथा (i)

(d) (iii), (iv),(ii) और (i)

उत्तर (a)

व्याख्या–स्थानीय शासन सुधार से सम्बन्धित सही कालानुक्रम क्रम निम्नलिखित हैं-

1. लार्ड मेयो-1872
2. लार्ड रिपन-1882
3. बलवन्त राय मेहता-1957 (त्रिस्तरीय)
4. अशोक मेहता - 1977 (द्विस्तरीय)

38. **केवल संगठन के मुखिया को ही सभी सदस्यों को रिपोर्ट करना चाहिए' इस सिद्धांत को क्या कहेंगे?**

(a) आदेश की एकता (b) पदसोपान

(c) केन्द्रीयकरण (d) प्रत्यायोजन

उत्तर (a)

व्याख्या–आदेश की एकता का अर्थ है कि संगठन के अन्तर्गत कार्य करने वाला कोई भी कर्मचारी अपने से ऊँचे एक से अधिक अधिकारी से आदेश ग्रहण नहीं करेगा।

39. **'एडमिनिस्ट्रेटिव बिहैवियर' पुस्तक के लेखक कौन हैं?**

(a) हरबर्ट साइमन (b) एल. डी. व्हाइट

(c) हेनरी फेयोल (d) एफ. एम. टेलर

उत्तर (a)

व्याख्या–हरबर्ट साइमन की रचना 'Administrative Behaviour 1947' को निर्णयन प्रक्रिया के अध्ययन की दृष्टि से उल्लेखनीय ग्रंथ माना जाता है। साइमन के लिए प्रशासन कार्य कराने की कला है। उन्होंने उन प्रक्रियाओं एवं विधियों पर बल दिया जिनसे कार्यवाही सुनिश्चित हो।

40. **सूची I तथा सूची - II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-**

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-I (लेखक)**
(a) संगठन का चिरप्रतिष्ठित सिद्धांत	(i) जे.डी. मूने
(b) क्रियाशील कार्यदेशकता	(ii) वी.ए.. ग्रेकुनास
(c) नियन्त्रण विस्तार	(iii) हेनरी फेयोल
(d) पदसोपान प्रक्रिया	(iv) एफ. डब्ल्यू. टेलर

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	ii	iv	i	iv
(d)	i	iii	iv	ii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-I (लेखक)**
(a) संगठन का चिरप्रतिष्ठित	(i) हेनरी फेयोल
(b) क्रियाशील कार्यदेशकता	(ii) एफ. डब्ल्यू. टेलर सिद्धांत
(c) नियन्त्रण विस्तार	(iii) वी.ए.. ग्रेकुनास
(d) पदसोपान प्रक्रिया	(iv) जे.डी. मूने

41. **यथार्थवादी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का गठन करते हैं-**

(a) सहकारिता के आधार पर (b) आदर्श के आधार पर

(c) अराजकता के आधार पर (d) क्रियाहीनता के आधार पर

उत्तर (c)

व्याख्या–यथार्थवादी दृष्टिकोण का आधार है मेकियावेली का यह कथन कि "मनुष्य शस्त्र, धन एवं रोटी युद्ध की शक्ति है, परन्तु इन चारों में प्रथम दो अत्यन्त आवश्यक है, क्योंकि मनुष्य एवं शस्त्र, धन एवं रोटी प्राप्त कर सकते हैं, परन्तु रोटी तथा धन, मनुष्य एवं शस्त्र प्राप्त नहीं कर सकते।

42. **अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में शक्ति है-**

(a) निरंकुश (b) सापेक्ष

(c) अपरिमित (d) परिमित

उत्तर (b)

व्याख्या–अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति सापेक्ष है। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में हम जिस शक्ति की चर्चा करते हैं। वह राजनीतिक शक्ति है। राजनीतिक शक्ति से अभिप्राय है अन्य मनुष्यों के कार्यों एवं मस्तिष्क पर नियंत्रण।

43. **कैप्लान के व्यवस्था दृष्टिकोण में विश्'वव्यापी नायक है-**

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) संयुक्त राष्ट्र संघ

(c) इंग्लैण्ड (d) डब्ल्यू टी. ओ.

उत्तर (a)

व्याख्या–कैप्लान के व्यवस्था दृष्टिकोण में विश्वव्यापी नायक अमेरिका है। अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में व्यवस्था उपागम को लोकप्रिय करने में मार्टन कैप्लान का विशेष हाथ रहा है। शक्ति राजनीति की धारणा को स्वीकार करते हुए उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक व्यवस्था की कुछ विशिष्ट आत्म-नियामक विशेषताएँ बतलायीं है।

44. **नीच दो वक्तव्य दिये गये है। एक कथन (A) है और दूसरा उस का कारण (R) है।**

अभिकथन (A) : संयुक्त सुरक्षा मृगतृष्णा है।

कारण (R) : राज्यों को भय की सामान्य अनुभूति नहीं है।

नीचे दीये हुए उत्तरो में से सही उत्तर चुनिए।

(A) (A) तथा (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, किन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (c)

व्याख्या– संयुक्त सुरक्षा मृगतृष्णा (धोखा) है। यह सही है जबकि राज्यों को भय की सामान्य अनुभूति नहीं है असत्य है। क्योंकि सभी राष्ट्र सुरक्षा के प्रति सदैव सचेत रहते हैं।

45. कैदी का दृष्टि-गोचर संकट उत्तेजित करता है-

(a) हथियारों की दौड़
(b) हथियारों का नियंत्रण
(c) निःशस्त्रीकरण
(d) शान्ति

उत्तर (a)

व्याख्या–कैदी का दृष्टिगोचर संकट हथियारों की दौड़ को उत्तेजित करता है। हथियारों की होड़ के पीछे प्रमुख कारण विभिन्न देशों के बीच विवाद है, जैसे सीमा विवाद, शरणार्थियों को लेकर विवाद इत्यादि। इन विवादों ने दो राष्ट्रों के बीच संबंधों में अशान्ति पैदा की है।

46. सैनिक गठबन्धन मूल अवधारणा पर आधारित होते हैं-

(a) सामूहिक रक्षा (b) सामूहिक-सुरक्षा
(c) सहकारी-सुरक्षा (d) विस्तृत-सुरक्षा

उत्तर (c)

व्याख्या–सैनिक गठबन्धन सहकारी सुरक्षा की मूल अवधारणा पर आधारित होते हैं। सैनिक गठबन्धन एक ऐसा गठबन्धन होता है, जिसमें विभिन्न राष्ट्र एक दूसरे के साथ सैन्य उद्देश्यों यथा युद्ध के दौरान सहायता करने का आश्वासन देना, की प्राप्ति के लिए आपस में जुड़ते हैं।

47. अंतर्राष्ट्रीय कानून अपने सम्प्रयोग में है-

(a) विश्वव्यापी (b) आंशिक
(c) निरंकुश (d) सापेक्ष

उत्तर (a)

व्याख्या–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अपने सम्प्रयोग में विश्वव्यापी होते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय कानून ऐसे कानून होते हैं, जिसका सभी देश पालन करने को बाध्य होते है, क्योंकि वे ऐसा मानते हैं कि इसका पालन करने से वैश्विक शान्ति एवं स्थिरता कायम रहेगी।

48. निम्नलिखित घटनाओं के कालानुक्रम को पहचानिए-

(a) टूमैन सिद्धांत, मुनरो सिद्धांत, ब्रेझनेव सिद्धांत, ग्वाम सिद्धांत
(b) मुनरो सिद्धांत, टूमैन सिद्धांत, ब्रेझनेव सिद्धांत, ग्वाम सिद्धांत
(c) ग्वाम सिद्धांत, ब्रेझनेव सिद्धांत, टूमैन सिद्धांत, मुनरो सिद्धांत
(d) ब्रेझनेव सिद्धांत, टूमैन सिद्धांत, ग्वाम सिद्धांत, मुनरो सिद्धांत

उत्तर (b)

व्याख्या–घटनाओं का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार से है- मुनरो सिद्धांत (पृथक्कतावादी नीति-1823), टूमैन सिद्धांत (सोवियत विस्तार को रोकना-1945-52), ब्रेझनेव सिद्धांत (सीमित सम्प्रभुता का सिद्धांत-1968), ग्वाम सिद्धांत (निक्सन डाक्टरीन-1969)। ये सभी घटनाएँ शीत युद्ध काल के समय घटित हुई। इस दौरान अमेरिका एवं सोवियत संघ अपने प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि करने का प्रयास कर रहे थे। यह घटनाएँ उनके इसी प्रयास से सम्बन्धित है।

49. सूची I तथा सूची - II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (लेखक)		**सूची-I (सिद्धांत)**
(a) गेन्ट्ज		(i) सामूहिक सुरक्षा
(b) नार्मन ऐन्जेल		(ii) अंतः निर्भरता
(c) काण्ट		(iii) चिर-स्थायी शान्ति
(d) वुडरो विल्सन		(iv) शक्ति सन्तुलन

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iv	ii	iii	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	ii	i	iv
(d)	i	iii	iv	ii

उत्तर (a)

व्याख्या-

सूची-I (लेखक)		**सूची-I (सिद्धांत)**
(a) गेन्ट्ज		(i) शक्ति संतुलन
(b) नार्मन ऐन्जेल		(ii) अंतः निर्भरता
(c) काण्ट		(iii) चिर-स्थायी शान्ति
(d) वुडरो विल्सन		(iv) सामूहिक सुरक्षा

50. निम्न घटनाओं के सही कालानुक्रम को पहचानिए-

(a) हेलसिंकी शिखर, वियना कांग्रेस, वे ऑफ पिंग्स, वर्सायल सम्मेलन
(b) वर्यायल सम्मेलन, वे ऑफ पिग्स, हेलसिंकी शिखर, वियना कांग्रेस
(c) वियना कांग्रेस, वर्सायल सम्मेलन, वे ऑफ पिग्स, हेलसिंकी शिखर
(d) वे ऑफ पिग्स, हेलसिंकी शिखर, वियना कांग्रेस, वर्सायल सम्मेलन

उत्तर (c)

व्याख्या–घटनाओं का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार से है- वियना काँग्रेस (1814-15), वर्साय सम्मेलन (जनवरी 1919-1920 प्रथम विश्वयुद्ध का अन्त व राष्ट्रसंघ की स्थापना), वे ऑफ पिग्स (क्यूबा संकट 1961), हेलसिंकी शिखर सम्मेलन (वियतनाम संकट 1975)। ये घटनाएँ वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण के प्रयास से सम्बन्धित है।

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2007

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : $1^1/_4$ घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट- इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से नैतिकता को राजनीति से किसने पृथक किया?

(a) अरस्तू (b) मैकियावली
(c) हॉब्स (d) लॉक

उत्तर (b)

व्याख्या–मैकियावली ने राजनीति को धर्म और नैतिकता से पृथक्करण किया। मैकियावली ने न तो ईसाई धर्म की मान्यताओं और न तो दैवीय कानूनों के अस्तित्व को स्वीकार किया। मैकियावली ने इस बात से इन्कार कर दिया कि मानव का कोई पारलौकिक उद्देश्य है। इनकी पुस्तक - द प्रिन्स थी।

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

2. निम्नलिखित में से किस संकल्पना की आलोचना 'स्वतंत्रता के विरोधाभास' के रूप में की गई है?

(a) प्लेटो का 'जस्टिस'
(b) लॉक का 'गवर्नमेन्ट कन्ट्रैक्ट
(c) रूसो का 'जनरल विल'
(d) रॉल्स का 'डिस्ट्रीब्यूटिव जस्टिस'

उत्तर (c)

व्याख्या–रूसो की सामान्य इच्छा समाज के विभिन्न व्यक्तियों की (Real Will) वास्तविक इच्छाओं का योग है। सभी नागरिकों की वह इच्छा, जिसका उद्देश्य सामान्य हित हो, सामान्य इच्छा कहलाती है।

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

3. 'राजनीति मानव समुदाय द्वारा अपनी समस्याओं से निपटने की प्रक्रिया है', यह किसने कहा है?

(a) अरस्तू (b) गैटेल
(c) हैरोल्ड लासवेल (d) हर्बर्ट जे. स्पेरो

उत्तर (c)

व्याख्या–हैरोल्ड लासवेल ने कहा कि राजनीति मानव समुदाय द्वारा अपनी समस्याओं से निपटने की प्रक्रिया है। लासवेल, मोस्का, शुम्पीटर, सी॰ राईट मिल्स 'अभिजन सिद्धान्त' के समर्थक है। अभिजन किसी समुदाय के लघु अल्पसंख्यक होते हैं, जो महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों को धारण करते है।

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

4. निम्नलिखित में से 'अहिंसात्मक प्रतिरोध के सिद्धांत' का जनक कौन है?

(a) महात्मा गाँधी (b) अरबिन्दो घोष
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) रवीन्द्रनाथ टैगोर

उत्तर (b)

व्याख्या–निष्क्रिय प्रतिरोध की पद्धति के जनक अरबिन्द घोष हैं वे इस पद्धति के द्वारा भारत की स्वाधीनता का उपदेश दे रहे थे। निष्क्रिय प्रतिरोध से उनका तात्पर्य किसी अहिंसक आन्दोलन से नहीं था। अरविन्द घोष की अन्य कृतियाँ है : The life divine 1914, Essay on Geeta 1916, Ideal Human Unity 1918.

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश-दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट-

(a) कथन (a) और कारण (R) दोनों सही है और (R) (a) की सही व्याख्या है।
(b) (a) और (R) दोनों सत्य है, लेकिन (R), (a) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (a) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (a) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

5. अभिकथन (a) : वैज्ञानिक समाजवाद वर्ग संघर्ष के सन्दर्भ में इतिहास की व्याख्या करता है।
तर्क (R): वर्ग संघर्ष पहले 'सुपरस्ट्रक्चर' में होता है।

उत्तर (b)

व्याख्या–मार्क्स के अनुसार समाज की प्रगति द्वन्दात्मक प्रणाली द्वारा होती है और विकास की प्रक्रिया एवं उसकी अन्तिम दिशा को निर्धारित करने वाले आर्थिक तत्व होते है। मार्क्स का कहना है कि पूंजीवाद अपनी कब्र स्वयं खोदता है।

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

6. अभिकथन (a) : बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में पश्चिमी-विद्वानों की प्रमुख चिन्ता समुदाय का विचार रही है।
तर्क (R) : 'स्थानीय' (लोकल) विस्मृत और कमजोर हो गया है।

उत्तर (a)

व्याख्या–बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में पश्चिमी विद्वानों की प्रमुख चिंता समुदाय का विचार रही है। स्थानीय विस्मृत और कमजोर हो गया है। आधुनिक राज्य का सामुदायिकवादी दृष्टिकोण सेण्डल, वाल्जर और टेलर के चिन्तन से जुड़ा है और जॉन रॉल्स तथा ड्वार्किन जैसे उदारवादी विद्वानों की प्रतिक्रिया स्वरूप सामने आया है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

7. **अभिकथन (a) :** संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक विश्लेषण प्रकार्य और संरचना की संकल्पना के इर्द-गिर्द घूमता है।

तर्क (R) : प्रकार्य किसी प्रणाली (System) के कार्यों की अभिरचना (Pattern) के वस्तुनिष्ठ परिणाम के तौर पर परिभाषित किया जाता है।

उत्तर (b)

व्याख्या—संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम इस बात की व्याख्या करता है कि कौन सी संरचना राजनीतिक व्यवस्था के अन्दर कौन से प्रकार्यों का सम्पादन करती है। यह उपागम दो प्रमुख धारणाओं पर केन्द्रित है- संरचना और प्रकार्य। प्रकार्य प्रेक्षित परिणाम है, जो किसी व्यवस्था के अनुकूल या पुनः समायोजन की व्याख्या करते है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

8. **अभिकथन (a) :** अभिजात्य सिद्धांत मध्य एवं पश्चिमी यूरोप के देशों में प्रजातंत्र के विवेचन (critique) के तौर पर प्रयोग किया गया।

तर्क (R) : प्रत्येक प्रजातान्त्रिक समाज में अल्पसंख्यक शासन करते हैं-

उत्तर (b)

व्याख्या—अभिजात्य शब्द का प्रयोग 1823 में हुआ। लेकिन इस शब्द का ब्रिटेन एवं अमेरिका में अधिक प्रयोग 1930 ई॰ के बाद किया गया। लोकतंत्र में भी राजव्यवस्था पर वास्तविक रूप से नियंत्रण इस अल्पसंख्यक उच्च वर्ग का ही होता है और यही अभिजन है। **डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान**

9. **अभिकथन (a) :** 1977 के बाद भारत में साझा सरकार का प्रयोग सफल रहा।

तर्क (R):एक दलीय प्रधानता की प्रणाली का असफल होना।

उत्तर (a)

व्याख्या— 1977 के बाद भारत में साझा सरकार का प्रयोग सफल रहा और कांग्रेस को विभिन्न क्षेत्रीय दलों से चुनौतीयाँ मिलने लगी और कांग्रेस की दलीय प्रधानता का खण्डन हुआ और क्षेत्रीय दलों ने साझा सरकार का निर्माण किया। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

10. **अभिकथन (a) :** 1970 के दशक में सभी प्रकार के समाज का चरित्र एक सा है।

तर्क (R): भाषा, धर्म और जाति का चुनाव में लाभ के लिए उपयोग हो रहा है।

उत्तर (d)

व्याख्या—वर्तमान में भाषा, धर्म और जाति का चुनाव में लाभ के लिए उपयोग हो रहा है। भारतीय समाज विभिन्न तरह की विविधताओं से भरा हुआ समाज है, यहाँ जाति, वर्ग इत्यादि के आधार पर विविधता है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल इस विविधता का फायदा उठाकर वोट प्राप्त करने की कोशिश करते है।

11. **अभिकथन (a) :** पदसोपान (Hierarchy) प्रशासन में मानव सम्बन्धों को कई प्रकार की हठधर्मिता (rigidity) की ओर ले जाता है।

तर्क (R) : अधिक्रम प्रशासनिक संगठन में संशक्ति (coherence) को बनाए रखने का साधन है।

उत्तर (d)

व्याख्या—पदसोपान प्रणाली से आशय है निम्नतर पर उच्चतर का शासन इससे संगठन में समन्वय बना रहता है। पदसोपान का शाब्दिक अर्थ है 'श्रेणीबद्ध प्रशासन', जिसका मतलब है 'निम्नतर या उच्चतर का शासन अथवा नियन्त्रण। इस अर्थ में प्रत्येक उच्च अधिकारी अपने तात्कालिक निम्न अधिकारी को आज्ञा देता है।

12. **अभिकथन (a) :** लोक प्रशासन लाभ के उद्देश्य से पूर्णतः मुक्त नहीं है।

तर्क (R) : सरकारी कार्यकलापों का मुख्य उद्देश्य समाज कल्याण को प्रोत्साहित करना/बढ़ाना है।

उत्तर (b)

व्याख्या—लोकप्रशासन लाभ के उद्देश्य से पूर्णतः मुक्त नहीं है। सरकारी कार्यकलापों का मुख्य उद्देश्य समाज कल्याण को प्रोत्साहित करना है। लोक सेवाओं में कर्मचारियों को योग्यता व गुणों के आधार पर भर्ती किया जाता है। इस प्रकार संगठित की जाने वाली लोक सेवा की सफलता ने दूसरे देशों का ध्यान भी अपनी ओर आकर्षित किया तथा कालान्तर में उन्होंने इसी पद्धति का अनुसरण किया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

13. **अभिकथन (a) :** उत्तर शीत युद्ध काल में निर्गुट राष्ट्रों का संगठन (NAM) अभी भी प्रासंगिक है।

तर्क (R) : निकट भविष्य में कुछ विकासमान राष्ट्र प्रमुख स्थिति में होंगे।

उत्तर (b)

व्याख्या— उत्तर शीत युद्धकाल में निर्गुट राष्ट्रों का संगठन अभी भी प्रासंगिक है क्योंकि इसे अब असुरक्षा उभयपास के तहत आतंकवाद, अतिवाद तथा अन्य आन्तरिक सुरक्षा से निपटना और ऐसी की गई भविष्य वाणी सत्य प्रतीत होती है कि विकास शील राष्ट्र विश्व व्यवस्था में प्रमुख स्थिति में होंगे क्योंकि भारत व चीन उसी ओर अग्रसर हैं। NAM की स्थापना 1961 में नेहरू, नासिर व टीटो द्वारा बेलग्रेड में की गयी।

14. **अभिकथन (a)** भारत और चीन दोनों ने 21वीं सदी में एक रचनात्मक एवं सहयोग के संबंध का मार्ग अपनाया है।

तर्क (R): चीन ने पाकिस्तान की परमाणु नीति का विरोध किया है।

उत्तर (c)

व्याख्या—भारत और चीन दोनों ने 21वीं सदी में एक रचनात्मक एवं सहयोग के संबंध का मार्ग अपनाया है। 21वीं सदी में भारत एवं चीन के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज इनके बीच द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब डॉलर के आस-पास है, जो किसी अन्य देश की अपेक्षा सर्वाधिक है।

15. **नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संकल्पनाओं/सिद्धांतो के अस्तित्व में आने को कालक्रम में रखिए-**

(i) सप्तांग (Saptanga)
(ii) संरक्षण का सिद्धान्त (Theory of Protection)
(iii) अहिंसात्मक विरोध (Passive Resistance)
(iv) सत्याग्रह (Satyagraha)

(a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (ii) (i) (iv) (iii) (d) (iii), (ii), (iv) (i)

उत्तर (a)

व्याख्या–संकल्पनाओं का सही क्रम निम्नलिखित है-
1. सप्तांग सिद्धांत - कौटिल्य
2. संरक्षण का सिद्धांत – बाजारवाद अथवा नवउदारवाद
3. अहिंसात्मक विद्रोह-गाँधी का असहयोग एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन
4. सत्याग्रह - गाँधीजी

डॉ. बी. एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

16. नीचे लिखी पुस्तकों के प्रकाशन को कालक्रम में रखिए -

(i) 'A Grammar of Politics'
(ii) 'Ideal of Human Unity'
(iii) 'Multicultural Citizenship: A Liberal Theory of Minority Rights'
(iv) 'Neo-Humanism'

(a) (ii) (i) (iv) (iii) (b) (i) (iv) (ii) (iii)
(c) (ii), (iii) (i) (iv) (d) (i), (ii), (iii) (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या–
(i) 'A Grammar of Politics' (1925)- H. J. Laski
(ii) 'Ideal of Human Unity 1918' - Arvindo Ghosh
(iii) 'Multicultural Citizenship: A Liberal Theory of Minority Rights 1997' - Will Kymlicka
(iv) 'Neo-Humanism 1947' - M.N. Roy

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

17. सूची-I तथा सूची-II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I		सूची-II
(a)	'Power'	(i) ग्रीन
(b)	'Enternal Consciousness'	(ii) ईस्टन
(c)	मूल्यों का बाध्यकारी विवरण	(iii) मैकियावली
(d)	Prison Diary'	(iv) ग्राम्शी

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iii	i	ii	iv
(b)	i	iii	ii	iv
(c)	iv	iii	i	ii
(d)	ii	iv	iii	i

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II
(a)	'Power'	(i) मैकियावली
(b)	'Enternal Consciousness'	(ii) ग्रीन
(c)	मूल्यों का बाध्यकारी विवरण	(iii) ईस्टन
(d)	Prison Diary'	(iv) ग्राम्शी

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

18. सूची-I तथा सूची-II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I		सूची-II
(a)	ऑगस्टाइन	(i) 'Let hundred flowers bloom'
(b)	माओ	(ii) 'Colonial thesis
(c)	एम.एन. राय	(iii) 'Involution'
(d)	अरबिन्दो	(iv) 'Two swords'

कोड-

	a	b	c	d
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	iii	ii	i	iv

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II
(a)	ऑगस्टाइन	(i) Two sword
(b)	माओ	(ii) 'Let hundred flowers bloom'
(c)	एम.एन. राय	(iii) Colonial thesis
(d)	अरबिन्दो	(iv) Involution

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

19. राजनीति विज्ञान की एक उपशाखा के रूप में तुलनात्मक राजनीति के विकास में निम्नलिखित में से किसने योगदान किया था?

(a) आर्थर बेंटले (b) ग्राहम वैलेस
(c) हैरोल्ड लास्की (d) आर.टी.मैकेंजी

उत्तर (a)

व्याख्या–आर्थर बेंटले ने राजनीति विज्ञान की एक उपशाखा के रूप में तुलनात्मक राजनीति के विकास में योगदान दिया। तुलनात्मक राजनीति के परम्परागत उपागम राजनीतिक व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं की वास्तविकताओं को समझने में तथा वर्तमान उपागमों के प्रतिपादन में सहायक नहीं हुए।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

20. निम्नलिखित में से किस देश में दोहरी नागरिकता के साथ सरकार का संघीय रूप है?

(a) भारत (b) यू.एस.ए.
(c) यू.के. (d) स्विट्जरलैण्ड

उत्तर (b)

व्याख्या–यू॰एस॰ए॰ में दोहरी नागरिकता के साथ सरकार का संघीय रूप है। यू॰एस॰ए॰ की संघीय शासन प्रणाली के अन्तर्गत राज्यों को पर्याप्त स्वायत्तता दी गयी है। राज्यों के अपने पृथक-पृथक संविधान है।

21. लूसियन पाई के अनुसार निम्नलिखित में से राजनीतिक विकास के कौन से संकट हैं?

(1) अस्मिता का संकट (2) वैधता का संकट
(3) वितरण का संकट
(4) भ्रष्ट राजनैतिक प्रक्रिया का संकट

(a) 1, 2 और 4 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (b)

व्याख्या–राजनीतिक विकास की संकल्पना पर विचार करने वाले विद्वानों में लुसियन पाई का नाम अग्रणी है। लुसियन पाई के अनुसार राजनीतिक विकास के निम्नलिखित संकट है-
1. अस्मिता का संकट
2. वैधता का संकट
3. वितरण का संकट

पाई ने 1963 से इस विषय पर गम्भीर रूप से सोचना प्रारम्भ कर दिया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

22. कार्ल ड्यूश की संचार सिद्धांत (Communications Theory) में निम्नलिखित चार संख्यात्मक (quantiative) कारको (Factor) को सही कालानुक्रम में रखिए।

(i) Lag (ii) Load
(iii) Lead (iv) Gain
(a) (ii) (i) (iv) और (iii)
(b) (i) (ii) (iii) और (iv)
(c) (iii) (ii) (i) और (iv)
(d) (iv) (i) (ii) और (iii)

उत्तर (a)

व्याख्या–कार्ल ड्यूश के संचार सिद्धांत में चार परिमाणात्मक तत्व है। ये चार तत्व निम्न प्रकार से हैं- भार (Load), पश्चात (Lag), अभिलाभ (Gain), अग्रता (Lead)

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

23. केनेथ आर्गेस्की के अनुसार एक विकासशील समाज को नीचे दिए गए विकास के चार चरणों से गुजरना पड़ता है-

(i) राजनैतिक एकीकरण
(ii) राष्ट्रीय जनकल्याण
(iii) औद्योगीकरण
(iv) प्रचुरता (Abundance)

आर्गेस्की ने उन्हें किस क्रम में रखा है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर दीजिए-

(a) (i) (ii) (iii) और (iv)
(b) (i) (iii) (ii) और (iv)
(c) (i) (iii) (iv) और (ii)
(d) (i) (ii) (iv) और (iii)

उत्तर (b)

व्याख्या–केनेथ आर्गेस्की ने राजनीति विकास के चार स्तर माने हैं-
1. आदिम एकीकरण की राजनीति
2. औद्योगीकरण की राजनीति
3. राष्ट्रीय लोककल्याण की राजनीति
4. समृद्धि की राजनीति

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

24. नीचे लिखे युग्मों में गलत मिलान किसमें हुआ है?

(a) राबर्ट डहल : Who Governs
(b) टी.बी. वाटोमोर : Elites and Society
(c) डेविड ईस्टन : The Political System
(d) लूसियन पाई : राजनैतिक विकास के स्तर : (The stages of Political Development)

उत्तर (d)

व्याख्या–डेविड ईस्टन The Political System से सम्बन्धित है। तुलनात्मक राजनीति में व्यवस्था की अवधारणा का प्रयोग करने वाले विद्वानों में ईस्टन का नाम अग्रणी है। सन् 1953 में प्रकाशित एक पुस्तक 'The Political System' में उसने राजनीति विज्ञान में एक 'सामान्य व्यवस्था सिद्धांत' निर्माण का विचार प्रस्तुत किया।

The stages of political Develop ment (राजनैतिक विकास के स्तर) – केनेथ आर्गेस्की की Book है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

25. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	**सूची-II**
(a) राजनैतिक सम्प्रेषण	(i) ए. जी. फ्रैंक
(b) निर्भरता (Dependence)	(ii) लूसियन पाई
(c) जनता का मस्तिष्क (Massmind)	(iii) राबर्ट मिशेल
(d) तीन स्तरों पर राजनैतिक विकास के चिन्ह	(iv) कार्ल ड्यूश

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iv	i	iii	ii
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) राजनैतिक सम्प्रेषण	(i) कार्ल ड्यूश
(b) निर्भरता (Dependence)	(ii) ए॰ जी॰ फ्रैंक
(c) जनता का मस्तिष्क (Massmind)	(iii) राबर्ट मिशेल
(d) तीन स्तरों पर राजनैतिक विकास के चिन्ह	(iv) लुसियन पाई

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

26. भारतीय संविधान में अंतरराष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा' का उल्लेख किया गया है-

(a) प्रस्तावना में
(b) मौलिक अधिकार में
(c) राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत में
(d) आपदा के प्रावधान में

उत्तर (c)

व्याख्या–भारतीय संविधान में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा का उल्लेख राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त (अनु. 51) में किया गया है। राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त राज्य को यह निर्देश देते हैं कि वह लोगों के कल्याण के लिए योजनाएँ बनाते समय इस सिद्धांत के बातों पर ध्यान दे तथा उन्हें लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

27. भारतीय संविधान के किस संशोधन में सरकार में मन्त्रियों की संख्या कम करने का उल्लेख किया गया है?

(a) 85वाँ संशोधन (b) 42वाँ संशोधन
(c) 91वाँ संशोधन (d) 52वाँ संशोधन

उत्तर (c)

व्याख्या–91 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के अन्तर्गत यह उपबंध किया गया कि केन्द्रीय मन्त्रिपरिषद में प्रधानमंत्री समेत मंत्रियों की अधिकतम संख्या लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

28. नीचे लिखे व्यक्तियों में लोकसभा के स्पीकर के रूप में कार्य करने वालों को कालक्रम में रखिए-

(i) संजीव रेड्डी (ii) हुकुम सिंह
(iii) सोमनाथ चटर्जी (iv) पी.ए. संगमा
(a) (iv) (i) (ii) (iii) (b) (iii) (iv) (ii) (i)
(c) (ii) (i) (iv) (iii) (d) (i), (iii), (iv) (ii)

उत्तर (c)

व्याख्या–लोकसभा के स्पीकर के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों का सही कालक्रम निम्नलिखित है-
1. हुकुम सिंह (1962-1967)
2. संजीव रेड्डी (1967-1969)
3. पी॰ए॰ संगमा (1996-1998)
4. सोमनाथ चटर्जी (2004-2009)

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

29. भारत के संविधान में निम्नलिखित को किस कालक्रम में रखा गया है?

(i) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(ii) राज्य का नाम परिवर्तन
(iii) किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना
(iv) आई.ए.एस. और आई.पी.एस. के बारे में उल्लेख
(a) (iv) (ii) (iii) (i) (b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i) (d) (i), (iii), (iv) (ii)

उत्तर (b)

व्याख्या–भारत के संविधान में निम्नलिखित का सही कालक्रम निम्न प्रकार से है-
1. राज्य का नाम परिवर्तन – अनुच्छेद - 3
2. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार - अनुच्छेद 25-28
3. आई॰ ए॰ एस॰ और आई॰ पी॰ एस॰ के बारे में उल्लेख - अनुच्छेद 312
4. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना - अनुच्छेद 356

एम॰ लक्ष्मीकांत भारत की राजव्यवस्था

30. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I		**सूची-II**
(a) भारतीय राष्ट्रीय लोकदल	(i)	पश्चिम बंगाल
(b) टी.एम.सी.	(ii)	बिहार
(c) जे.डी. (यू.)	(iii)	आन्ध्र प्रदेश
(d) टी.आर.एस.	(iv)	हरियाणा

कोड-

	a	b	c	d
(a)	i	iii	iv	ii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	iv	ii	iii	i

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) भारतीय राष्ट्रीय लोकदल	(i) हरियाणा
(b) टी.एम.सी.	(ii) प॰ बंगाल
(c) जे.डी. (यू.)	(iii) बिहार
(d) टी.आर.एस.	(iv) आन्ध्र प्रदेश

31. सूची-I तथा सूची-II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	**सूची-II**
(a) पी.वी. नरसिम्हा राव भारत के प्रधानमंत्री बने	(i) 1992
(b) बाबरी मस्जिद का गिराया जाना	(ii) 1996
(c) देवगौड़ा प्रधानमंत्री बने	(iii) 1954
(d) नेहरू जी ने चीन से पंचशील समझैते पर हस्ताक्षर किए	(iv) 1991

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	iv	iii	ii
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	iii	i	ii	iv

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) पी.वी. नरसिम्हा राव भारत के प्रधानमंत्री बने	(i) 1991
(b) बाबरी मस्जिद का गिराया जाना	(ii) 1992
(c) देवगौड़ा प्रधानमंत्री बने	(iii) 1996
(d) नेहरू जी ने चीन से पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए	(iv) 1954

32. ''लोक प्रशासन उन क्रियाओं (ऑपरेशन्स) को कहते हैं, जिनका उद्देश्य लोकनीति को लागू करना होता है''- यह परिभाषा किसने दी है?

(a) डी. वाल्डो
(b) एल. डी. व्हाइट
(c) एल. उर्विक
(d) डब्ल्यू एफ. बिलोबी (Willoughby)

उत्तर (b)

व्याख्या–''लोक प्रशासन उन क्रियाओं को कहते हैं, जिनका उद्देश्य लोकनीति को लागू करना होता है।'' यह परिभाषा एल॰डी॰व्हाइट की है। लोक प्रशासन का जनक अमरीकी विद्वान वुडरो विल्सन को माना जाता है। इस विषय का जन्म सन् 1887 में हुआ।

33. निम्नलिखित में से संगठन के क्लासिकी सिद्धान्तों को ''कहावतें'' किसने कहा है?

(a) हेनरी फयोल (b) एल.डी. व्हाइट
(c) हर्बर्ट साइमन (d) डी वाल्डो

उत्तर (c)

व्याख्या–हर्वर्ट साइमन ने संगठन के शास्त्रीय सिद्धान्तों की कटु आलोचना की है वे कहते हैं कि शास्त्रीय सिद्धांत से स्पष्ट नहीं होता है कि किस विशेष स्थिति में कौन-सा सिद्धांत महत्व देने योग्य है। साइमन ने प्रशासन के शास्त्रीय सिद्धांतों को 'प्रशासन की कहावते' मात्र कहा है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, लोक प्रशासन

निर्देश-दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए-

34. ''सिविल सेवा स्थायी रूप से वेतन भोगी एवं कुशल पदाधिकारियों की व्यावसायिक संस्था है'' यह किसने कहा था?

(a) हरमन फाइनर
(b) फेलिक्स निग्रो
(c) मैक्स वेबर
(d) ओ. ग्लेन स्टाहल

उत्तर (a)

व्याख्या–''सिविल सेवा स्थायी रूप से वेतन भोगी एवं कुशल पदाधिकारियों की व्यावसायिक संस्था है।'' यह कथन हरमन फाइनर का है। सिविल सेवा से आशय ऐसी नागरिक सेवा से है, जिसका गठन करने के पीछे उद्देश्य देश में शान्ति एवं व्यवस्था को बनाएँ रखना है।

35. निर्णय लेने में निम्नलिखित चरणों को किस क्रम में रखेंगे?

(i) किसी समस्या की पृष्ठभूमि की जानकारी
(ii) समस्या का निर्धारण
(iii) विकल्पों का निर्धारण
(iv) विकल्पों की पहचान

(a) (i), (ii), (iv) और (iii)
(b) (ii), (i), (iv) और (iii)
(c) (ii), (iii), (i) और (iv)
(d) (i) (iii) (iv) और (ii)

उत्तर (b)

व्याख्या–निर्णय लेने का सही चरण निम्नलिखित है-
1. उद्देश्य का निर्धारण होना।
2. समस्या की व्याख्या करना।
3. समस्या का विश्लेषण करना।
4. वैकल्पिक समाधानों का विकास करना।
5. विकल्पों की छंटनी
6. सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

36. लोक प्रशासन के अध्ययन के निम्नलिखित उपागम में किस क्रम से विकास हुआ?

(a) क्लासिकी उपागम (Classical Approach)
(b) व्यवहारवादी उपागम (Behavioural Approach)
(c) मानव सम्बन्धों का उपागम (Human Relations Approach)
(d) नीति उपागम (Policy Approach)

(a) (i) (iii) (ii) और (iv)
(b) (i) (ii) (iii) और (iv)
(c) (ii) (i) (iii) और (iv)
(d) (i) (iii) (iv) और (ii)

उत्तर (a)

व्याख्या–लोक प्रशासन के उपागमों का विकास निम्नलिखित क्रम से हुआ-
1. क्लासिकी उपागम
2. मानव संबंध उपागम
3. व्यवहारवादी उपागम
4. नीति उपागम

उपागम के अन्तर्गत समस्याओं या प्रश्नों के चुनाव में प्रयुक्त कसौटियाँ और अनुसंधान के लिए गई आधार सामग्री आती है। किसी भी घटना या विषय के अध्ययन के लिए अनेक दृष्टिकोण हो सकते है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

37. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	**सूची-II**
(a) कर्मचारी को केवल उच्च अधिकारी से आदेश मिलने चाहिए	(i) नियन्त्रण का दायरा (Span of control)
(b) एक प्रशासक कितने अधीनस्थों को निर्देश दे सकता है।	(ii) यूनिटी ऑफ कमाण्ड

(c) उच्च पदस्थ एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के सम्बन्धः दायित्व के विभिन्न स्तरों पर (iii) पदसोपान अधिक्रम (Hierarchy)

(d) एक समान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वर्ग के प्रयासों का व्यवस्थित क्रम (iv) संयोजन

कोड-

	a	b	c	d
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	ii	i	iii	iv

उत्तर (d)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) कर्मचारी को केवल उच्च अधिकारी से आदेश मिलने चाहिए	(i) यूनिटी ऑफ कमाण्ड
(b) एक प्रशासक कितने अधीनस्थों को निर्देश दे सकता है।	(ii) नियन्त्रण का दायरा (Span of control)
(c) उच्च पदस्थ एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के सम्बन्ध : दायित्व के विभिन्न स्तरों पर	(iii) पदसोपान अधिक्रम (Hierarchy)
(d) एक समान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वर्ग के प्रयासों का व्यवस्थित क्रम	(iv) संयोजन

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

38. नीचे लिखे युग्मों में कौन-सा युग्म ठीक नहीं मिलाया गया है?

(a) क्लासिकी — संरचना (Structure)

(b) मानव सम्बन्ध — अनौपचारिक सम्बन्ध

(c) व्यवस्था (Systems) — पर्यावरण

(d) वैज्ञानिक प्रबन्धन — संगठन के 14 सिद्धांत

उत्तर (d)

व्याख्या–

(a) क्लासिकी — संरचना (Structure)

(b) मानव सम्बन्ध — अनौपचारिक सम्बन्ध

(c) व्यवस्था (Systems) — पर्यावरण

(d) संगठन के 14 सिद्धांत का सम्बन्ध क्लासिकल थियरी से है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

39. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय देशों के संगठन (सार्क) का अस्तित्व मुख्यतः निर्भर करता है-

(a) कमजोर देशों के हितों पर

(b) शान्ति एवं सहयोग पर

(c) निर्णयों के मतैक्य पर

(d) द्विपक्षीय हितों के मुद्दो पर

उत्तर (b)

व्याख्या–सार्क की स्थापना 7 देशों के बीच सद्भावना, भाईचारा,सहयोग का नया युग शुरू करने के लिए की गयी। 7-8 दिसम्बर 1985 को ढाका में दक्षिण एशिया के देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन हुआ जिसमें सार्क की स्थापना हुई, ये देश हैं- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव। अप्रैल 2007 में अफगानिस्तान के शामिल होने पर वर्तमान में सदस्यों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

40. 'शान्ति के लिए एकता का प्रस्ताव' निम्नलिखित में से किसने किया?

(a) नैम (NAM)

(b) नाटो (NATO)

(c) यू.एन. (U.N.)

(d) कॉमनवेल्थ ऑफ नेशन्स

उत्तर (c)

व्याख्या–विश्व शान्ति की स्थापना के क्षेत्र में महासभा को उपयोगी बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास 3 नवम्बर 1950 को किया गया, जिस दिन शान्ति के लिए एकता प्रस्ताव स्वीकार किया गया था। ये कोरिया संकट में लाया गया था।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

41. UNCTAD ने मूलतः निम्नलिखित को बढ़ाया है/प्रोत्साहित किया है-

(a) विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा

(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

(c) युद्ध से बचाव

(d) एन.पी.टी.

उत्तर (b)

व्याख्या–अंकटाड ने मूलतः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाया है।

42. भारत-चीन सम्बन्धों में निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम में रखिए-

(a) दलाई लामा का भारत में प्रवेश

(b) भारत द्वारा पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता देना

(c) पंचशील समझौता

(d) भारत-चीन के दौत्य सम्बन्धों की 50वीं वर्षगाँठ

(a) (iv) (i) (iii) और (ii)
(b) (ii) (iii) (i) और (iv)
(c) (i) (iv) (ii) और (iii)
(d) (iii) (i) (iv) और (ii)

उत्तर (b)

व्याख्या–भारत-चीन संबंधों में घटनाओं का सही कालक्रम निम्न प्रकार से है-

1. भारत द्वारा पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता देना (1949-50)।
2. पंचशील समझौता (1954)।
3. दलाई लामा का भारत में प्रवेश (1959)
4. भारत-चीन के दौत्य संबंधों की 50 वीं वर्षगांठ (2000)

भारत एवं चीन न केवल पड़ोसी राष्ट्र हैं, बल्कि उनमें प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक संबंध चले आ रहे हैं, जिसका इतिहास साक्षी है। दोनों साथ-साथ हीं स्वतंत्र हुए- 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ तो उधर 1949 में चीन।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

43. निम्नलिखित का सही कालक्रम पहचानिए-

(i) मास्ट्रिच
(ii) NPT
(iii) बेलग्रेड परिषद (Belgrade Conference)
(iv) SALT

(a) (iv) (i) (iii) (ii) (b) (iii) (ii) (iv) (i)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (ii) (i) (iv) (iii)

उत्तर (b)

व्याख्या–सही कालक्रम निम्न प्रकार से है-

1. बेलग्रेड परिषद – 1961 2. NPT - 1967/68
3. SALT – 1972 4. मास्ट्रिच - 1992

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

44. सूची-I तथा सूची-II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I		**सूची-II**
(a) मार्गेन्थाऊ	(i)	संघर्ष की युक्ति (The Strategy of conflict)
(b) ई.एच.कार	(ii)	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का सिद्धांत (Theory of International Politics)
(c) कैनेथ वाल्ट्ज	(iii)	राष्ट्रों के बीच राजनीति (Politics among Nations)
(d) शैलिंग टी.	(iv)	बीस वर्षो का संकट (The Twenty year crisis)

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	ii	iv	iii	i
(b)	iii	i	ii	iv
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	iv	i	iii	ii

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) मार्गेन्थाऊ	(i) राष्ट्रों के बीच राजनीति
(b) ई.एच.कार	(ii) बीस वर्षो का संकट
(c) कैनेथ वाल्ट्ज	(iii) अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का सिद्धांत
(d) शैलिंग टी.	(iv) संघर्ष की युक्ति

आर॰सी॰ बरमानी, समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

45. सूची I तथा सूची - II से मिलाकर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I		**सूची-II**
(a) GATT	(i)	South Asian Nations
(b) SAARC	(ii)	Intellectual Property Rights
(c) NAFTA	(iii)	North American States
(d) TRIPS	(iv)	Agreement on Tariff and Trade

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	ii	iv	iii	i
(c)	i	iii	iv	ii
(d)	iv	i	iii	ii

उत्तर (d)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) GATT	(i) Agreement on Tariff and Trade
(b) SAARC	(ii) South Asian Nations
(c) NAFTA	(iii) North American States
(d) TRIPS	(iv) Intellectual Property Rights

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश- (46-50) नीचे लिखे गद्यांश को पढ़िए और अपनी समझ के अनुसार दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

व्यक्ति की अभिरुचियाँ व्यापक हैं, दरअसल उसमें अभिरुचियों की अपार सम्भावनाएँ हैं,इन्हें काफी जटिल तरीके से पद के उत्तरोत्तर क्रम से रखा गया है। दरअसल यह इतना जटिल है कि, व्यक्ति उसे नहीं समझ पाते कि वह क्या है, हमारी कला में, भोजन में, यात्रा में तथा विभिन्न विषय विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में आते हैं। जिनकी तुलना और व्यतिरेक बहुत कम किया जाता है। फिर भी यदि कोई एक व्यक्ति की शक्ति का दूसरे व्यक्ि‘त के ऊपर निर्धारण करना चाहता है तो उसे इन सभी पक्षों पर विचार करना होगा। अतः शक्ति का विस्तृत विश्लेषण हमें इस क्षेत्र में दूर तक भीतर प्रवेश कराता है, लेकिन इसके विपरीत मतदान की स्थितियों में या समितियों के निर्णयों में समस्याओं को सिमटा दिया जाता है, क्योंकि, दो विषयों, छोटे मुद्दो या प्रत्याशियों के बीच निर्णय करना होता है। सामान्य प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर अपनी पसन्द के अनुसार लागू किया जाता है, जो अनेक परिस्थितियों में कितनी ही कठिन क्यों न हो, वह

तुलनात्मक रूप से फिर भी, सैद्धान्तिक विकल्पों की तुलना में निश्चित रूप से काफी आसान होता है। इन परिणामों की भारी कटौती का प्रमाण इस तथ्य में दिया गया है कि मतदान के निर्णय से मतदाताओं के पास 'वास्तविक' विकल्प नहीं होता, क्योंकि प्रत्याशी या दल एक दूसरे से बहुत मिलते जुलते हैं, उदाहरण के लिए मुद्दे काफी साफ नहीं होते। यह जैसा भी है, लेकिन हकीकत यह है कि निर्णय की प्रक्रिया से प्रभावी विकल्प प्रतिबन्धित होता है।

साधन के स्तर पर भी इसे सरलीकृत किया गया है जिसका कारण प्रजातंत्र प्रणाली में मतदान के नियम हैं तथा जिन्हें निर्णय करने वाली समिति आरोपित करती है। समितियों के निर्णय का निर्धारण करना दिलचस्प क्यों नहीं है इसका कारण है कि समितियों पर स्टालिन के समान कोई व्यक्ति हावी हो जाता है वह समिति के नियमों को दरकिनार करके सदस्यों को धमका देता है। यदि वेउसके विचारों का समर्थन नहीं करते, लेकिन एक नियमित जनतांत्रिक समिति वह है जहाँ कई नियमों के ऊपर विशेष जोर दिया जाता है जिसमें ऐजेन्डा किस प्रकार रखा जाता है उस पर कैसे चर्चा होती है और किस प्रकार मतदान होता है। मतदान के नियम (उदाहरणार्थ बहुमत का मतदान), वास्तव में वे हैं, जिनमें सर्वहारा वर्ग के विरोधी के लिए नियम साफ हो, ताकि वह सदस्यों की स्वतंत्रता को बाधित न कर सके बल्कि सारी प्रविधि सामान्य तंत्र को समानता प्रदान कर सके। इस प्रणाली के इन नियमों में अन्तरविरोध है, इसलिए यह दिलचस्प बन जाता है और इन नियमों का निर्णय लेने की प्रक्रिया पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका विश्लेषण हो सकता है और विशेष रूप से इस प्रणाली में क्या अन्तरविरोध पहले से ही विद्यमान है जिससे इस प्रणाली में एक या अधिक सदस्य प्रणाली के सन्दर्भ में अपने स्वार्थों की अधिकतम पूर्ति कर सकते हैं।

46. व्यक्ति अपने हितों के प्रति अनभिज्ञ है, क्योंकि-

(a) उनका क्षेत्र व्यापक है।
(b) उसके कठिन विकल्प हैं
(c) अशिक्षा के कारण
(d) तानाशाही शासन के कारण

उत्तर (b)

व्याख्या–व्यक्ति अपने हितों के प्रति अनभिज्ञ है, क्योंकि उसके कठिन विकल्प है। व्यक्ति की अभिरूचियां व्यापक हैं, दरअसल उसमें अभिरूचियों की अपार संभावनाएँ है, इन्हें काफी जटिल तरीके से पद के उत्तरोत्तर क्रम में रखा गया है।

47. मतदान के व्यवहार की समस्याएँ आसान हो गई हैं, क्योंकि-

(a) मतदाता द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया' का पालन करने के कारण
(b) सैद्धान्तिक मुद्दे बहुत कम होने के कारण
(c) मतदान मशीन बन गया
(d) 'परिणाम' महत्वपूर्ण न होने के कारण

उत्तर (a)

व्याख्या–मतदान के व्यवहार की समस्याएँ आसान हो गई हैं, क्योंकि मतदान द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया का पालन करने के कारण। मतदान के निर्णय से मतदाताओं के पास वास्तविक विकल्प नहीं होता, क्योंकि प्रत्याशी या दल एक दूसरे से बहुत मिलते जुलते हैं, उदाहरण के लिए मुद्दे साफ नहीं होते।

48. स्टालिन को ऐसा क्यों सन्दर्भित किया जाता है?

(a) मतदान की प्रक्रिया अप्रजातांत्रिक है
(b) नियमों की अवहेलना और विरोधियों को धमकाया जाना है
(c) मुद्दे सीमित होते हैं
(d) प्रत्याशी कम होते हैं

उत्तर (b)

व्याख्या–स्टालिन को ऐसा इसलिए सन्दर्भित किया जाता है- नियमों की अवहेलना और विरोधियों को धमकाया जाना है। समितियों के निर्णय का निर्धारण करना दिलचस्प क्यों नहीं है इसका कारण है कि समितियों पर स्टालिन के समान कोई व्यक्ति हावी हो जाता है। वह समिति के नियमों को दर किनार करके सदस्यों को धमका देता है।

49. मतदान के नियम अप्रजातान्त्रिक क्यों हैं?

(a) क्योंकि ये मतदाता को बहुत आजादी देते हैं
(b) क्योंकि मतदाताओं के विकल्प सीमित नहीं हैं।
(c) क्योंकि ये मतदाता की निर्णय लेने की आजादी को प्रतिबन्धित करते हैं
(d) क्योंकि ये निर्णय लेने वालों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते

उत्तर (c)

व्याख्या–मतदान के नियम अप्रजातांत्रिक है, क्योंकि ये मतदाता की निर्णय लेने की आजादी को प्रतिबन्धित करता है। मतदान के नियम वास्तव में वे हैं, जिनमें सर्वहारा वर्ग के विरोधी के लिए नियम साफ हों ताकि वह सदस्यों की स्वतंत्रता को बाधित न कर सके।

50. निम्नलिखित में से कौन एक व्यक्ति की दूसरे व्यक्ति के ऊपर शक्ति निर्धारण में महत्वपूर्ण है?

(a) व्यक्ति के सभी स्वार्थ तथा दूसरे क्षेत्र
(b) व्यक्ति की हितों के अनुस्तरण (Ranking) की चेतना
(c) व्यक्ति विकल्प व्यवस्था (मैकेनिज्म) से प्रतिबन्धित है
(d) मतदान की स्थितियाँ तथा समितियों के निर्णय पूरी तरह से बदल गए हैं

उत्तर (c)

व्याख्या– निम्नलिखित में से एक व्यक्ति की दूसरे व्यक्ति के ऊपर शक्ति निर्धारण में महत्वपूर्ण है- व्यक्ति विकल्प व्यवस्था से प्रतिबन्धित है। यदि कोई एक व्यक्ति की शक्ति का दूसरे व्यक्ति के ऊपर निर्धारण करना चाहता है तो उसे इन सभी पक्षों पर विचार करना होगा।

यू. जी. सी. नेट (दिसम्बर) परीक्षा, 2007

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट- इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नीचे दिये लेखकों में से 'द लाज' (The Laws) का लेखक कौन है?

(a) अरिस्टोटल (b) प्लेटो
(c) सेण्ट आगस्टाइन (d) डायसी

उत्तर (b)

व्याख्या–'द लॉज' की रचना प्लेटो ने की है। यह प्लेटो का अन्तिम ग्रंथ है, जो उसने अपने जीवन के संध्याकाल में लिखा और जिसका प्रकाशन उसकी मृत्यु के एक वर्ष के बाद 347 ई॰ पूर्व में हुआ। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'रिपब्लिक' है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

2. 'राज्य की सापेक्ष स्वायत्तता' की संकल्पना किसके नाम के साथ जुड़ी हुई है?

(a) लेनिन (b) स्टालिन
(c) ग्राम्शी (d) माओ

उत्तर (c)

व्याख्या–राज्य की सापेक्ष स्वायत्रता की संकल्पना ग्राम्शी के साथ जुड़ी है। ग्राम्शी की गणना असाधारण प्रतिभा के वामपंथी चिन्तकों में होती है। ग्राम्शी का जन्म इटली में हुआ। इन्होंने अपना कुछ समय जेल में भी बिताया। ग्राम्शी ने राज्य की अनेक मान्यताओं को अस्वीकार करते हुए बुर्जुआ राज्य का नया विश्लेषण प्रस्तुत किया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

3. नीचे दिए लेखकों में से किसने सुखवादी दर्शन में ईसाई मानवतावादी मूल्य का परिचय करवाया?

(a) बेन्थम (b) जेम्स मिल
(c) जॉन स्टुअर्ट मिल (d) स्पेन्सर

उत्तर (a)

व्याख्या–बेन्थम के उपयोगितावाद की आधारशिला सुख और दुःख की मात्रा के ऊपर है। बेन्थम के अनुसार जो वस्तु सुख की अनुभूति देती है। वह अच्छी वस्तु उपयोगी होगी।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश-दिये गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

4. अभिकथन (A) : अरविन्दो के अनुसार इतिहास का निर्धारण आध्यात्मिकता करती है।

तर्क (R) : इतिहास में संस्कृति और सभ्यता कार्य करती है और परस्पर अंतर्विनिमय करती है।

उत्तर (b)

व्याख्या–अरबिन्द ने अपने राष्ट्रवाद के आध्यात्मिक स्वरूप को भारतीय प्राचीन संस्कृति के स्रोतों पर आधारित किया हो, किन्तु साथ ही इसे मानवतावादी रूप भी दे दिया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

5. अभिकथन (A) : कौटिल्य के अनुसार सेना के चार खण्डों को अलग-अलग अधिकारियों के अधीन होना चाहिए हाथी, घोड़े, रथ और पैदल।

तर्क (R) : इससे अधिकारी शत्रु की चालों का शिकार नहीं बनेगे।

उत्तर (a)

व्याख्या–कौटिल्य के अनुसार सेना के चार अंग हैं - पैदल, हाथी, घोड़े और रथ। कौटिल्य के अनुसार शत्रु के विरूद्ध युद्ध करने में राजा के पास तीन शक्तियाँ होनी चाहिए - उत्साह शक्ति, प्रभाव शक्ति एवं मन्त्र शक्ति।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

6. अभिकथन (A) : आज कोई भी ऐसा समाज नहीं है जो एकल व समरूपी राजनैतिक संस्कृति का दावा कर सके।

तर्क (R) : सांस्कृतिक परिवर्तन की अभिरचना एक देश की दूसरे देश से भिन्न होती है।

उत्तर (a)

व्याख्या–राजनीतिक संस्कृति के अन्तर्गत सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था एवं उसके निर्माणक तत्वों के व्यवहार एवं गत्यात्मकता का साथ-साथ अध्ययन किया जा सकता है। राजनीतिक संस्कृति के आर्थिक एवं सामाजिक तत्वों का अध्ययन करके हम राजनीतिक संस्थाओं के वस्तुपरक अध्ययन की ओर ही अपने चरण बढ़ाते है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

7. अभिकथन (A) : राज्य और राज्य प्रणालियाँ आधुनिक राजनैतिक जीवन के आधारभूत और स्थायी अभिलक्षण है।

तर्क (R) : राज्य प्रणाली और आधुनिकता ऐतिहासिक रूप में घनिष्ठतापूर्वक संबद्ध नहीं है।

उत्तर (a)

व्याख्या–राज्य और राज्य प्रणालियाँ आधुनिक राजनीतिक जीवन के आधारभूत एवं स्थायी अभिलक्षण है। राज्य प्रणाली और आधुनिकता ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठतापूर्वक संबद्ध नहीं है।

8. **अभिकथन (A) :** अपराधियों का राजनीतिकरण राजनीति के अपराधीकरण से अधिक खतरनाक है।
तर्क (R) : राजनैतिक दलों ने शासन की क्षमता खो दी है।
उत्तर (a)

व्याख्या—अपराधियों का राजनीतिकरण राजनीति के अपराधीकरण से अधिक खतरनाक है। राजनैतिक दलों ने शासन की क्षमता खो दी है। क्योंकि राजनीतिक दलों के माध्यम से ही राजनीति का अपराधीकरण हो रहा है। राजनीतिक दलों के माध्यम से ही अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति का शासन में प्रवेश होता है। इसीलिए यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक दलों ने शासन की क्षमता को दी है।

9. **अभिकथन (A) :** प्रबन्धन के नौकरशाही एवं तकनीकी संरचना पर अतिरंजित बल देने से भारत की प्रजातांत्रिक राज्यव्यवस्था को बहुत क्षति पहुंची है।
तर्क (R) : इसका मुख्य शिकार निचले स्तर पर पहल बनी है।
उत्तर (a)

व्याख्या—राष्ट्रीय विकास और सामाजिक परिवर्तन के प्रबन्ध में भारतीय प्रशासन तन्त्र की भूमिका का विश्लेषण करते समय यह तथ्य सर्वविदित है कि नौकरशाही का वेबर प्रतिमान जिसका ध्येय संगठनात्मक कुशलता और प्रभावशीलता प्राप्त करना है- मोटे तौर पर राष्ट्रीय विकास की अनेक समस्याओं के समाधान के लिए अनुपयुक्त है। **डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान**

निर्देश-दिये गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए-

10. **अभिकथन (A) :** लोक प्रशासन का नियंत्रण, विधायिका से कार्यपालिका पर जा रहा है।
तर्क (R) : संसद के पास सरकारी क्रियाकलापों की विस्तृत समीक्षा के लिए समय नहीं है।
उत्तर (a)

व्याख्या—आज प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण अपरिहार्य हो गया है। यह नियंत्रण प्रायः मुख्य कार्यपालिका के माध्यम से रखा जाता है। संसद प्रशासन पर नियंत्रण अवश्य करती है, तथापि वास्तविकता यह है कि प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण उतना प्रभावशाली नहीं है, जितना होना चाहिए।
डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

11. **अभिकथन (A) :** सरकार अपने कर्मचारियों को कई प्रकार का प्रशिक्षण देती है।
तर्क (R) : प्रशिक्षण से कर्मचारियों के कौशल में वृद्धि होने से उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है।
उत्तर (a)

व्याख्या—प्रशिक्षण का अर्थ लोक सेवकों को अपने कार्य के लिए तैयार करना है। जब एक अधिकारी की कुशलता, शक्ति, बुद्धि एवं दृष्टिकोण को एक निश्चित दिशा में सशक्त करने का प्रयास किया जाता है तो वह प्रशिक्षण कहलाता है।
डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

12. **अभिकथन (A) :** अविकसित देश समकालीन विश्व में भारी असमानताओं से ग्रस्त है।
तर्क (R) : अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की सुरक्षा, आजादी और प्रगति से जुड़े मुद्दो पर ध्यान देना चाहिए।
उत्तर (b)

व्याख्या—विकासशील देश समकालीन विश्व में भारी असमानताओं से ग्रस्त है। अन्तर्राष्ट्रीय प्रणाली को सुरक्षा, आजादी और प्रगति से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

13. **अभिकथन (A) :** अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रमुख मुद्दा है विश्व राजनैतिक व्यवस्था के वैश्वीकरण में उत्पन्न समस्याओं का समाधान करने की अक्षमता।
तर्क (R) : वेस्टफेंली व्यवस्था दीर्घकालिक धारिता (susceptibility) की सन्तुष्टि करने मे असफल हुई है।
उत्तर (d)

व्याख्या—वेस्टफेंली व्यवस्था दीर्घकालिक धारिता की सन्तुष्टि करने में असफल हुई है। अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में राज्यों के व्यवहार की समस्याओं प्रकृति तथा उलझनों की व्याख्या करने के लिए चिन्तकों ने विभिन्न सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया है।
डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

14. **निम्नलिखित पुस्तकों के प्रकाशन को कालक्रम से पहचानिए-**
(i) लेविआथन (Leviathan)
(ii) माडर्न पॉलिटीकल एनालाइसिस (Modern Political Analysis)
(iii) ए थ्योरी ऑफ जस्टिस (A Theory of Justice)
(iv) द कैल्कुलस ऑफ कनसैन्ट (The Calculus of Consent)
(a) (i) (iv) (iii) (ii) (b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (i) (iii) (ii) (iv) (d) (i) (iv) (ii) (iii)
उत्तर (d)

व्याख्या—पुस्तकों का सही प्रकाशन क्रम-
1. हाब्स - लेवियाथन – (1651)
2. आर.ए. डहल - माडर्न पोलिटिकल एनालिसिस (1963)
3. James M. Buchanan-द कैलकुलस ऑफ कनसेन्ट (1962)
4. जॉन रॉल्स – A theory of Justice (1971)
ओ॰ पी॰ गावा, राजनीति चिंतन की रूपरेखा

15. **निम्नलिखित सिद्धांतों व संकल्पनाओं की उत्पत्ति का सही कालक्रम पहचानिए।**
(i) जनरल विल (General Will)
(ii) अथॉरिटी ऐज फैडरल (Authority as Federal)
(iii) सत्याग्रह (Satyagrah)
(iv) ग्राम स्वराज (Gram Swaraj)
(a) i iii iv ii (b) i ii iii iv
(c) i iv ii iii (d) i ii iv iii
उत्तर (a)

व्याख्या—संकल्पनाओं की उत्पत्ति का सही कालक्रम निम्न प्रकार से है-
1. जनरल विल - रूसो 2. सत्याग्रह - गाँधीजी
3. ग्राम स्वराज - गाँधीजी 4. अथॉरिटी ऐज फैडरल
डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

16. **निम्नलिखित पुस्तकों के प्रकाशन का कालक्रम पहचानिए-**
(i) Political man
(ii) The Power Elite
(iii) Theory and Practice Modern Governments
(iv) Comparative Politics: A Development Approach

(a) (i) (iv) (ii) (iii) (b) (iv) (i) (iii) (ii)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (ii) (iv) (i) (iii)

उत्तर (c)

व्याख्या–पुस्तकों के प्रकाशन का सही कालक्रम निम्न प्रकार से है-
1. Theory and Practice Modern Governments 1932- हरमन फाइनर
2. The Power Elite 1956 - सी. राइट मिल्स
3. Political man 1960 - सिमोर लिप्सेट
4. Comparative Politics: A Development Approach 1966 - ऑमण्ड पॉवेल

17. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(a) प्लेटो	(i) प्राइवेट एण्ड पब्लिक मोरैलटी
(b) मैकियावली	(ii) सावित्री
(c) हीगल	(iii) टाइम-स्पिरिट
(d) अरविन्दो	(iv) फिलासफर किंग

कोड-

	a	b	c	d		a	b	c	d
(a)	iv	i	iii	ii	(b)	i	ii	iv	iii
(c)	ii	i	iii	iv	(d)	iii	ii	i	iv

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) प्लेटो	(i) फिलासफर किंग
(b) मैकियावली	(ii) प्राइवेट एण्ड पब्लिक मोरैलटी
(c) हीगल	(iii) टाइम-स्पिरिट
(d) अरविन्दो	(iv) सावित्री

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

18. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(a) दि गेट-कीपर्स	(i) डायच
(b) सन्तुष्ट सुअर से असन्तुष्ट सुकरात अच्छा है।	(ii) जयप्रकाश नारायण
(c) सम्पूर्ण क्रान्ति	(iii) डेविड ईस्टन
(d) एनकोडिंग और डीकोडिंग	(iv) जे.एस. मिल

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	i	iii	iv	ii
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) दि गेट-कीपर्स	(i) डेविड ईस्टन
(b) सन्तुष्ट सुअर से असन्तुष्ट सुकरात अच्छा है।	(ii) जे॰ एस॰ मिल
(c) सम्पूर्ण क्रान्ति	(iii) जयप्रकाश नारायण
(d) एनकोडिंग और डीकोडिंग	(iv) डायच

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

19. नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा ठीक है?

(a) 'तुलनात्मक राजनीति' राजनीतिशास्त्र की उपविद्या शाखा के तौर पर इसलिए पैदा हुई, क्योंकि 'तुलनात्मक सरकार' में कुछ विकृतियाँ आ गई थीं।
(b) 'तुलनात्मक राजनीति' अमेरिका में पैदा हुई, क्योंकि अमेरिकन विद्वानों ने पिछली सदी में राजनीति के वैज्ञानिक अध्यन पर जोर दिया था।
(c) 'तुलनात्मक राजनीति' राजनीतिशास्त्र में आए व्यवहारवादी आंदोलन में से पैदा हुई।
(d) 'तुलनात्मक राजनीति' पिछली सदी के पचासवें दशक में अस्तित्व में आई।

उत्तर (c)

व्याख्या–तुलनात्मक राजनीति राजनीतिशास्त्र में आए व्यवहारवादी आंदोलन से पैदा हुई। तुलनात्मक राजनीति का आधुनिक परिवेश किसी अकस्मात् घटना का परिणाम नहीं है, वस्तुतः तुलनात्मक राजनीति का यह नूतन स्वरूप एक लम्बी और अनवरत यात्रा का परिणाम है। **डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान**

20. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) ब्रिटिश संवैधानिक परम्पराओं में, संसद और मन्त्रिमण्डल के लिए अलग-अलग सदस्यता की आवश्यकता होती है
(b) पश्चिम मन्त्रित्वरूपी सरकार, मन्त्रिमण्डल की अनौपचारिक स्थिति पर जोर देता है।
(c) ब्रिटिश मन्त्रिमण्डल एक सामूहिक संस्था के रूप में, संसद के समक्ष रखे जाने वाले नीतियों के नियमन और सम्पूर्ण प्रशासनिक शाखा के सर्वोच्चतम रूप से नियंत्रण करने और दिशा-निर्देशक की तरह से कार्य करने का भी उत्तरदायी है
(d) ब्रिटेन के मन्त्रिमण्डल के सदस्य के लिए विधायिका का सदस्य होना आवश्यक नहीं है

उत्तर (c)

व्याख्या–ब्रिटिश शासन व्यवस्था में संसदीय शासन व्यवस्था पर आधारित है। इसलिए ब्रिटिश मन्त्रिमण्डलात्मक व्यवस्था के विकास के लिए इस धारणा को अपनाना जरूरी था कि मन्त्री अपनी नीतियों एवं कार्यों के लिए सम्राट के स्थान पर संसद के प्रति उत्तरदायी होने चाहिए।
डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

21. नीचे लिखे वाक्यों में कौन सा वाक्य सही है?

(a) राजनैतिक सामाजीकरण में राजनैतिक सहभागिता की डिग्री का पर्यवीक्षण आवश्यक नहीं है।
(b) गैर राजनीतिक अनुभव आवश्यक राजनैतिक समाजीकरण में कोई योगदान नहीं करते।
(c) राजनैतिक समाजीकरण, राजनैतिक व्यवस्था के प्रति विश्वास एवं अभिवृत्ति (atitude) की स्थापना तथा उसका विकास है।
(d) राजनैतिक समाजीकरण, आधिपत्यवादी कुटुम्ब संरचना और मूल्यों के बीच की (विभाजन) रेखा की अनदेखी करता है।

उत्तर (c)

व्याख्या–राजनीतिक समाजीकरण उस समय आरम्भ होता है जब एक बच्चा पर्यावरण में प्रवेश करता है। वह अनेक प्रकार की परिस्थितियों के सम्पर्क में आता है, जिनके माध्यम से वह ज्ञान प्राप्त करता है। **डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान**

22. निम्नलिखित उपागमों का सही कालक्रम पहचानिए-

(i) दार्शनिक उपागम (ii) व्यवहारवादी उपागम
(iii) मार्क्सवादी उपागम (iv) व्यवस्था उपागम
(a) (iii) (ii) (iv) (i) (b) (iv) (i) (iii) (ii)
(c) (ii) (i) (iv) (iii) (d) (i) (iii) (ii) (iv)

उत्तर (d)

व्याख्या–
(i) दार्शनिक उपागम (ii) मार्क्सवादी उपागम
(iii)व्यवहारवादी उपागम (iv) व्यवस्था उपागम

23. निम्नलिखित युग्मों में किसका मिलान ठीक नहीं है?

(a) पैरेटो अभिजन की संचलन शीलता
(b) राजनैतिक समाजीकरण राजनैतिक संस्कृति में आगमन प्रक्रिया
(c) लुसियन पाई संरचनात्मक विभेदीकरण
(d) आर्गेंस्की राजनैतिक क्षय

उत्तर (d)

व्याख्या– सही मिलान निम्न प्रकार से है-
(1) पैरेटो – अभिजन की संचालन शीलता
(2) राजनैतिक समाजीकरण – राजनैतिक संस्कृति में आगमन प्रक्रिया
(3) लुसियन पाई – संरचनात्मक विभेदीकरण
(4) राजनैतिक क्षय का सम्बन्ध – हरिगंटन से है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

24. निम्न में किस जोड़े का मिलान सही नहीं है-

(a) राबर्ट मिशेल स्वल्पतंत्र का लौह नियम
(b) हंटिग्टन आधुनिकीकरण-एक बहुमुखी प्रक्रिया
(c) कार्ल डॉयच Receptors
(d) आलमण्ड अभिजन सिद्धांत और प्रजातंत्र

उत्तर (d)

व्याख्या–सही मिलान निम्न प्रकार से है-
1. राबर्ट मिशेल - स्वल्पतंत्र का लौह नियम
2. हंटिग्टन - आधुनिकीकरण एक बहुमुखी प्रक्रिया
3. कार्ल डॉयच - रिसेप्टर

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

25. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I		सूची-I	
(a)	अधिकारी तन्त्र/नौकरशाह	(i)	प्रशासनिक व्यवस्था सामाजिक व्यवस्था की एक उपव्यवस्था
(b)	व्यवहारवादी	(ii)	कृषि एवं उद्योग आधारित
(c)	सामान्य व्यवस्था	(iii)	कानूनी एवं तार्किक अधिकरण
(d)	पर्यावरणीय	(iv)	मानव स्वभाव का विश्लेषण

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	ii	i	iv	iii

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II	
(a)	अधिकारी तन्त्र/नौकरशाह	(i)	कानूनी एवं तार्किक अधिकरण
(b)	व्यवहारवादी	(ii)	मानव स्वभाव का विश्लेषण
(c)	सामान्य व्यवस्था	(iii)	प्रशासनिक व्यवस्था सामाजिक व्यवस्था की एक उपव्यवस्था
(d)	पर्यावरणीय	(iv)	कृषि एवं उद्योग आधारित

26. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I		सूची-II	
(a)	बुल एच.	(i)	क्रान्तिकारी प्रणाली
(b)	कैपलन, एम.	(ii)	इतिहास का अन्त
(c)	फूकूयामा,	(iii)	प्रणाली सिद्धांत
(d)	कार्ल मार्क्स	(iv)	विकास की प्रणाली

कोड-

	a	b	c	d
(a)	ii	iv	i	iii
(b)	i	iv	ii	iii
(c)	iii	ii	iv	i
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (d)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II	
(a)	बुल एच.	(i)	विकास की प्रणाली
(b)	कैपलन, एम.	(ii)	प्रणाली सिद्धांत
(c)	फूकूयामा,	(iii)	इतिहास का अन्त
(d)	कार्ल मार्क्स	(iv)	क्रान्तिकारी प्रणाली

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

27. राजनैतिक दलों का पंजीयन .....के प्रावधानों के अनुसार होता है।

(a) संविधान की धारा 324 के अनुसार
(b) चुनाव आयोग
(c) सरकार के परामर्श के बाद चुनाव आयोग
(d) 1951 की जनप्रतिनिधि धारा के अनुसार

उत्तर (b)

व्याख्या–निर्वाचन आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों का मान्यता प्रदान करना है और उन्हें चुनाव चिह्न प्रदान करना है।
- चुनाव आयोग का सर्वप्रथम कार्य राष्ट्रपति सांसद विधायक का चुनाव करवाया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

28. कौन-सा दल यू.पी.ए. सरकार में भागीदार है?

(a) ए.आई.ए.डी.एम.के (b) असम गण परिषद्
(c) आई.एन.एल.डी. (d) द्रमुक

उत्तर (d)

व्याख्या–द्रमुक UPA सरकार में भागीदार है। UPA सरकार को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का नाम दिया जाता है। इसके अंतर्गत प्रमुख पार्टियों में काँग्रेस एवं द्रमुक हैं।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

29. नीचे दी गई किस राज्य असेंबली की अवधि छः साल की है?

(a) पंजाब (b) जम्मू-कश्मीर
(c) हिमांचल प्रदेश (d) केरल

उत्तर (b)

व्याख्या–जम्मू और कश्मीर राज्य असेम्बली 6 वर्ष होती है। जम्मू और कश्मीर राज्य का अपना अलग संविधान है और इसी संविधान के अनुसार जम्मू एवं कश्मीर का शासन संचालित होता है। 31 अक्टूबर, 2019 से जम्मू कश्मीर से सम्बन्धित अनुच्छेद 370 व 35ए को हटा दिया गया और जम्मू और कश्मीर को 2 संघ राज्य क्षेत्रों में विभाजित (जम्मू कश्मीर व लद्दाख) इस प्रकार वर्तमान में राज्य असेम्बली की अवधि 5 वर्ष हो गयी है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

30. निम्न घटनाओं के सही कालानुक्रम को पहचानिए-

(i) इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार इन्दिरा गाँधी की संसदीय सीट खत्म होना।
(ii) आजादी के बाद कांग्रेस में विभाजन।
(iii) संसदीय चुनाव में गरीबी हटाओ नारा।
(iv) केन्द्र में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार का बनना।

(a) (iii) (iv) (ii) (i)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (ii) (iii) (i) (iv)
(d) (ii) (iv) (i) (iii)

उत्तर (c)

व्याख्या–

1. आजादी के बाद कांग्रेस में विभाजन – 1969
2. संसदीय चुनाव में गरीबी हटाओ नारा – 1971
3. इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार इन्दिरा गाँधी की संसदीय सीट खत्म होना – 1975
4. केन्द्र में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार का बनना – 1977

एम. लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था
डॉ. बी.एल. फड़िया, राजनीति विज्ञान

31. उच्चतम न्यायालय के निम्नलिखित महत्वपूर्ण फैसलों को सही कालक्रम में रखकर पहचानिए-

(i) मिनर्वा मिल केस
(ii) गोलकनाथ केस
(iii) ए.के. गोपालन केस
(iv) संविधान की नौवी अनुसूची सम्बन्धित केस

(a) (iv) (ii) (iii) (i) (b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (iii) (i) (ii) (iv) (d) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर (d)

व्याख्या–

1. ए॰ के॰ गोपालन केस – 1950
2. गोलकनाथ केस - 1967
3. मिनर्वा मिल्स केस - 1980
4. संविधान की नौवीं अनुसूची से संबंधित केस-आर. कोहेलोवर्क बनाम तमिलनाडु राज्य - 1951

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

32. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(a) साम्प्रदायिक अवार्ड	(i)	1996
(b) जे.पी. का बिहार आंदोलन	(ii)	1982
(c) ज्ञानी जैल सिंह का राष्ट्रपति बनना	(iii)	1932
(d) बाजपेयी जी का पहली बार प्रधानमंत्री बनना	(iv)	1974

कोड-

	a	b	c	d
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	iii	ii	iv	i
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	iv	ii	iii	i

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II
(a) साम्प्रदायिक अवार्ड	(i)	1932
(b) जे.पी. का बिहार आंदोलन	(ii)	1974
(c) ज्ञानी जैल सिंह का राष्ट्रपति बनना	(iii)	1982
(d) बाजपेयी जी का पहली बार प्रधानमंत्री बनना	(iv)	1996

एस॰ के॰ पाण्डे, आधुनिक भारत
एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

33. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(a) रजनी कोठारी	(i)	In pursuit of Lakshmi : The Political economy of the Indian State
(b) लायड और सुजैन रूडॉल्फ	(ii)	Discovery of India
(c) जवाहरलाल नेहरू	(iii)	An Autobiographgy: The story of My Experiment with Truth
(d) महात्मा गांधी	(iv)	State against democracy : In search of Human Governance

कोडः

	a	b	c	d
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	i	iii	iv	ii

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II
(a) रजनी कोठारी	(i)	State against democracy : In search of Human Governance

(b) लायड और सुजैन रूडॉल्फ (ii) In pursuit of Lakshmi : The Political economy of the Indian State
(c) जवाहरलाल नेहरू (iii) Discovery of India
(d) महात्मा गांधी (iv) Autobiography: The story of My Experiment with Truth

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

34. पदसोपान को 'मापन प्रक्रिया' (Scalar Process) किसने कहा है?

(a) मूनी और रेले (b) फैलिक्स ए. निग्रो
(c) हेनरी फेयोल (d) एल. उरविक

उत्तर (a)

व्याख्या–पदसोपान को 'मापन प्रक्रिया' मूनी और रेले ने कहा। पदसोपान की तुलना 'पिरामिड' से की जा सकती है। इसमें शिखर पर एक प्रधान प्रशासनिक अधिकारी होता है तथा सत्ता क्रमिक रूप से नीचे की ओर बढ़ती चली जाती है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

35. नीचे दिया कौन-सा सिद्धांत अनौपचारिक संगठन को केन्द्रक बनाता है?

(a) सिस्टम सिद्धांत (b) नौकरशाही सिद्धांत
(c) क्लासिकी सिद्धांत (d) मानव सम्बन्ध सिद्धांत

उत्तर (d)

व्याख्या–मानव संबंध सिद्धांत के अन्तर्गत इस बात पर बल दिया जाता है कि संगठन के मानवीय पक्ष को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। तकनीकी और आर्थिक पहलुओं पर ज्यादा बल देने की अपेक्षा प्रबन्धकों को मानवीय स्थितियों, प्रेरणा और श्रमिकों से सम्बन्ध स्थापित करने पर ध्यान देना चाहिए।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

36. नीचे दिये विद्वानों में से कौन कहता है कि निजी प्रशासन लोक प्रशासन से अलग है?

(a) पाल एच. एपलबी (b) हैनरी फेयोल
(c) एल उरविक (d) मेरी पी. फोलैट

उत्तर (a)

व्याख्या–पाल एच॰ एपलबी निजी प्रशासन को लोकप्रशासन से भिन्न मानते है। एक क्रिया के रूप में लोकप्रशासन काफी प्राचीन है तथापि अध्ययन की एक शाखा के रूप में उसका उदय वर्तमान काल में ही हुआ है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

37. नए लोक प्रशासन के उद्गमन और संवृद्धि में निम्न निर्दिष्ट बिन्दुओं पर विचार कीजिए-

(i) Honey Report
(ii) Philadelphia Conference
(iii) Publication of Towards a New Public Administration'
(iv) Minnowbrook Conference

इनका सही अनुक्रम क्या है? निम्न कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

(a) (ii) (i) (iv) (iii) (b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (iv) (iii) (i) (d) (ii) (i) (iii) (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या–

1. Honey Report - 1967
2. Philadelphia Conference - 1967
3. Publication of Towards a New Public Administration' - 1971
4. Minnowbrook Conference - 1968

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

38. निम्न सिद्धान्तों/उपागमों का सही क्रम क्या है?

(i) ह्यूमन रिलेशन्स सिद्धांत
(ii) मैक्स वेबर का नौकरशाही सिद्धांत
(iii) न्यू पब्लिक मैनेजमेण्ट
(iv) डिसीजन मेकिंग सिद्धांत

निम्न कूटों में सही उत्तर चुनिए:

कूटः

(a) (ii) (i) (iv) और (iii)
(b) (i) (ii) (iii) और (iv)
(c) (ii) (iii) (iv) और (i)
(d) (i) (iii) (ii) और (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या– उपागमों का सही क्रम-

1. मैक्स वेबर का नौकरशाही सिद्धान्त - मैक्स वेबर
2. ह्यूमन रिलेसंस सिद्धांत - एल्टन मेयो
3. डिसीजन मेकिंग सिद्धांत - हरबर्ट साइमन
4. न्यू पब्लिक मैनेजेंट

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

39. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I	**सूची-II**
(a) नियंत्रण विस्तृत (Span of Control)	(i) जे.डी. मूनी
(b) पद सोपान (Scalar Process)	(ii) वी.ए. ग्रेकुनास
(c) आनुवंशिक सत्ता (Hereditary aughority)	(iii) हैनरी फेयोल
(d) संगठन के चौदह सिद्धांत (Fourten Principles of organisation)	(iv) मैक्स वेबर

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	i	iii	ii	iv

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) नियंत्रण विस्तृत (Span of Control)	(i) वी.ए. ग्रेकुनास
(b) पद सोपान (Scalar Process)	(ii) जे.डी. मूनी

(c) आनुवंशिक सत्ता (Hereditary aughority) (iii) मैक्स वेबर

(d) संगठन के चौदह सिद्धांत (Fourten Principles of organisation) (iv) हेनरी फेयोल

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

40. यह किसने कहा:

''दुनिया को लोकराज के लिए सुरक्षित करना जरूरी है। हमारा अपना कोई स्वार्थ नहीं.....हम मानवता के अधिकारों के समर्थक हैं।''

(a) महात्मा गाँधी (b) हेनरी किसिंजर

(c) मॉर्गेन्थाऊ (d) वुडरो विल्सन

उत्तर (d)

व्याख्या–दुनिया को लोकराज के लिए सुरक्षित करना जरूरी है। हमारा अपना कोई स्वार्थ नहीं. . . . हम मानवता के अधिकारों के समर्थक है। यह कथन वुडरो विल्सन का है। वुडरो विल्सन को लोक प्रशासन का जनक माना जाता है। उन्होंने 1887 में 'A Study Of Administration' नामक पुस्तक लिखी।

41. शीत युद्ध खत्म होने और सोवियत यूनियन के टूटने के बाद, अब हम हैं-

(a) द्वि ध्रुवीय संसार (में) (b) बहु ध्रुवीय संसार (में)

(c) एक ध्रुवीय संसार (में) (d) अराजकता (में)

उत्तर (c)

व्याख्या–शीत युद्ध खत्म होने और सोवियत संघ के टूटने के बाद अब हम एक ध्रुवीय संसार में है। शीत युद्ध न होते हुए भी युद्ध किसी परिस्थितियों को बनाए रखने की कला थी, जिसमें प्रत्येक विषय पर विश्व शान्ति के दृष्टिकोण से नहीं बल्कि अपने संकीर्ण स्वार्थों को ध्यान में रखकर विचार और कार्य किया जाता था।

Note–प्रश्न शीतयुद्ध की समाप्ति के तुरन्त बाद की बात करता है। तब हम एक ध्रुवीय संसार में ही रह रहे थे।

वर्तमान परिदृश्य में हम बहुध्रुवीय विश्व में रह रहे हैं।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

42. 'अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का आधार मानव स्वभाव था और मानव स्वार्थी और सत्ता का लोभी था'' यह किसने कहा?

(a) वुडरो विल्सन (b) ईवान्स और न्यूहाम

(c) हेन्स जे. मॉर्गेन्थाऊ (d) कैनेथ वाल्ट्ज

उत्तर (c)

व्याख्या–हेन्स जे. मॉर्गेन्थाऊ यथार्थवादी विचारक है तथा यथार्थवादी दृष्टिकोण का आधार है मैकियावेली का यह कथन कि, ''मनुष्य शस्त्र, धन एवं रोटी युद्ध की शक्ति है, परन्तु इन चारों में प्रथम दो अत्यंत आवश्यक है। मानव स्वभाव इस प्रकार का है कि प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को नष्ट करने के लिए लगा रहता है और इसलिए उसे अपनी रक्षा की खातिर हर समय दूसरों को नष्ट करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

43. निम्नलिखित के सही कालानक्रम को पहचानिए:

(i) सोवियत यूनियन का टूटना (ii) नैम

(iii) नाटो (iv) इण्डियन ओसन रिम

(a) (ii) (iv) (i) (iii) (b) (iv) (iii) (i) (ii)

(c) (i) (iv) (iii) (ii) (d) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर (d)

व्याख्या–सही कालानुक्रम -

1. नाटो - 1949
2. नैम - 1961
3. सोबियत यूनियन का टूटना - 1991
4. इण्डियन ओसन रिम - 1997

यू॰ आर॰ घई, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत और व्यवहार

44. निम्नलिखित घटनाओं के सही कालानुक्रम को पहचानिए:

(i) कैंप डेविड (ii) माई-लाई जनसंहार

(iii) इराक द्वारा कुवैत पर हमला

(iv) सेण्ट पीटर्सबर्ग में G-8 का शिखर सम्मेलन

(a) (iii) (iv) (ii) (i)

(b) (ii) (iii) (iv) (i)

(c) (ii) (i) (iii) (iv)

(d) (i) (iii) (iv) (ii)

उत्तर (c)

व्याख्या–घटनाओं का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार से है-

1. माई-लाई जनसंहार - 1968 (वियतनाम)
2. कैंप डेविड - 1978
3. सेण्ट पीटरंबर्ग में G-8 का शिखर सम्मेलन - 1985
4. इराक द्वारा कुवैत पर हमला - 1991

45. नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सूची-I को सूची-II से मिलान कीजिए।

सूची-I		**सूची-II**
(a)	भारत की विदेश नीति का निर्माता	(i) सुभाष चन्द्र बोस
(b)	रूस	(ii) चीन
(c)	पंचशील	(iii) पुतिन
(d)	आजाद हिन्द फौज	(iv) जवाहरलाल नेहरू

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	ib	iii	ii	i
(d)	iii	ii	iv	i

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I		**सूची-II**
(a)	भारत की विदेश नीति का निर्माता	(i) जवाहरलाल नेहरू
(b)	रूस	(ii) पुतिन
(c)	पंचशील	(iii) चीन
(d)	आजाद हिन्द फौज	(iv) सुभाष चन्द्र बोस

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

डॉ॰ एस॰ के पाण्डे, आधुनिक भारत

निर्देश- निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके आधार पर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

समीक्षात्मक (Critical) सिद्धांतवादियों की समाज के वैकल्पिक 'मॉडल' (प्रारूप) प्रस्तुत करने की असमर्थता के प्रति यह अधीरता जो वर्तमान प्रारूप (मॉडल)के विश्लेषण की वैकल्पिक विधि से भिन्न है, इसमें आंशिक रूप से समीक्षावादी (Critical) दार्शनिकों तथा 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध के राजनैतिक सिद्धांतकारों के विरुद्ध आलोचना की गई है जो अक्सर कटु है। लेकिन इसका दूसरा कारण अप्रामाणिकता एवं पाखण्ड की उत्तरोत्तर बढ़ती भावना भी है जो समीक्षात्मक उपागम (Critical approach) से आवृत्त लगती है।

उदाहरणार्थ रूसो वाल्तायर के दुहरे मापदण्ड से खिन्न था जिसके कारण उसे रूस के राजा का दास बनना पड़ा और फिर भी वह निरंकुशतावादी शासकों पर तीखे आघात करता रहा। तथाकथित नव दार्शनिक जो 1970 के दशक में प्रकट हुए विशेष रूप से फ्रांस में, उत्तरोत्तर यह अनुभव करते रहे कि नवमार्क्सवादी सिद्धांतो के अधीन विरलीकृत अतिपरिष्कृत और पश्चिमी समाज की जटिल समीक्षा ने पूर्वी यूरोप के एकतंत्रवादी कम्युनिस्ट सरकारों के अस्वीकार्य व्यवहार को ढँकने के लिए धूमपट (Smokescreen) का काम किया है। नवदार्शनिकों का काम एक बार इनकी पोल खोलना है, लेकिन सामान्य ज्ञान के नाम पर इसी तर्ज पर लिखे गए शीर्षक से बारबेरी 'द ह्यूमन फेस' नाम से रचना की है।

'क्रिटीक ऑफ क्रिटिक्स' के अधिकांश भाग का एक भावनात्मक आधार है और समीक्षात्मक विश्लेषण अपने आप में, जिसकी शुरुआत मार्क्स से होती है। इसका भावनात्मक आधार था और अभी है। उदाहरणार्थ पूँजीवादी अस्वीकार्य था इसका कारण यह था कि इसने नवमार्क्सवादियों के अनुसार मानवजाति पर कई कष्ट थोपे थे और अभी भी थोप रहा है। मार्क्सवाद विरोधी आलोचक भी भावनात्मक दृष्टिकोण से आरंभ करते हैं कि मार्क्सवाद के आवरण में मानवजाति के एक भाग को एक सर्वसत्तावादी साँचे में ढाल दिया गया है और क्रमश: मानवता के बड़े भाग को इसी में ढाला जा रहा है।

अत: मार्क्सवाद के आलोचक उसी तर्क पर लिखते हैं और पुराने राजनैतिक सिद्धांतकारों का अनुकरण करते हैं। आज का विश्व कई अर्थों में हॉब्स की बताई दुनिया जैसा है जिसका इस अंग्रेज लेखक में सत्रहवीं शताब्दी में वर्णन किया था। तानाशाह के अत्याचारों को कलंकित किया जाना चाहिए और उसके विकल्प विकसित किए जाने चाहिए तथा मानवजाति को प्रदान किए जाने चाहिए वर्ना क्रूर (तानाशाह) का आधिपत्य निश्चित है।

राजनैतिक सिद्धांत का जन्म उस समय की खराब स्थितियों के प्रति विरक्ति के कारण तथा यह जानने की इच्छा से हुआ कि, हो क्या रहा है। इस मानवीय दुर्दशा से बाहर निकलने की रूपरेखा प्लेटो, हॉब्स, लॉक और रूसो बना चुके थे। राजनीतिक सिद्धांत को इस प्रकाय को नियमित पूरा करना चाहिए, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करेगा तो मनुष्य फिर बर्बर अवस्था में चला जाएगा।

46. लेखक का सम्बन्ध मूलत: .....की आलोचना से है।

(a) समीक्षात्मक सिद्धांतवादी
(b) पारम्परिक सिद्धांतवादी
(c) पश्चिमी दार्शनिक
(d) राजनैतिक सिद्धांतों के बीच रिक्तियां

उत्तर (a)

व्याख्या—लेखक का संबंध मूलतः समीक्षात्मक सिद्धांतवादी की आलोचना से है। समीक्षात्मक सिद्धांतवादियों की समाज के वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की असमर्थता के प्रति यह अधीनता जो वर्तमान प्रारूप के विश्लेषण की वैकल्पिक विधि से भिन्न है।

47. लेखक वाल्टेयर में दोष निकालता है क्योंकि -

(a) प्रजातंत्र पर उसके आक्षेपों के कारण
(b) उसकी प्रूशिया के राजतंत्र की आलोचना के कारण
(c) उसकी निरंकुशवाद की आलोचना तथा प्रशियन राज्य व्यवस्था के प्रति समर्थन
(d) मानव स्वतंत्रता के प्रति उसके विचार

उत्तर (c)

व्याख्या—लेखक वाल्टेयर में दोष निकालता है, क्योंकि उसकी निरंकुशवाद की आलोचना तथा युशियन राज्य व्यवस्था के प्रति समर्थन रूसो वाल्टेयर के दुहरे मापदण्ड से खिन्न था, जिसके कारण उसे रूस के राजा का दास बनना पड़ा और फिर भी वह निरंकुशतावादी शासकों पर तीखे आघात करता रहा।

48. नव-दार्शनिक 'स्मोकस्क्रीन' (धूम्रपट).....के लिए कहते हैं।

(a) समाजवादियों के विचारों के विश्लेषण के लिए
(b) तानाशाही शासकों की पोल खोलने के लिए
(c) पश्चिमी पूँजीवादी व्यवस्था के समर्थन के लिए
(d) पूर्व के निरंकुशतावादी शासनतंत्रों के व्यवहार के ढँकने के लिए

उत्तर (b)

व्याख्या—नव दार्शनिक स्मोकस्क्रीन तानाशाही शासकों की पोल खोलने के लिए कहते है। नवदार्शनिकों का काम इनकी पोल खोलना है, लेकिन सामान्य ज्ञान के नाम पर इसी तर्ज पर लिखे गये शीर्षक से बारबेरी ने 'द ह्यूमन फेस' नाम से रचना की है।

49. लेखक के अनुसार समकालीन विश्व .....है।

(a) मूलत: प्रजातांत्रिक
(b) लोगों की यातनाओं से पूर्ण
(c) अधिकतर एकदलतंत्री (Totalitarian)
(d) मानवाधिकारों के हनन से पूर्ण

उत्तर (d)

व्याख्या—लेखक के अनुसार समकालीन विश्व मानवाधिकारों के हनन से पूर्ण है। तानाशाह के अत्याचारों को कलंकित किया जाना चाहिए और उसके विकल्प विकसित किए जाने चाहिए तथा मानव जाति को प्रदान किए जाने चाहिए वरना क्रूर का आधिपत्य निश्चित है।

50. राजनैतिक सिद्धांत का मुख्य उददेश्य है-

(a) तमाम घोटालों से बचे रहना
(b) पूँजीवादी समाज की आलोचना करना
(c) सर्वाधिकारी राज्यों की पोल खोलना
(d) मनुष्यों को उनकी कठिन परिस्थितियों में सहायता करना।

उत्तर (c)

व्याख्या—राजनैतिक सिद्धांत का मूल उद्देश्य सर्वाधिकारी राज्यों की पोल खोलना है। राजनैतिक सिद्धांत का जन्म उस समय की खराब स्थितियों के प्रति विरक्ति के कारण तथा यह जानने कि इच्छा से हुआ कि, हो क्या रहा है।

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2008

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाभारत का कौन-सा भाग शासन के सिद्धांत से सम्बन्धित है?

(a) आदि पर्व (b) सभा पर्व
(c) युद्ध पर्व (d) शांति पर्व

उत्तर (d)

व्याख्या–महाभारत के शान्तिपर्व में दण्डनीति, राजधर्म, शासन पद्धति, मन्त्रिपरिषद और कर व्यवस्था के बारे में अनेक महत्वपूर्ण विचार मिलते हैं। प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था और राजनीतिक विचारों के अध्ययन का महाभारत एक महत्वपूर्ण स्रोत है। शान्तिपर्व में राजा के कर्तव्यों एवं शासन व्यवस्था के विभिन्न अंगों का वर्णन किया गया है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

2. अरस्तु अपने किस विचार के कारण 'राजनैतिक विज्ञान के पिता' कहलाते हैं?

(a) क्रान्ति (b) दास प्रथा
(c) वर्गीकरण (d) नागरिकता

उत्तर (c)

व्याख्या–अरस्तू को निम्नलिखित कारणों के आधार पर राजनीति विज्ञान का जनक कहा जाता है-
1. आगमनात्मक विधि का अनुसरण
2. राजनीतिशास्त्र को नीतिशास्त्र से पृथक करना।
3. यथार्थवादी विचारक
4. संविधानों का वैज्ञानिक वर्गीकरण

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

3. किसने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया कि राजनैतिक शासक को गैर-नैतिक (Amoral) होना चाहिए?

(a) मैकियावली (b) हॉब्स
(c) लॉक (d) रूसो

उत्तर (a)

व्याख्या–मैकियावेली के अनुसार राजा को साम, दाम, दण्ड तथा भेद चारों उपायों का आवश्यकतानुसार प्रयोग करना चाहिए। उसमें शेर एवं लोमड़ी दोनों के गुण होने चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर क्रूरता का प्रदर्शन करने से भी नहीं हिचकिचाना चाहिए।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

4. राजनैतिक दायित्व का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?

(a) जे.एस. मिल (b) हीगल
(c) मार्क्स (d) टी.एच. ग्रीन

उत्तर (d)

व्याख्या–राजनैतिक दायित्व का सिद्धांत ग्रीन के द्वारा प्रतिपादित किया गया। ग्रीन के बारे में कहा जाता है कि यह केवल दार्शनिकों का राजा ही नही था, बल्कि राजाओं का दार्शनिक था। वह एक दार्शनिक होने के साथ-साथ महान विद्वान भी था। इनकी पुस्तक 'Lectures on the principles of political obligation 1879'.

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

5. 'प्रभुत्व' की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

(a) लेनिन (b) माओ
(c) ग्राम्सी (d) मार्क्स

उत्तर (c)

व्याख्या–ग्राम्सी ने प्राधान्य सिद्धांत का प्रतिपादन किया। प्राधान्य सिद्धांत के अनुसार आधुनिक बुर्जुआ समाज की दृढ़ता का मुख्य स्रोत शासक वर्गों का प्राधान्य है जो उनकी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सर्वोच्चता में परिलक्षित होता है। इनकी पुस्तक 'Prisenor notebook 1929'.

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

6. सिद्धान्तों का प्रतिपादन करने के लिए 'सामाजिक संविदा सिद्धांत' का इस्तेमाल किसने किया?

(i) मार्क्स (ii) रॉल्स
(iii) लेनिन (iv) नॉजिक
(a) (i) और (ii) सही है (b) (ii) और (iv) सही है
(c) (i) और (iii) सही है (d) (iii) और (iv) सही है

उत्तर (b)

व्याख्या–रॉल्स ने न्याय के नियमों का पता लगाने के लिए अनुबंधमूलक समाजदर्शन का सहारा लिया है। रॉल्स के न्याय सम्बन्धी विचार दो मान्यताओं पर आधारित हैं-प्रत्येक व्यक्ति को समान मूलभूत स्वतन्त्रता की व्यापक व्यवस्था की प्राप्ति का समान अधिकार है तथा सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को इस तरह से व्यवस्थित किया जाये कि हीनतम स्थिति में रहने वालों को सबसे ज्यादा लाभ मिले।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

नीचे दो कथन दिए गए है, एक को अभिकथन (A) का और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया है।

7. **अभिकथन (A) :** जन साधारण और राज्य एक ही हैसियत के हैं।

कारण (R): जन साधारण राज्य का सृजन करते हैं।

उपरोक्त दो कथनों के सन्दर्भ में, निम्न में से कौन-सा कथन सही है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)

व्याख्या–जनसाधारण एवं राज्य एक ही हैसियत के है। जन-साधारण राज्य का सृजन करते हैं। जनसाधारण से तात्पर्य आम लोगों या जनता के समूह से है। इन आम लोगों से मिलकर परिवार का सृजन, परिवार से मिलकर ग्राम का सृजन तथा ग्राम से मिलकर राज्य का सृजन होता है।

8. **अभिकथन (A) :** यदि राजनैतिक समाजीकरण की प्रक्रिया समजातीय है तो राजनैतिक व्यवस्था को समाज का निरंतर समर्थन मिलता रहता है।

कारण (R): व्यक्ति एक दूसरे के साथ सहयोग करते हैं और राजनैतिक संस्कृति में विश्वास का वातावरण होता है।

उत्तर (b)

व्याख्या–समाजीकरण उस शिक्षण प्रक्रिया की ओर निर्देश करता है जिसके द्वारा सुसंचालित राजनीतिक व्यवस्था के लिए स्वीकार्य मानक और व्यवहारों को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक सम्प्रेषित किया जाता है। यह उस समय आरम्भ होता है जब एक बच्चा पर्यावरण में प्रवेश करता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

9. **अभिकथन (A) :** मौलिक अधिकारों का उद्देश्य समतावादी समाज सृजित करना है।

कारण (R) : व्यक्तियों में दूसरों पर आधिपत्य रखने की अंतर्जात प्रवृत्ति होती है

उत्तर (b)

व्याख्या– मौलिक अधिकार व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक है। और एक समतावादी समाज में ही व्यक्ति अपने अधिकारों का उपयोग कर सकता है। व्यक्तियों में दूसरों पर आधिपत्य रखने की प्रवृत्ति अंतर्जात होती है इसीलिए संविधान में मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लेख है ताकि कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों का अतिक्रमण न करे।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

10. **जिस क्रम में राजनैतिक विचारकों ने अपने सिद्धांतों का प्रतिपादन किया, वो सही क्रम बताएँ-**

(a) मैकियावली, हॉब्स, रूसो, मिल

(b) मैकियावली, रूसो, हॉब्स, मिल

(c) हॉब्स, मैकियावली, रूसो, मिल

(d) हॉब्स, रूसो, मिल, मैकियावली

उत्तर (a)

व्याख्या–राजनैतिक विचारकों के सिद्धांतों का सही क्रम निम्नलिखित है-

1. मैकियावेली - 16वीं शताब्दी के प्रारम्भ में।
2. हॉब्स - 17वीं शताब्दी के मध्य में।
3. रूसो - 18वीं शताब्दी के मध्य में ।
4. मिल - 19वीं शताब्दी के मध्य में।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

11. **सूची I तथा सूची - II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-**

	सूची-I	**सूची-II**
(a)	उग्र मानवतावाद	(i) नॉजिक
(b)	राजनैतिक सिद्धांत की मृत्यु	(ii) लासलेट
(c)	राजनैतिक सिद्धांत का ह्रास	(iii) एम.एन. राय
(d)	अधिकारिता सिद्धांत	(iv) ईस्टन

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	i	iii	ii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iii	ii	i	iv

उत्तर (a)

व्याख्या–सूची-I	**सूची-II**
(a) उग्र मानवतावाद	(i) एम.एन. राय
(b) राजनैतिक सिद्धांत की मृत्यु	(ii) लासलेट
(c) राजनैतिक सिद्धांत का ह्रास	(iii) ईस्टन
(d) अधिकारिता सिद्धांत	(iv) नॉजिक

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

12. **सूची-I तथा सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-**

	सूची-I	**सूची-II**
(a)	जाति उन्मूलन	(i) गाँधी
(b)	चतुर तर्क	(ii) अरविन्द
(c)	मानवीय चक्र	(iii) अम्बेडकर
(d)	हिन्द स्वराज	(iv) हीगल

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (a)

व्याख्या–सूची-I	**सूची-I**
(a) जाति उन्मूलन	(i) अम्बेडकर
(b) चतुर तर्क	(ii) हीगल
(c) मानवीय चक्र	(iii) अरविन्द
(d) हिन्द स्वराज	(iv) गाँधी

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

नीचे दो उक्तियाँ दी गई है, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है :
कूट:

13. **अभिकथन (A) :** अभिजन सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि हर समाज में व्यापक रूप से दो श्रेणियाँ होती है:
(i) थोड़े से विशिष्टजन और विशाल जन साधारण
कारण (R) : अभिजन सिद्धांत पहली बार प्रजातंत्र और समाजवाद की आलोचना के रूप में प्रारम्भ हुआ।
नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें:
(a) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नही है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) सत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
उत्तर (b)

व्याख्या–अभिजन पर विचार करते हुए विचारक अभिजनों को एक ऐसा संगठित अल्पसंख्यक शासक वर्ग मानते हैं, जो असंगठित प्रजा वर्ग पर अपनी प्रभुता शक्ति का प्रयोग करता है। प्रजातांत्रिक राजनीतिक विचार व्यक्तियों की मूलभूत समानता के सिद्धांत में ि- वश्वास करता है, लेकिन अभिजन वर्ग की अवधारणा व्यक्तियों की असमानता पर आधारित है।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

14. **डेविड ईस्टन के अनुसार, निम्न में से कौन-सी, राजनैतिक व्यवस्था में नियामक कार्यविधियाँ होती हैं?**
(A) सामाजिक-सांस्कृतिक मानदण्ड
(B) सम्प्रेषण मार्ग
(C) निस्सारक क्षमताएँ
(D) वितरणात्मक क्षमताएँ
नीचे दिये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करें–
(a) (ii), (iii) और (iv) (b) (i) और (ii)
(c) (iii) और (iv) (d) (i), (iii) और (iv)
उत्तर (a)

व्याख्या–समाज स्वयं एक व्यवस्था है, जिसका निर्माण राजनीतिक व्यवस्था के अतिरिक्त अन्य व्यवस्थाओं, जैसे आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक और जैविक व्यवस्थाओं से होता है।
• डेविड ईस्टन के अनुसार राजनैतिक व्यवस्था में नियामक कार्यविधियाँ
1. सम्प्रेषण मार्ग 2. निस्सारक क्षमताएँ 3. वितरणात्मक क्षमताएँ।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

15. **निम्नलिखित में से किसने राजनैतिक व्यवस्थाओं को राजनैतिक प्रजातंत्र, परिरक्षक प्रजातंत्र, आधुनिकी अल्पतंत्र, सर्वसत्तात्मक अल्पतंत्र और पारम्परिक अल्पतंत्र में वर्गीकृत किया है?**
(a) एडवर्ड शिल्ज (b) लूसियन पाई
(c) ए.एफ के. आर्गेस्की (d) डेविड एप्टर
उत्तर (a)

व्याख्या–एडवर्ड शिल्ज ने राजनैतिक व्यवस्थाओं को राजनैतिक प्रजातंत्र, परिरक्षक प्रजातंत्र, आधुनिकी अल्पतंत्र, सर्वसत्तात्मक अल्पतंत्र और पारम्परिक अल्पतंत्र में वर्गीकृत किया है। तुलनात्मक राजनीति के ग्रन्थों में राजनीतिक व्यवस्था शब्द का प्रयोग दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक व्यवस्था की संकल्पना राज्य और सरकार से सम्बन्धित है।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

16. **निम्न की संघीय व्यवस्था अवशिष्ट शक्तिया राज्यों में निहित हैं-**
(i) अमेरिका (ii) भारत
(iii) स्विट्जरलैण्ड (iv) कनाडा
नीचे दिये गये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करे।
कूट:
(a) (i) और (ii) सही है (b) (ii) और (iii) सही है
(c) (iii) और (iv) सही है (d) (i) और (iii) सही है
उत्तर (d)

व्याख्या–अमेरिका और स्विट्जरलैण्ड की संघीय व्यवस्था में अवशिष्ट शक्तियाँ राज्यों में निहित है। अमरीका की राष्ट्रीय व्यवस्थापिका ब्रिटिश संसद से भिन्न है। अमेरिका में कांग्रेस की शक्तियों की प्रथम सीमा उसकी संघात्मक व्यवस्था के कारण है। संविधान के द्वारा केन्द्रीय सरकार और इकाईयों की सरकारों में शक्ति विभाजन किया गया है।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

17. **निम्न में से किसका विधि के शासन से घनिष्ठ सम्बन्ध है?**
(a) लिखित संविधान (b) न्यायिक सर्वोच्चता
(c) शक्तियों का पृथक्करण (d) सीमित सरकार
उत्तर (d)

व्याख्या–विधि के शासन के तीन अर्थ हैं-
1. कोई भी व्यक्ति कानून से परे नहीं है।
2. बिना अपराध के दण्डित नहीं किया जाना।
3. संविधान के सामान्य सिद्धांत न्यायिक निर्णयों के परिणाम है।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

18. **निम्नलिखित में से कौन-सी राजनैतिक पार्टी विश्व की समाजवादी पार्टियों (दलों) का अगुआ बताई गई है?**
(a) इंडियन नेशनल कांग्रेस
(b) अमेरिका की डेमोक्रेटिक पाटी
(c) ब्रिटिश लेबर पार्टी
(d) फ्रांस की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी
उत्तर (c)

व्याख्या–ब्रिटिश लेबर पार्टी को विश्व की समाजवादी पार्टियों का अगुआ बताया गया है। ब्रिटेन में संसदीय शासन व्यवस्था है और संसदीय प्रणाली की यह विशेषता होती है कि इसमें कार्यपालिका के दो प्रधान होते हैं - औपचारिक प्रधान और वास्तविक प्रधान।
डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

19. **सूची I तथा सूची - II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-**

सूची-I	सूची-II
(a) आलमण्ड	(i) समाज के लिए मूल्यों का आधिकारिक प्रत्यावर्तन
(b) ईस्टन	(ii) राजनैतिक व्यवस्था की क्षमताएँ

(c) लुसियन पाई (iii) संस्थाओं का पतन और विघटन तथा विकास
(d) हंटिग्टन (iv) समानता, क्षमता और विशिष्टीकरण

कोड-

	a	b	c	d
(a)	ii	i	iv	iii
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	iii	i	iv	ii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) आलमण्ड	(i) राजनीतिक व्यवस्था की क्षमताएँ
(b) ईस्टन	(ii) समाज के लिए मूल्यों का अधिकारिक प्रत्यावर्तन
(c) लुसियन पाई	(iii) समानता, क्षमता और विशिष्टीकरण
(d) हंटिग्टन	(iv) संस्थाओं का पतन और विघटन तथा विकास

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनैतिक विज्ञान

20. सूची I तथा सूची - II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-

सूची-I	सूची-II
(a) फ्रांस	(i) न्यायिक समीक्षा
(b) यू.के.	(ii) विधि द्वारा स्थापित क्रियाविधि
(c) यू.एस.ए.	(iii) दो प्रकार के न्यायालय
(d) भारत	(iv) सर्वसत्ताधारी संसद

कूटः

	a	b	c	d
(a)	iii	iv	i	ii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) फ्रांस	(i) दो प्रकार के न्यायालय
(b) यू.के.	(ii) सर्वसत्ताधारी संसद
(c) यू.एस.ए.	(iii) न्यायिक समीक्षा
(d) भारत	(iv) विधि द्वारा स्थापित क्रियाविधि

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनैतिक विज्ञान

21. दिये गये कोड की सहायता से निम्नलिखित संकल्पनाओं का क्रम बताइए कि कार्ल ड्यूश द्वारा प्रयुक्त संकल्पनात्मक ढाँचे में उसने इनका किस प्रकार प्रयोग किया है?

(i) उग्रगामिता (Lead)
(ii) भार (Load)
(iii) पीछे रहना (Lag)
(iv) प्रत्युत्पन्नता (Gain)

कूटः

(a) (ii), (iii), (iv) (i) (b) (i), (iv), (ii) (iii)
(c) (ii), (i), (iii) (iv) (d) (i), (ii), (iii) (iv)

उत्तर (a)

व्याख्या– कार्ल ड्यूश द्वारा प्रयुक्त संकल्पनात्मक ढाँचे में संकल्पनाओं का सही क्रम निम्नलिखित है-

(i) भार (Load)
(ii) पीछे रहना (Lag)
(iii) प्रत्युत्पन्नता (Gain)
(iv) उग्रगामिता (Lead)

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनैतिक विज्ञान

निर्देश-दिये गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

इन दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है।

22. अभिकथन (A) : जनहित याचिका कानूनी सहायता आंदोलन का रणनीतिक हथियार है।

कारण (R): जनहित याचिका कमजोर के दरवाजे तक न्याय लाने के लिए है।

उत्तर (a)

व्याख्या–जनहित अभियोग के आधार पर न्यायालय ऐसे सभी मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है, जिनमें राज्य के कार्यों से ऐसे निर्धन और असहाय व्यक्ति पीड़ित हुए हैं, जो स्वयं न्यायालय की शरण लेने में असमर्थ हैं।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

23. 'इगनिटिंग माइंड्स' का लेखक कौन है?

(a) जे.एन. दीक्षित (b) जोगिन्दर सिंह
(c) विपिन चन्द्रा (d) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

उत्तर (d)

व्याख्या–'Ignited minds' के लेखक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हैं जिसका प्रकाशन 2002 में किया गया। इसका पूरा शीर्षक 'Ignited minds unleashing the power within India' है।

24. संविधान का 93वां संशोधन निम्न से सम्बन्धित है।

(a) पंचायती राज संस्थाएँ
(b) विधान मण्डलों में स्त्रियों के आरक्षण
(c) शैक्षिक संस्थाओं में ओ.बी.सी. का आरक्षण
(d) मौलिक कर्तव्य

उत्तर (c)

व्याख्या–संविधान का 93वाँ संशोधन 2005 राज्यों को समाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण करने हेतु विशेष उपबंध बनाने की शक्ति प्रदान करता है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

25. भारत का प्रथम दलित राष्ट्रपति कौन था?

(a) ज्ञानी जैल सिंह (b) ए.पी.जे. अब्दुलकलाम
(c) के. आर. नारायण (d) फखरुद्दीन अली अहमद

उत्तर (c)

व्याख्या–भारत के प्रथम दलित राष्ट्रपति के॰ आर॰ नारायण है। भारत में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है जहाँ पर दो प्रमुख होते हैं। राष्ट्रपति नाममात्र का किन्तु कार्यपालिका का मुखिया होता है तथा प्रधानमंत्री कार्यपालिका का वास्तविक प्रमुख होता है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

26. निम्न क्षेत्रीय राजनैतिक दलों में से कौन-सा यू.एन.पी.ए. (UNPA) में उसकी स्थापना के समय शामिल नहीं हुआ?

(a) ए. आई. ए. डी. एम. के. (b) शिरोमणि अकाली दल
(c) तेलगू देशम (d) समाजवादी पार्टी

उत्तर (c)

व्याख्या– UPA में उसकी स्थापना के समय तेलुगु देशम शामिल नहीं हुआ। UPA सरकार का निर्माण विभिन्न दलों की आपस में सहमति के आधार पर हुआ था, इसलिए यह गठबंधन सरकार थी, जिसमें काँग्रेस द्रमुक इत्यादि दल शामिल थे।

Note–तेलगू देशम NDA से सम्बन्धित थी परन्तु यह 2018 में उससे अलग हो गयी।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रधानमंत्री लोकसभा का सदस्य नहीं था?

(a) पंडित जवाहर लाल नेहरू (b) लाल बहादुर शास्त्री
(c) पी.वी. नरसिम्हा राव (d) एच. डी. देवगौड़ा

उत्तर (d)

व्याख्या– एच॰ डी॰ देवगौड़ा प्रधानमंत्री बनने के समय लोकसभा के सदस्य नहीं थे।

Note–एच.डी. देवगौड़ा और नरसिम्हाराव बिना किसी सदन के सदस्य होते हुए भी प्रधानमंत्री हुये तथा बाद में देवगौड़ा ने राज्यसभा की सदस्यता ली तथा नरसिम्हाराव ने लोकसभा का चुनाव जीता।

28. निम्नलिखित का सही कालक्रम बताइए। दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(i) सुभाष भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रूप में
(ii) कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन
(iii) गाँधी जी द्वारा सत्याग्रह सभा का गठन
(iv) साम्प्रदायिक पंचाट (अवार्ड)

(a) (iv), (ii), (iii) (i) (b) (iii), (iv), (ii) (i)
(c) (ii), (iii), (iv) (i) (d) (i), (iii), (ii) (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–सही कालक्रम निम्नलिखित है-

1. गाँधीजी द्वारा सत्याग्रह सभा का गठन– 1919
2. साम्प्रदायिक पंचाट अवार्ड- 1932
3. काँग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन - 1934
4. सुभाष भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अध्यक्ष के रूप में - 1938

डॉ॰ एस॰ के पाण्डे, आधुनिक भारत

29. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित का सही क्रम बताइए-

(i) ज्ञान आयोग
(ii) सरकारिया आयोग
(iii) राज्य पुनर्गठन आयोग
(iv) संविधान के संशोधन के लिए राष्ट्रीय आयोग

(a) (iv), (iii), (i) (ii)
(b) (iii), (ii), (iv) (i)
(c) (ii), (iii), (i) (iv)
(d) (i), (iii), (ii) (iv)

उत्तर (b)

व्याख्या–आयोग का सही क्रम निम्न प्रकार से है-

1. राज्य पुनर्गठन आयोग। - 1953
2. सरकारिया आयोग। - 1983
3. संविधान के संशोधन के लिए राष्ट्रीय आयोग। - 2000
4. ज्ञान आयोग - 2005

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

30. नीचे दिए संविधान के अनुच्छेदों के सन्दर्भ में सूची-I का सूची-II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-

	सूची-I		सूची-II
(a)	अनुच्छेद 148	(i)	भारत का निर्वाचन आयोग
(b)	अनुच्छेद 280	(ii)	भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(c)	अनुच्छेद 315	(iii)	वित्त आयोग
(d)	अनुच्छेद 324	(iv)	संघ लोक सेवा आयोग

कोड-

	a	b	c	d
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iii	iv	ii	i

उत्तर (a)

व्याख्या–

	सूची-I		सूची-II
(a)	अनुच्छेद 148	(i)	भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C.A.G)
(b)	अनुच्छेद 280	(ii)	वित्त आयोग
(c)	अनुच्छेद 315	(iii)	संघ लोक सेवा आयोग
(d)	अनुच्छेद 324	(iv)	भारत का निर्वाचन आयोग

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवथा

31. इनमे से कौन-सा जिलाधीश का प्रकार्य नहीं है?

(a) तकावी ऋणों की वसूली
(b) भूमि अभिलेख का अनुरक्षण
(c) न्याय पंचायतों के निर्णयों के विरुद्ध अपील की सुनवाई
(d) राजस्व की वसूली

उत्तर (c)

व्याख्या–जिलाधीश के प्रकार्य निम्न प्रकार से हैं-

1. तकावी ऋणों की वसूली।
2. भूमि अभिलेख का अनुरक्षण
3. राजस्व की वसूली

जिलाधीश जिला प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी होता है। इस पद पर रहते हुए उसे जिले की शान्ति एवं सुव्यवस्था के लिए कई दायित्वों का निर्वहन करना होता है।

32. किन राज्यों ने 1959 में सर्वप्रथम पंचायती राज को क्रियान्वित किया?

(a) राजस्थान और आन्ध्र प्रदेश
(b) राजस्थान और कर्नाटक
(c) आन्ध्र पेदश और गुजरात
(d) तमिलनाडु और राजस्थान

उत्तर (a)

व्याख्या–सन् 1959 में राजस्थान और आन्ध्रप्रदेश में सर्वप्रथम पंचायती राज को क्रियान्वित किया गया। 73वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इसके अन्तर्गत त्रि-स्तरीय पंचायती राज की व्यवस्था स्थापित की गई।

33. सूची-I तथा सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-

सूची-I		सूची-II
(a) प्राक्कलन समिति	(i)	विनियोजित लेखा की परीक्षा
(b) लोक लेखा समिति	(ii)	व्यय में किफायत के लिए सुझाव
(c) अधीनस्थ विधायन	(iii)	विधान मण्डल द्वारा पारित कानून के अन्तर्गत कार्यकारी विभागों द्वारा बनाए नियमों की परीक्षा
(d) सार्वजनिक उपक्रमों से सम्बन्धित समिति	(iv)	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्यकरण की समीक्षा

कोड-

	a	b	c	d
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iii	iv
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	iv	i	ii	iii

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I		सूची-II
(a) प्राक्कलन समिति	(i)	व्यय में किफायत के लिए सुझाव
(b) लोक लेखा समिति	(ii)	विनियोजित लेखा की परीक्षा
(c) अधीनस्थ विधायन	(iii)	विधान मण्डल द्वारा पारित कानून के अन्तर्गत कार्यकारी विभागों द्वारा बनाए नियमों की परीक्षा
(d) सार्वजनिक उपक्रमों से सम्बन्धित समिति	(iv)	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्यकरण की समीक्षा

एम० लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

34. नीचे कुछ प्रकार्य दिए गए हैं-

(i) समय-समय पर राष्ट्रीय योजना के पालन की समीक्षा करना
(ii) सामाजिक और आर्थिक नीति के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करना
(iii) राष्ट्रीय योजना में निर्धारित उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उपायों की सिफारिश करना।

उपर्युक्त प्रकार्य निम्न के द्वारा निष्पादन किये जाते हैं-

(a) योजना आयोग (b) मन्त्रि परिषद
(c) राष्ट्रीय विकास परिषद (d) वित्त आयोग

उत्तर (c)

व्याख्या– राष्ट्रीय विकास परिषद के द्वारा निष्पादित किए जाने वाले प्रकार्य-

1. समय-समय पर राष्ट्रीय योजना की पालना की समीक्षा करना।
2. सामाजिक और आर्थिक नीति के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करना।
3. राष्ट्रीय योजना में निर्धारित उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उपायों की सिफारिश करना।

एम० लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

35. 'नव सार्वजनिक लोक प्रशासन' का उद्गमन पहले-पहल किससे सम्बन्धित था?

(a) अमेरिकन सोसाइटी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
(b) तुलनात्मक प्रशासन गुट
(c) मिन्नोब्रुक सम्मेलन
(d) भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

उत्तर (c)

व्याख्या–'नव सार्वजनिक लोक प्रशासन' का उद्गम पहले पहल मिन्नोब्रुक सम्मेलन से था। 1968 के बाद लोक प्रशासन के अध्ययन को नवीन लोक प्रशासन ने समृद्ध किया।

डॉ० बी० एल० फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश-दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उपरोक्त दो कथनों के सन्दर्भों में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है।

36. अभिकथन (A) : लोक प्रशासन निजी प्रशासन की तुलना में ज्यादा विस्तृत है।

तर्क (R) : लोक प्रशासन निजी प्रशासन का नियमन करता है।

उत्तर (b)

व्याख्या–लोक प्रशासन निजी प्रशासन की तुलना में ज्यादा विस्तृत है। लोक प्रशासन निजी प्रशासन का नियमन करता है। लोकप्रशासन का अध्ययन एक पृथक विषय के रूप में सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रारम्भ हुआ। सन् 1887 में वुडरो विल्सन द्वारा 'प्रशासन के अध्ययन' पर एक निबन्ध लिखा गया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

37. अभिकथन (A) : पदोन्नति निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर करना चाहिए।

तर्क (R): योग्य लोक सेवकों की क्षमताओं और विशेषताओं को पहचानने की जरूरत है।

उत्तर (b)

व्याख्या– पदोन्नति हेतु योग्यता को मापदण्ड बनाना। इसका अभिप्राय यह है कि पदोन्नति की आकांक्षा रखने वाले सभी उम्मीदवारों की योग्यता का मूल्यांकन करते हुए इसके आधार पर उनकी पदवृद्धि करना। इसका उद्देश्य कार्यकुशल एवं परिश्रमी व्यक्तियों को पदोन्नति से पुरस्कृत करना और इस प्रकार अन्य कर्मचारियों को कार्यकुशलता के लिए प्रेरित करना और प्रोत्साहित करना।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

38. निम्नलिखित आवश्यकताओं के पदानुक्रम पर गौर करें-

1. सुरक्षा की आवश्यकताएँ
2. आदर की आवश्यकताएँ
3. सामाजिक आवश्यकताएँ
4. स्व प्रत्यक्षीकरण की आवश्यकताएँ
5. शारीरिक आवश्यकताएँ

मास्लो के अनुसार आवश्यकताओं का सही अनुक्रम है :

(a) 5, 1, 3, 2, 4 (b) 3, 4, 2, 5, 1
(c) 5, 4, 2, 1, 3 (d) 3, 2, 1, 5, 4

उत्तर (a)

व्याख्या–मास्लो के अनुसार आवश्यकताओं का पदानुक्रम निम्न प्रकार से है-

1. शारीरिक आवश्यकताएँ
2. सुरक्षा की आवश्यकताएँ
3. सामाजिक आवश्यकताएँ
4. आदर की आवश्यकताएँ
5. स्व-प्रत्यक्षीकरण की आवश्यकताएँ

39. निम्नलिखित प्रकार के प्रशिक्षण में से कौन-सा जन सेवा में भावी नव भर्ती के लिए व्यक्तियों को तैयार करता है?

(a) औपचारिक प्रशिक्षण (b) भर्ती-पूर्व का प्रशिक्षण
(c) अनौपचारिक प्रशिक्षण (d) उत्तर-भर्ती प्रशिक्षण

उत्तर (b)

व्याख्या–भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण में जन सेवा में भावी नव-भर्ती के लिए व्यक्तियों को तैयार किया जाता है। भर्ती का सीधा-साधा अर्थ है विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए उपर्युक्त प्रकार के व्यक्तियों को खोजना। सामान्यतः भर्ती शब्द नियुक्ति शब्द के समानार्थी रूप में ही प्रयुक्त किया जाता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

40. मैकाले ने निम्नलिखित प्रशिक्षणों में से किसका समर्थन किया?

(a) लिखित परीक्षण
(b) शिक्षा और अनुभव का मूल्यांकन
(c) निष्पादन का प्रदर्शन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (d)

व्याख्या– मैकाले ने उपर्युक्त प्रशिक्षणों में से किसी का भी समर्थन नहीं किया। लोक कर्मचारियों को उस कार्य को सम्पन्न करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है, जिसके लिए उनकी भर्ती की गयी हैं। उसे कार्य की विधि तथा प्रवीणता के संबंध में परिचय कराया जाना होता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

41. निम्नलिखित में कौन-सा राष्ट्रीय शक्ति का तत्व नहीं समझा जाता?

(a) नेतृत्व (b) राष्ट्रीय चरित्र
(c) राष्ट्रीय संसाधन (d) दल प्रणाली

उत्तर (d)

व्याख्या–राष्ट्रीय शक्ति के तत्व निम्नलिखित है-

1. नेतृत्व
2. राष्ट्रीय चरित्र
3. राष्ट्रीय संसाधन

यू॰ आर॰ घई, अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धांत और व्यवहार

42. निम्नलिखित में से कौन-सा देश हाल में सार्क का सदस्य बनाया गया है?

(a) भूटान (b) मालदीव
(c) अफगानिस्तान (d) नेपाल

उत्तर (c)

व्याख्या–अफगानिस्तान को 2008 में सार्क का सदस्य बनाया गया। सार्क का पूरा नाम 'साऊथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोआपरेशन' है। 7-8 दिसम्बर को दक्षिण एशिया के 7 देशों का सम्मेलन हुआ जिसमें सार्क की स्थापना हुई। इसमें शामिल थे-भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, श्रीलंका और नेपाल। 14वें सार्क शिखर सम्मेलन 2007 नई दिल्ली में अफगानिस्तान को सदस्यता प्रदान की गई।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

43. इनमें से कौन यूरोपियन यूनियन का हिस्सा नहीं है?

(a) यूरोपियन आयोग
(b) यूरोपियन प्रादेशिक आयोग
(c) यूरोपियन संसद
(d) यूरोपियन सेन्ट्रल बैंक

उत्तर (b)

व्याख्या–यूरोपियन यूनियन के सदस्य निम्नलिखित है-

1. यूरोपियन आयोग
2. यूरोपियन संसद
3. यूरोपियन सेन्ट्रल बैंक

44. 'अमेरिकन फोरन पॉलिसी-थ्री ऐसेस्' का लेखक है-

(a) कार्ल डब्ल्यू ड्यूश (b) एस. हॉफमैन
(c) हेनरी किसिंजर (d) वुडरो विलसन

उत्तर (c)

व्याख्या–'अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी-थ्री एसेस 1969' के लेखक हेनरी किसिंजर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति किसी भी विदेश नीति की भाँति वहाँ की जनता, ऐतिहासिक अनुभवों, भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक साधनों इत्यादि पर आधारित है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

45. 'अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा का संवर्धन' किसके संविधान में प्रतिष्ठापित किया गया है

(a) चीन जन गणतन्त्र (b) फ्रांस
(c) भारत (d) अमेरिका

उत्तर (c)

व्याख्या– 'अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा का संवर्द्धन' भारतीय संविधान के राज्य की नीति के निदेशक तत्व (अनु. 51) के अन्तर्गत शामिल है। राज्य की नीति के निदेशक तत्व राज्य को इस बात के लिए निर्देशित करते है कि वह जनकल्याण के लिए कानून बनाते समय इस सिद्धांत के आदर्शों को ध्यान में रखेगा।

निर्देश-दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए।

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

46. अभिकथन (A) : सोवियत यूनियन के पतन के बाद यू.एस.ए. एकमात्र महाशक्ति के रूप में उभरा है।
तर्क (R): भू-मण्डलीकरण, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की प्रवृत्ति के रूप में स्थिर है

उत्तर (b)

व्याख्या–भू-मण्डलीकरण शब्द आज अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में गुंजायमान है। यह शब्द व्यापार अवसरों की जीवन्तता एवं उसके विस्तार का घोतक है। 1991 को सोवियत संघ की सुप्रीम सोवियत ने अपने अन्तिम अधिवेशन में सोवियत संघ को समाप्त किए जाने का प्रस्ताव पारित किया।

47. अभिकथन (A) : विश्व की बदली हुई स्थिति में, गुट निरपेक्षता अपने पारम्परिक रूप में प्रासंगिक नहीं है।
तर्क (R) : भारत को उभरती आर्थिक शक्ति समझा जा सकता है।

उत्तर (b)

व्याख्या–फरवरी 1992 में गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों के विदेश मन्त्रियों की बैठक में मिस्त्र ने अपील की कि गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को समाप्त कर देना चाहिए, उसका तर्क था कि सोवियत संघ के विघटन, सोवियत गुट तथा शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता समाप्त हो गई है। NAM की स्थापना नेहरू, नासिर व टीटो द्वारा 1961 में बेलग्रेड में की गयी।

48. सूची-I तथा सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-

सूची-I	सूची-II
(a) हवाना में NAM शिखर सम्मेलन	(i) 1998
(b) आगरा शिखर सम्मेलन	(ii) 1999
(c) कारगिल संघर्ष	(iii) 2001
(d) परमाणु परीक्षण	(iv) 2006

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iv	ii	iii	i
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	iv	ii	i

उत्तर (c)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) हवाना में NAM शिखर सम्मेलन	(i) 2006
(b) आगरा शिखर सम्मेलन	(ii) 2001
(c) कारगिल संघर्ष	(iii) 1999
(d) परमाणु परीक्षण	(iv) 1998

49. सूची-I तथा सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें-

सूची-I	सूची-I
(a) भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौता	(i) 1999
(b) भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला	(ii) 2007
(c) बाजपेयी की बस कूट नीति	(iii) 2001
(d) SAARC की स्थापना	(iv) 1985

कोड-

	a	b	c	d
(a)	ii	iii	i	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	i	iv	iii	ii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौता	(i) 2007
(b) भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला	(ii) 2001
(c) बाजपेयी की बस कूट नीति	(iii) 1999
(d) SAARC की स्थापना	(iv) 1985

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

50. निम्नलिखित घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम बताइए-

(a) राष्ट्र संघ का निर्माण, विश्व युद्ध-1 बांग्लादेश का जन्म, यू.एस.एस.आर का विघटन
(b) विश्व युद्ध-1, बांग्लादेश का जन्म, यू.एस.एस.आर. का विघटन, राष्ट्र संघ का निर्माण
(c) विश्व युद्ध-1, राष्ट्र संघ का निर्माण, बांग्लादेश का जन्म, यू.एस.एस.आर. का विघटन
(d) यू.एस.एस.आर. का विघटन, विश्व युद्ध-1, राष्ट्र संघ का निर्माण, बांग्लादेश का जन्म

उत्तर (c)

व्याख्या–घटनाओं का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार से है-
i. विश्व युद्ध प्रथम - 1914
ii. संयुक्त राष्ट्र का निर्माण - 1945
iii. बांग्लादेश का जन्म - 1971
iv. यू॰ एस॰ एस॰ आर॰ का विघटन - 1991

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

यू. जी. सी. नेट (दिसम्बर) परीक्षा, 2008

राजनीति विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रथम व्यवस्थित भारतीय राजनीतिक सिद्धांत इसमें पाया जा सकता है-

(a) वेद (b) अर्थशास्त्र
(c) शुक्रनीतिसार (d) भगवद्गीता

उत्तर (b)

व्याख्या–कौटिल्य का अर्थशास्त्र (15 अधिकरण 150 अध्याय) मूलरूप से राजनीति का ग्रन्थ है। इसकी विषयवस्तु में जिन अन्य बातों को समाहित किया गया वे सभी राजनीति से सम्बद्ध होने के कारण इसमें स्थान पा सकी।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजीनींति विज्ञान

2. ''गुफा और परछाइयाँ'' का विचार किस से सम्बन्धित है?

(a) सुकरात (b) डेमोक्रेट्स
(c) प्लेटो (d) अरस्तू

उत्तर (c)

व्याख्या–प्लेटो ने ज्ञान सिद्धान्त की चर्चा की है। इसके अन्तर्गत उसने गुफा एवं परछाई की भी चर्चा की। गुफा एवं परछाइयाँ का विचार प्लेटो से सम्बन्धित हैं

एच॰एस॰ उपध्याय, पाश्चात्य दर्शन का उद्भव एवं विकास

3. किसने कहा कि कुछ मनुष्य सक्रिय बल द्वारा वश में होते हैं और कुछ अन्य विधि द्वारा?

(a) मार्क्स (b) लेनिन
(c) हीगल (d) मैकियावली

उत्तर (d)

व्याख्या–मैकियावेली प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक है। मैकियावेली ने प्रिंस को अपने उपदेश में, आवश्यकता पड़ने पर साम, दाम, दण्ड एवं भेद चारों अस्त्रों का इस्तेमाल करने का समर्थन किया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजीनीति विज्ञान

4. 'सुख-दुःख समाकलन' के विचार का प्रतिपादन किसने किया?

(a) मैकियावली (b) हॉब्स
(c) बेन्थम (d) मार्क्स

उत्तर (c)

व्याख्या–बेन्थम उपयोगितावाद में विश्वास करने वाला विद्वाान हैं बेन्थम के अनुसार प्रकृति ने मनुष्य को आनन्द एवं पीड़ा नामक दो सर्वोच्च प्रभुओं के शासन में रखा है। इनकी पुस्तक है 'An Introduction to the Principles of Morals and Legislation 1879'.

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजीनीति विज्ञान

5. अन्तर्विरोधी का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया?

(a) माओ (b) हॉब्स
(c) मिल (d) लॉक

उत्तर (a)

व्याख्या–माओ का अन्तर्विरोध का सिद्धांत साम्यवादी दर्शन की एक अनुपम देन है। अन्तर्विरोध के सिद्धांत के अनुसार समाज में अन्तर्विरोध बने रहते है। ये तुरन्त समाप्त नहीं होते है। इन्हें समाप्त करने के लिए निरन्तर क्रांति करनी पड़ेगी।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजीनीति विज्ञान

6. 'अल्पसंख्यक मत' की समस्या इनके द्वारा सुलझाई गई-

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) मार्क्स (d) रूसो

उत्तर (b)

व्याख्या–अल्पसंख्यक मत की समस्या लॉक ने सुलझाई। लॉक ने सामाजिक समझौते के आधार पर जिस राज्य की स्थापना की है और उसके द्वारा अपने ग्रन्थों में राज्य पर जो विचार व्यक्त किए गए है। उनके आधार पर यह कहा जा सकता है कि उसका राज्य सहमति पर आधारित था।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश- दिए गए कूट वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है।

7. अभिकथन (A) : नॉजिक स्वेच्छावादी था।
तर्क (R) : नॉजिक ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और यथोचित सम्पत्ति का समर्थन किया।

उत्तर (a)

व्याख्या–राबर्ट नॉजिक समकालीन अमरीकी दार्शनिक है, जिसने स्वेच्छातंत्रवाद के क्षेत्र में विशेष योगदान किया हैं। नॉजिक के अनुसार, सर्वप्रमुख मानव-अधिकार संपत्ति का अधिकार है।

ओ॰ पी॰ गावा, राजनीति चिंतन की रूपरेखा

8. सूची I तथा सूची - II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर दें-

सूची-I	सूची-II
(a) स्वेच्छावाद	(i) बेन्थम
(b) उपयोगितावाद	(ii) गाँधी
(c) सिविल सोसाइटी	(iii) नॉजिक
(d) स्वराज	(iv) हीगल

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iii	i	iv	ii
(b)	i	iii	ii	iv
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	iv	i	ii	iii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	सूची-II
(a) स्वेच्छावाद	(i) नॉजिक
(b) उपयोगितावाद	(ii) बेन्थम
(c) सिविल सोसाइटी	(iii) हीगल
(d) स्वराज	(iv) गाँधी

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

9. अभिजनों को 'सट्टेबाज' और 'भाड़ा-जीवी' किसने परिभाषित किया?

(a) परेटो (b) मोस्का
(c) माइकल्स (d) गैसेट

उत्तर (a)

व्याख्या–परेटो अभिजन सिद्धांत में विश्वास करता है। इस सिद्धांत के अनुसार शासन करने की क्षमता कुछ ही लोगों में होती है। परेटों ने अभिजनों को 'भाड़ा-जीव' एवं 'सट्टेबाज' के रूप में परिभाषित किया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश- दिए गए कूट वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए।

10. **अभिकथन (a) :** उत्तर व्यवहारवाद में आदर्शमूलक तत्व शामिल है।

तर्क (R) : ईस्टन ने राजनैतिक विश्लेषण में मूल्यों की प्रासंगिकता को स्वीकार किया है।

उत्तर (a)

व्याख्या–1960 के दशक में डेविड ईस्टन ने व्यवहारवाद पर प्रबल आक्रमण किया। उत्तर-व्यवहारवाद राजवैज्ञानिकों से मूल्य निरपेक्ष या तटस्थ भाव से अलग रहकर अध्यन कराने के बजाय स्वयं उनको समाज एवं राजव्यवस्था की रक्षार्थ आगे आने के लिए आह्वान करता है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजीनीति विज्ञान

11. निम्नलिखित घटनाओं के घटने का क्रम बताएँ-

(i) रशियन क्रान्ति
(ii) अमेरिकी क्रान्ति
(iii) फ्रांसीसी क्रान्ति
(iv) गौरवमय क्रान्ति

(a) (iv) (iii), (i) (ii)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (i) (iii) (ii) (iv)
(d) (i) (iv) (ii) (iii)

उत्तर (b)

व्याख्या–घटनाओं के घटने का क्रम निम्न प्रकार से है-
1. गौरवमयी क्रान्ति - 1688
2. अमेरिकी क्रान्ति - 1776
3. फ्रांसीसी क्रान्ति - 1789
4. रशियन क्रान्ति - 1917

एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰ विश्व का इतिहास

12. निम्नलिखित में किसने राजनैतिक विकास को सामाजिक-आर्थिक आधुनिकीकरण से स्वाधीन किया?

(a) गैब्रियल आलमण्ड (b) लुसियन पाई
(c) डब्ल्यू डब्ल्यू रोस्टौ (d) सेम्युल हटिंग्टन

उत्तर (d)

व्याख्या–हंटिंग्टन के अनुसार राजनीतिक विकास के तीन चरण हैं-
1. सत्ता की बुद्धिसंगतता का स्तर।
2. नये राजनीतिक कार्यों का विभिन्नीकरण और उनके लिए विशिष्ट संरचनाओं का विकास।
3. अभिवृद्धि सहभागिता जो परिसरीय सामाजिक समूहों के समाज के भागों को धीरे-धीरे केन्द्रीय सत्ता में सम्मिलित करने का स्तर है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

13. सम्प्रेषण सिद्धान्त में भावी परिणामों की भविष्य वाणी के जवाब में कार्य सम्पादन की योग्यता को कहते हैं-

(a) प्रत्युत्पन्नता (b) अग्रगामिता
(c) भार (d) पिछड़ाव

उत्तर (b)

व्याख्या–सम्प्रेषण सिद्धांत में अग्रता का अर्थ है कि अपनी प्रस्तावित कार्यवाही के भावी परिणामों का पहले से ही अनुमान लगाकर व्यवस्था इस ढंग से कायम करे कि वह निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

14. निम्नलिखित में से किसने मिथ्या दाब समूहो की बात की?

(a) डुवर्जर (b) जॉन ब्लॉण्डल
(c) आलमण्ड (d) जेम्स जूप

उत्तर (a)

व्याख्या–मॉरिस डुवर्जर ने पोलिटिकल पार्टीज नामक रचना में भावी परिणामों की भविष्यवाणी के जवाब की क्षमता को कार्य सम्पादन करने की योग्यता कहा है।

15. निम्नलिखित पुस्तकों में से कौन सी डेविड ईस्टन की कृति है?

(a) ए सिस्टम्स एनालिसिस ऑफ पॉलिटिकल लाइफ
(b) द पालिटिक्स ऑफ द डेवेलपिंग एरियाज
(c) मॉडन पॉलिटिकल एनालिसिस
(d) द नर्वस ऑफ गवर्नमेन्ट

उत्तर (a)

व्याख्या–डेविड ईस्टन ने 1953 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'The Political System' में सामान्य व्यवस्था सिद्धांत का विचार प्रस्तुत किया। डेविड ईस्टन की कृति का नाम है ' ए सिस्टम एनालिसिस ऑफ पॉलिटिकल लाइफ'।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

16. मैक्स वेबर के नौकरशाही के मॉडल के व्यवहारवादी आलोचक हैं-

(a) राबर्ट मर्टन (b) एम. क्रोजियर
(c) फ्रेड रिग्स (d) कार्ल ड्यूश

(a) i ii और iv
(b) ii iii और iv
(c) ii और iv
(d) i ii और iii

उत्तर (d)

व्याख्या–वेबर का नौकरशाही सिद्धांत उनके वैधानिक या कानूनी प्रभुत्व के सिद्धांत से संबंधित है। मैक्स वेबर के नौकरशाही मॉडल के व्यवहारवादी आलोचक निम्न है- रॉबर्ट मर्टन, एम. क्रोजियर तथा फ्रेड रिग्स है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

17. अभिकथन (a) : राजनैतिक समाजीकरण एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा राजनैतिक संस्कृतियाँ कायम रखी जाती हैं और बदली जाती है।

तर्क (R) : परिवार, स्कूल, सम-उम्र के समूह, रोजगार के दौरान अनुभव, जन माध्यम और राजनैतिक व्यवस्था के साथ प्रत्यक्ष सम्पर्क समाजीकरण की प्रक्रिया के मुख्य अभिकर्ता (एजेण्ट) है।

उत्तर (a)

व्याख्या– राजनीतिक समाजीकरण एक प्रक्रिया है, जिसमें राजनीतिक मूल्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थान्तरित होते हैं तथा राजनीतिक व्यवस्था को स्थायित्व प्रदान करते हैं। राजनीतिक समाजीकरण के मुख्यकर्ता हैं– 1. परिवार, 2. समाज 3. चर्च 4. स्कूल 5. विश्वविद्यालय 6. नागरिक समाज इत्यादि हैं।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

निर्देश-दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूटः

(a) (a) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (a) की सही व्याख्या है।
(b) (a) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (a) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (a) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (a) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

18. अभिकथन (a) : न्यायिक विवेचन की शक्ति का इस्तेमाल करने में भारत के सर्वोच्च न्यायालय की तुलना में यू.एस. सर्वोच्च न्यायालय ज्यादा शक्तिशाली है।

तर्क (R) : यू.एस. सर्वोच्च न्यायालय 'विधि की उचित प्रक्रिया' के सिद्धान्त का अनुपालन करता है।

उत्तर (a)

व्याख्या–अमरीका का सर्वोच्च न्यायालय वस्तुतः उस देश की काँग्रेस का तृतीय सदन है। यह न्यायिक कार्य के साथ-साथ विधि निर्माण का भी कार्य भी करता है। अमेरिका में कानून वह है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय बताता, वह कानून नहीं है, जिस कॉग्रेस पारित करती है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

19. सूची I तथा सूची - II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	ड्यूश	(i)	विकास फंदा
(b)	रिग्स	(ii)	आधुनिकीकरण- बहुमुखी प्रक्रिया
(c)	परेटो	(iii)	ग्रहीता या संग्रहण केन्द्र
(d)	हंटिगटन	(iv)	प्रजातंत्र को भ्रष्टाचार मशीनी राजनीति और गुण्डागर्दी के साथ अभिन्न समझना

कोड-

	a	b	c	d
(a)	iii	i	iv	ii
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	iv	ii	i	iii

उत्तर (a)

व्याख्या–

	सूची-I	**सूची-II**
(a)	ड्यूश	(i) ग्रहीता या संग्रहण केन्द्र
(b)	रिग्स	(ii) विकास फंदा
(c)	परेटो	(iii) प्रजातंत्र को भ्रष्टाचार मशीनी राजनीति और गुण्डागर्दी के साथ अभिन्न समझना
(d)	हंटिगटन	(iv) आधुनिकीकरण- बहुमुखी प्रक्रिया

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

20. अभिकथन (a) : आर्थिक विकास संकीर्ण बन्धनों के महत्व को गैर-संकीर्ण आर्थिक बाध्यता द्वारा कम कर देता है।

तर्क (R) : साम्प्रदायिक झगड़े ज्यादा से ज्यादा बढ़ गये हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या–आर्थिक विकास संकीर्ण बन्धनों के महत्व को गैर-संकीर्ण आर्थिक बाध्यता द्वारा खत्म कर देता है। आज साम्प्रदायिक झगड़े अत्यधिक बढ़ गये हैं। आर्थिक विकास होने पर समाज में व्याप्त तनाव में कमी आती है, क्योंकि सभी लोग खुशहाली का जीवन जी रहे होते है।

21. 'नौकरशाही' शब्द सर्वप्रथम किसके द्वारा प्रयोग किया गया था?

(a) मैक्स वेबर (b) कार्ल मार्क्स
(c) विंसेट डि गौरने (d) स्पेन्सर

उत्तर (c)

व्याख्या—विन्सेन्ट डी गोर्ने ने सर्वप्रथम नौकरशाही शब्द का प्रयोग किया। आधुनिक विचारकों में मैक्स वेबर सर्वप्रमुख समाजशास्त्री है जिनके नौकरशाही सम्बन्धी विचार महत्वपूर्ण माने जाते हैं। वेबर का नौकरशाही सिद्धांत उनके प्रभुत्व सिद्धांत का ही एक अंग है।
वेबर की पुस्तक 'The theory of Social and Economic Organisations' में नौकरशाही को पारम्परिक करिश्माई व कानूनी तार्किक में विभाजित किया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

22. निम्न में से कौन सा कथन ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था के बारे में सत्य है?

(a) महारानी हमेशा केबिनेट की सलाह पर कार्य करती है।
(b) केबिनेट सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत पर कार्य करती है।
(c) संसद किसी भी विषय पर कानून बना सकता है।
(d) न्यायालय कानून को असंवैधानिक उद्घोषित कर सकते हैं।

(a) i ii और iv
(b) ii iii और iv
(c) i ii और iii
(d) i iii और iv

उत्तर (c)

व्याख्या—ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित कथन सत्य है-
1. सम्राट सर्वोच्च सलाहकार के रूप में।
2. मन्त्रिमण्डलात्मक व्यवस्था के विकास के लिए इस अवधारणा को अपनाना जरूरी था कि मन्त्री अपनी नीति और कार्यों के लिए सम्राट के स्थान पर संसद के प्रति उत्तरदायी होने चाहिए।
3. सैद्धांतिक दृष्टि से कानून निर्माण के क्षेत्र में ब्रिटिश संसद को प्राप्त इस असीमित शक्ति को ही संसद की सम्प्रभुता कहा जाताहै।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

23. प्रति-पक्षत्याग कानून रखा गया है-

(a) प्राक्कथन में
(b) मौलिक अधिकारों के चैप्टर में
(c) संविधान की छठी अनुसूची में
(d) संविधान की 10वीं अनुसूची में

उत्तर (d)

व्याख्या—प्रति-पक्ष त्याग कानून संविधान की 10वीं अनुसूची में रखा गया है। संविधान की 10वीं अनुसूची दल-परिवर्तन कानून से संबंधित है। इसे 52वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 से जोड़ा गया।

24. उप-राष्ट्रपति के चुनाव में कौन वोट देता है?

(a) विधानसभा के सदस्य
(b) विधान परिषद के सदस्य
(c) संसद के निर्वाचित सदस्य
(d) संसद के मनोनीत और निर्वाचित सदस्य

उत्तर (d)

व्याख्या—उप-राष्ट्रपति के चुनाव में संसद के निर्वाचित एवं मनोनीत दोनों सदस्य शामिल होते है। किन्तु इसमें राज्य विधानसभाओं के सदस्य शामिल नहीं होते हैं।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

25. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द संविधान में समाविष्ट नहीं है?

(a) धर्म निरपेक्ष (b) संघीय
(c) प्रजातांन्त्रिक (d) समाजवादी

उत्तर (b)

व्याख्या—प्रस्तावना हमारे संविधान की कुंजी है। 42वं संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं अखंडता शब्द को सम्मिलित किया गया।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

26. भारत का सर्वोच्च न्यायालय :—

(a) का मूल परंतु अपील सम्बन्धी क्षेत्राधिकार नहीं है।
(b) भारत के महान्यायवादी को नियुक्त करता है।
(c) संघ और राज्यों के बीच विवादों के सम्बन्ध में एकमात्र क्षेत्राधिकार है।
(d) मौलिक अधिकारों को लागू करता है।

(a) i और ii
(b) iii और iv
(c) iii और ii
(d) iv और i

उत्तर (b)

व्याख्या—भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 में सर्वोच्च न्यायालय के बारे में प्रावधान है।
भारत का सर्वोच्च न्यायालय-
1. संघ और राज्यों के बीच विवादों के संबंध में एकमात्र क्षेत्राधिकार है।
2. मौलिक अधिकारों को लागू करता है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

27. किस प्रधनमंत्री के कार्यकाल के दौरान संविधान के पुनरार्वलोकन के लिए राष्ट्रीय आयोग बना था?

(a) मोरारजी देसाई
(b) वी.पी. सिंह
(c) अटल बिहारी वाजपेयी
(d) मनमोहन सिंह

उत्तर (c)

व्याख्या—संविधान के पुनरावलोकन के लिए राष्ट्रीय आयोग का गठन 2000 में हुआ। उस समय भारत के प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई थे। 11 सदस्यीय इस आयोग के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एम॰ एन॰ वैकटचलैया थे।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

निर्देश: दिए गए वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए।

(a) (a) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (a) की सही व्याख्या है।

(b) (a) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (a) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (a) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

(d) (a) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें।

28. अभिकथन (a) : नेहरू ने कहा था कि किसी के शासन की अधीनता स्वीकार करना मनुष्य और प्रभु के विरुद्ध अपराध है।

तर्क (R) : सब व्यक्ति एक समान नहीं जन्मे।

उत्तर (c)

व्याख्या–नेहरूजी ने कहा था कि किसी के शासन की अधीनता स्वीकार करना मनुष्य एवं प्रभु के विरूद्ध अपराध है। नेहरूजी ने आधुनिक भारत के एक सुलझे हुए राजमर्मज्ञ थे। एक लेखक के नाते उन्होंने इतिहासकार तथा राजनीतिक समीक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाई।

ओ॰ पी॰ गावा, राजनीतिक चिंतन की रूपरेखा

29. नीचे दिए कूट संकेतो का उपयोग करते हुए निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में रखें-

(i) केशवानंद भारती केस (ii) गोलकनाथ केस

(iii) मिनर्वामिल केस (iv) सज्जन सिंह केस

कूट संकेत :

(a)	iii	ii	iv	i
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iv	ii	i	iii
(d)	i	ii	iv	iii

उत्तर (c)

व्याख्या–निम्नलिखित का कालानुक्रमिक क्रम निम्न प्रकार से है-

1. सज्जन सिंह केस - 1964
2. गोलकनाथ केस - 1967
3. केशवानन्द भारती केस - 1973
4. मिनर्वा मिल्स केस - 1980

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

30. सूची I तथा सूची - II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट संकेतो से सही उत्तर का चयन करें।

सूची-I	**सूची-II**
(a) ऑल इण्डिया मुस्लिम लीग का उदभव	(i) 1914
(b) लखनऊ समझौता	(ii) 1906
(c) मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट	(iii) 1916
(d) कामागाटामारु घटना	(iv) 1928

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iv	iii	i	ii
(d)	i	iii	iv	ii

उत्तर (b)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) ऑल इण्डिया मुस्लिम लीग का उद्भव	(i) 1906
(b) लखनऊ समझौता	(ii) 1916
(c) मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट	(iii) 1928
(d) कामागाटामारु घटना	(iv) 1914

एस॰ के॰ पाण्डे, आधुनिक भारत

31. सूची I तथा सूची-II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट संकेतो से सही उत्तर का चयन करें:–

सूची-I (राज्य)	**सूची-II (14वीं लोकसभा सदस्यों की संख्या)**
(a) महाराष्ट्र	(i) 13
(b) पंजाब	(ii) 48
(c) गोवा	(iii) 1
(d) सिक्किम	(iv) 2

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	ii	i	iv	iii
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iii	ii	iv	i
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I (राज्य)	**सूची-II (14वीं लोकसभा सदस्यों की संख्या)**
(a) महाराष्ट्र	(i) 48
(b) पंजाब	(ii) 13
(c) गोवा	(iii) 2
(d) सिक्किम	(iv) 1

32. संसद में बजट पेश करते समय कौन सरकार का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) वित्त मंत्री

(c) लोकसभा का अध्यक्ष (d) राज्यसभा का सभापति

उत्तर (b)

व्याख्या–बजट आधुनिक राज्यों में राष्ट्र की आर्थिक नीति को संचालित और नियंत्रित करने का प्रमुख साधन है। आम बजट को वित्त मंत्री के द्वारा फरवरी माह के अंतिम कार्य दिवस को पेश किया जाता है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

33. भारत में किसकी सिफारिशों के आधार पर, 1996 में लोकपाल संस्था का सुझाव दिया गया था?

(a) प्रशासनिक सुधार आयोग

(b) योजना आयोग

(c) विधि आयोग

(d) वित्त आयोग

उत्तर (a)

व्याख्या–1967 में भारतीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओम्बड्समैन की स्थापना का प्रस्ताव पेश किया। ओम्बड्समैन का अर्थ है सार्वजनिक ड्यूटी पर तैनात एक अतिरिक्त सॉलिसिटर। सबसे पहले 1809 में स्वीडन में इस व्यवस्था को लागू किया गया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

34. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निम्न में से कौन-सा कृत्य सम्पन्न किया जाता है?

(a) बजट को प्रस्तुत और पारित करना
(b) बजट की क्रियान्विति
(c) राष्ट्रीय लेखाकरण
(d) लेखा परीक्षण

उत्तर (d)

व्याख्या–नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अनुच्छेद 148 के तहत संवैधानिक पद है तथा इसकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक लोक वित्त का संरक्षक होने के साथ-साथ देश की सम्पूर्ण वित्तीय व्यवस्था का नियंत्रक होता है।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

35. भारत के राष्ट्रपति की परिलब्धियाँ व भत्ते लिये जाते हैं-

(1) भारत की संचित निधि से
(2) भारत की आकस्मिक निधि से
(3) सार्वजनिक लेखा निधि से
(4) राजकोष से

उत्तर (a)

व्याख्या–राष्ट्रपति की परिलब्धियाँ एवं भत्ते तथा उसके कार्यालय के अन्य व्यय भारत की संचित निधि (अनु. 266) से लिए जाते हैं। इनके भत्ते एवं परिलब्धियों पर संसद में मतदान नहीं हो सकता।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

36. अभिकथन (a) : संविधान के अन्तर्गत राज्य सरकारें राज्य वित्त आयोग नियुक्त करने के लिए बाध्य होती हैं।

कारण (R) : राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय निकायों को दी जाने वाली वार्षिक धनराशि का निर्धारण राज्य वित्त आयोग द्वारा किया जाता है।

उपरोक्त दो कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है।

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य है, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

उत्तर (a)

व्याख्या–संविधान के अन्तर्गत राज्य सरकारें (अनु. 243 I) राज्य वित्त आयोग नियुक्त करने के लिए बाध्य होती है। राज्य का राज्यपाल प्रत्येक 5 वर्ष के बाद पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए वित्त आयोग का गठन करेगा। यह आयोग राज्य सरकार द्वारा लगाये गए कुल करों, चुंगी, मार्ग कर एवं एकत्रित शुल्कों का राज्य एवं पंचायतों के बीच बंटवारा करेगा।

एम॰ लक्ष्मीकांत, भारत की राजव्यवस्था

37. लोक सेवकों की नियुक्ति में निम्नलिखित अवस्थाओं का सही आनुक्रमिक क्रम क्या है?

(i) भर्ती
(ii) विज्ञापन
(iii) साक्षात्कार
(iv) लिखित परीक्षा

(a) ii iv iii i
(b) ii ii iii iv
(c) ii iii i iv
(d) iv i ii iii

उत्तर (a)

व्याख्या–भर्ती का सीधा अर्थ है विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए उपयुक्त प्रकार के व्यक्तियों को खोजना। लोकसेवकों की नियुक्ति में निम्नलिखित अवस्थाओं का सही आनुक्रमिक क्रम निम्नलिखित है-

1. विज्ञापन
2. लिखित परीक्षा
3. साक्षात्कार
4. भर्ती

38. सूची-I तथा सूची-II से मिलान करें और नीचे दिए गए कूट संकेतो में से उत्तर दें।

सूची-I	**सूची-II**
(a) संथानम समिति	(i) नव भर्ती करने की नीति और चयन के तरीके
(b) अशोक मेहता समिति	(ii) ब्रिटिश सिविल सर्विस का पुर्नसंगठन
(c) कोठारी समिति	(iii) भ्रष्टाचार की रोकथाम
(d) फलकान समिति	(iv) पंचायती राज की दो-स्तरीय व्यवस्था

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	iii	iv	i	ii
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iii	ii	i	iv
(d)	ii	iii	iv	i

उत्तर (a)

व्याख्या–

सूची-I	**सूची-II**
(a) संथानम समिति	(i) भ्रष्टाचार की रोकथाम
(b) अशोक मेहता समिति	(ii) पंचायती राज की दो-स्तरीय व्यवस्था
(c) कोठारी समिति	(iii) नव भर्ती करने की नीति और चयन के तरीके
(d) फलकान समिति	(iv) ब्रिटिश सिविल सर्विस का पुर्नसंगठन

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

39. लोक प्रशासन के अध्ययन के लिए हर्बर्ट ए. साइमन का उपागम है-

(a) व्यवहारवादी उपागम (b) संरचनात्मक उपागम
(c) संस्थागत उपागम (d) दार्शनिक उपागम

उत्तर (a)

व्याख्या—व्यवहारवादी उपागम ऐसा उपागम है, जिसका उद्देश्य लोक प्रशासन के अध्ययन को आधुनिक मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र और अर्थशास्त्र के विकसित सिद्धांतों, पद्धतियों, खोजों और दृष्टिकोणों के निकट सम्पर्क में लाना है। हरबर्ट साइमन प्रबन्ध विचारधारा के 'सामाजिक प्रणाली स्कूल' से सम्बन्धित हैं।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

40. शक्ति संतुलन के सिद्धांत का लक्ष्य क्या है?

(a) युद्ध
(b) यथापूर्व स्थिति
(c) असन्तुलन
(d) सन्तुलन

उत्तर (b)

व्याख्या—शक्ति सन्तुलन के सिद्धांत का लक्ष्य यथापूर्व स्थिति हैं। शक्ति सन्तुलन के सिद्धांत की आधारभूत पूर्व धारणा यह है कि व्यवस्था में कहीं भी अत्यधिक शक्ति, शेष इकाइयों के लिए खतरा बन जाती है तथा शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतिकारक शक्ति ही है।

यू॰ आर॰ घई, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत और व्यवहार

41. संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का कौन सा चेप्टर राष्ट्र संघ के प्रसंविदा के अनुच्छेद-16 का प्रतिरूप है-

(a) चेप्टर v
(b) चेप्टर vi
(c) चेप्टर vii
(d) चेप्टर viii

उत्तर (c)

व्याख्या—संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का चैप्टर - vii राष्ट्र संघ के प्रसंविदा के अनुच्छेद 16 का प्रतिरूप है। UNO की स्थापना 1944 को वाशिंगटन में हुई तथा इसकी स्थापना के पीछे प्रमुख उद्देश्य सामूहिक व्यवस्था के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा कायम रखना है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

42. हेन्स मार्गेन्थाऊ के अनुसार, शक्ति के संतुलन के पैटर्न हैं-

(i) सीधे विरोध का पैटर्न
(ii) प्रतिस्पर्धा का पैटर्न
(iii) समर्थन का पैटर्न
(iv) पारस्परिक विश्वास का पैटर्न
(a) (i) और (ii) सही है
(b) (i) और (iii) सही है
(c) (iii) और (iv) सही है
(d) (i), (ii) (iv) सही है

उत्तर (a)

व्याख्या—हान्स मार्गेन्थाऊ के अनुसार, शक्ति के सन्तुलन के पैटर्न है-
1. सीधे विरोध का पैटर्न
2. प्रतिस्पर्द्धा का पैटर्न

हेन्स मार्गेन्थाऊ अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के यथार्थवादी उपागम से संबंधित विद्वान है। वे इस बात में विश्वास करते हैं कि शक्ति, शस्त्र और युद्ध मानव स्वभाव की विशेषताएँ है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

43. निम्नलिखित को उनके उद्भव के अनुसार, कालानुक्रमिक क्रम में रखें-

(i) नैम (NAM)
(ii) डब्ल्यू टी ओ (WTO)
(iii) नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था
(iv) सॉफ्टा (SAPTA)
(a) iv iii i ii
(b) i iii iv ii
(c) iii ii iv i
(d) ii iv iii i

उत्तर (b)

व्याख्या—सही कानानुक्रमिक क्रम निम्न प्रकार से है-
1. नैम - 1961
2. नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था - 1974
3. सॉफ्टा - 1991
4. डब्ल्यू टी ओ - 1995

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

44. निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रीय हित को उन्नत करने का उपकरण समझा जाता है?

(a) मत प्रचार
(b) युद्ध
(c) अंतर्राष्ट्रीय विधि
(d) कूटनीति

उत्तर (d)

व्याख्या—कूटनीति राष्ट्रीय हित को उन्नत करने का प्रमुख उपकरण है। कूटनीति के अतिरिक्त राष्ट्रीय हित को उन्नत करने के अन्य उपायों में प्रचार, आर्थिक सहायता तथा ऋण, सन्धियां तथा गठबंधन, अवपीड़क साधन प्रमुख है।

यू॰ आर॰ घई अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत एवं व्यवहार

45. निम्न में कौन सा देश एन.पी.टी. का हस्ताक्षरी नहीं है?

(a) यू.के.
(b) यू.एस.ए.
(c) फ्रांस
(d) भारत

उत्तर (d)

व्याख्या—भारत, फ्रांस, चीन, ब्राजील, अर्जेन्टाइना तथा पाकिस्तान ने NPT पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया। NPT का पूरा नाम Non Proliferation Treaty है। इस सन्धि पर हस्ताक्षर 1968 में विभिन्न राष्ट्रों ने किया। यह सन्धि इस बात में विश्वास करती है कि परमाणु मुक्त विश्व अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा की स्थापना के लिए आवश्यक है।

यू॰ आर॰ घई, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत और व्यवहार

46. सार्क सचिवालय कहाँ स्थित है?

(a) नई दिल्ली

(b) इस्लामाबाद

(c) ढाका

(d) काठमाण्डू

उत्तर (d)

व्याख्या–सार्क सचिवालय काठमाण्डू में स्थित है। सार्क का पूरा नाम South Asian Associaiton For Regional Cooperation है। इसकी स्थापना 7-8 दिसम्बर 1985 में की गयी। इसके सदस्य देशों में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश आदि शामिल है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

47. भारत का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है-

(a) ए. एस. ई. ए. एन. (ASEAN)

(b) ए. पी. ई. सी. (APEC)

(c) ओ. आई. सी (OIC)

(d) ई. यू. (EU)

उत्तर (d)

व्याख्या–भारत का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी ई॰ यू॰ है। भारत ने विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किए हैं। इनमें ई॰ यू॰ प्रमुख है। ई॰ यू॰ से आशय यूरोपीयन यूनियन के देशों से है, जिसमें फ्रांस, जर्मनी, इटली इत्यादि जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

Note–वर्तमान 2019-20 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी राष्ट्र है।

निर्देश दिए गये वक्तव्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करें।

48. अभिकथन (A) शान्ति स्थापना प्रयास युद्ध-स्थितियों को स्थिर कर देता है बजाय उनका समाधान करने के।

तर्क (R) शान्ति स्थापन प्रयास का यू.एन. चार्टर में जिक्र ही नहीं किया गया है।

उत्तर (c)

व्याख्या–विश्वशान्ति की स्थापना के क्षेत्र में महासभा को उपयोगी बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास 3 नवम्बर, 1950 को किया गया। इस प्रस्ताव के फलस्वरूप महासभा को सामूहिक कार्यवाही एवं सेना का उपयोग करने की सिफारिश का अधिकार मिल गया।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

49. अभिकथन (a) आदर्शवाद नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित है जो देश की विदेश नीति को आकार देते हैं।

तर्क (R) यू.एस.ए. तानाशाह शासन प्रणाली का अक्सर समर्थन करता रहा है।

उत्तर (c)

व्याख्या–आदर्शवाद नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित है जो देश की विदेश नीति को आकार देते हैं। यू॰ एस॰ ए॰ तानाशाह शासन प्रणाली का अक्सर समर्थन करता रहा है। आदर्शवाद अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को स्वयं में साध्य न मानकर केवल एक साधन मानते हैं जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय न्याय का विकास करना है।

डॉ॰ बी॰ एल॰ फड़िया, राजनीति विज्ञान

50. घटनाओं और प्रधानमंत्री की शासन प्रणाली के सन्दर्भ में सूची I का सूची - II से मिलान करें-

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौता	(i)	जवाहरलाल नेहरू
(b)	ताशकन्द शिखर सम्मेलन	(ii)	इन्दिरा गाँधी
(c)	शिमला सहमति	(iii)	लालबहादुर शास्त्री
(d)	पंचशील	(iv)	मनमोहन सिंह

कोड-

	a	**b**	**c**	**d**
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	i	ii	iv

उत्तर (c)

व्याख्या–

	सूची-I		**सूची-II**
(a)	भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौता 2005	(i)	मनमोहन सिंह
(b)	ताशकन्द शिखर सम्मेलन 1966	(ii)	लाल बहादुर शास्त्री
(c)	शिमला सहमति 1972	(iii)	इन्दिरा गाँधी
(d)	पंचशील 1954	(iv)	जवाहर लाल नेहरू